किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

दैनिक हिन्दी समाचार समाज जागरण RNI NO. UPHIN/2021/84200

वर्षः 4 अंकः 279 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 18 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत टेक्स 2026 में लखपति दीदियों का जलवा

ग्रामीण उद्यम और पारंपरिक शिल्प ने जीता वैश्विक बाजार का भरोसा

भारत टेक्स 2026 में ग्रामीण विकास मंत्रालय के पवेलियन ने देशभर की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लखपति दीदियों की उद्यमशीलता, हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों का शानदार प्रदर्शन किया। चार दिवसीय आयोजन में देश-विदेश के खरीदारों ने ग्रामीण महिला उद्यमियों के उत्पादों में रुचि दिखाई, जिससे उन्हें नए बाजारों तक पहुंच का अवसर मिला। सरकार ने छह करोड़ लखपति दीदियां तैयार करने के लक्ष्य को भी दोहराया।

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत टेक्स 2026 में ग्रामीण भारत की महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि पारंपरिक शिल्प और आधुनिक उद्यमशीलता का संगम वैश्विक बाजार में नई पहचान बना सकता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के माध्यम से चार दिवसीय आयोजन में अपनी भागीदारी का सफल समापन किया। मंत्रालय के पवेलियन में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी लखपति दीदियों के उत्पादों ने देश-विदेश के खरीदारों, निर्यातकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया।

प्रदर्शनी के दौरान महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, उद्योग विशेषज्ञों से संवाद और नए बाजारों की संभावनाओं को तलाशने का अवसर मिला। मंत्रालय का मानना है कि इस आयोजन से ग्रामीण महिलाओं को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता मिला है।

अधिकारियों ने सराहा महिलाओं का कौशल

कार्यक्रम के समापन पर वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव टी.के. अनिल कुमार, संयुक्त सचिव जयश्री और स्वाति शर्मा ने मंत्रालय के पवेलियन का दौरा किया। डीएवाई-एनआरएलएम की निदेशक डॉ. मोलिश्री ने उनका स्वागत किया।

मुख्य बातें

✔ देश-विदेश के खरीदारों ने दिखाई रुचि

✔ महिला उद्यमियों को मिले नए बाजार

✔ हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को वैश्विक पहचान

✔ 'सरस शक्ति कलेक्शन' रहा आकर्षण का केंद्र

✔ सरकार ने दोहराया छह करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य

फोटो कैप्शनःभारत टेक्स 2026 में ग्रामीण विकास मंत्रालय के पवेलियन का अवलोकन करते वरिष्ठ अधिकारी। प्रदर्शनी में लखपति दीदियों द्वारा तैयार हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों ने देश-विदेश के खरीदारों का ध्यान आकर्षित किया।

अधिकारियों ने महिला उद्यमियों से बातचीत कर उनके व्यवसाय की जानकारी ली और हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की।

> *"भारत टेक्स 2026 ने ग्रामीण महिला उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और भारतीय हस्तशिल्प एवं वस्त्र विरासत को नई पहचान दिलाने का प्रभावी मंच प्रदान किया।"*
>
> – ग्रामीण विकास मंत्रालय

पारंपरिक शिल्प बना आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में भारत की समृद्ध वस्त्र एवं शिल्प परंपरा को दशार्ने वाले पट्टाचित्र, पेन कलमकारी, फुलकारी कढ़ाई, एरी रेशम, पशमीना सहित अनेक हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन उत्पादों ने ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता और कौशल को वैश्विक मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

'सरस शक्ति कलेक्शन' ने बटोरी सुर्खियां

प्रदर्शनी का सबसे बड़ा आकर्षण 'सरस शक्ति कलेक्शन' रहा। इस पहल के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उच्च गुणवत्ता वाले हस्तनिर्मित उत्पादों को एक ही मंच पर प्रदर्शित किया गया। बेहतर डिजाइन, आकर्षक पैकेजिंग और गुणवत्ता के कारण इन उत्पादों को खरीदारों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। यह पहल महिला उद्यमों को प्रीमियम और संस्थागत बाजारों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा

लखपति दीदी अभियान

10 करोड़+ ग्रामीण महिलाएं एसएचजी से जुड़ीं

3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं

6 करोड़ लखपति दीदियों का नया लक्ष्य

DAY-NRLM के जरिए वित्तीय सहायता, कौशल विकास और बाजार संपर्क

बिहार में 29 जुलाई से खुलेगा शिक्षक ट्रांसफर पोर्टल

5 अगस्त तक होंगे ऑनलाइन आवेदन, तीन चरणों में पूरी होगी स्थानांतरण प्रक्रिया

पटना। बिहार के लाखों शिक्षकों के लिए राहत की खबर है। शिक्षा विभाग ने बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026 के तहत तबादला प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार 29 जुलाई से शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल खुल जाएगा और पात्र शिक्षक 5 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

विभाग के अनुसार, समायोजन, पारस्परिक (आपसी) स्थानांतरण और सामान्य तबादले की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में 29 जुलाई से 5 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। इसके बाद 7 अगस्त से 9 सितंबर तक समायोजन, सूची का प्रकाशन, आपत्तियों की सुनवाई और उनके निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन भारत की

जींद से पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी, बोले– ग्रीन रेल तकनीक में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल

समाज जागरण

जींद। भारत ने स्वच्छ और आधुनिक रेल परिवहन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को हरियाणा के जींद से अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरूआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रेन है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अभी दुनिया के केवल तीन-चार देशों के पास है और भारत ने इस क्षेत्र में अपनी स्वदेशी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलने वाली यह ट्रेन 3,200 हॉर्सपावर के प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है। यह भारत की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन भी है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय

हाइड्रोजन आधारित रेल परिवहन का होगा और भारत इस बदलाव का नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने रेलवे के आधुनिकीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि 1925 से 2014 तक केवल 30 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि पिछले 12 वर्षों में यह बढ़कर लगभग 99 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हरियाणा का रेल नेटवर्क अब पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुका है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने हरियाणा को 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। इनमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, जींद-गोहाना हाईवे, अंबाला-काला अंब फोरलेन सड़क और मेडिकल कॉलेज जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक की तैयारी में पूरी ताकत लगाने का भी आह्वान किया।

फैक्ट बॉक्स

- ▶ रूटः जींद-सोनीपत
- ▶ क्षमताः 3,200 हॉर्सपावर
- ▶ विशेषताः दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन
- ▶ उपलब्धिः भारत की पहली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन
- ▶ सौगातः हरियाणा को 14,700 करोड़ की विकास परियोजनाएं

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में जोरदार तेजी

सेंसेक्स 965 अंक चढ़कर 78,151 पर बंद, निफ्टी 261 अंक उछलकर 24,334 के पार; बैंकिंग और आईटी शेयरों में शानदार खरीदारी

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बावजूद शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने दमदार वापसी की। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 964.58 अंक (1.25%) की तेजी के साथ 78,151.45 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी-50 261.55 अंक (1.09%) चढ़कर 24,334.30 के स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 78,282.55 के इंट्रा-डे हाई तक पहुंचा, जबकि निफ्टी ने 24,367.30 का उच्च स्तर छुआ। दिनभर बैंकिंग और आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को मजबूती मिली।

हालांकि अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में निफ्टी मिडकैप 0.41% और निफ्टी स्मॉलकैप 0.21% की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी प्राइवेट बैंक करीब 2% की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। इसके अलावा आईटी, बैंक, रियल्टी, ऑटो, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक शेयरों में भी अच्छी तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर फार्मा, हेल्थकेयर, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में बिकवाली का दबाव रहा।

निफ्टी-50 में टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर प्रमुख बढ़त वाले रहे, जबकि हिंदाल्को, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, विप्रो, सन फार्मा, अपोलो हॉस्पिटल्स और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

मार्केट

सेंसेक्सः ▲ 964.58 अंक (1.25%) – 78,151.45

निफ्टी-50: ▲ 261.55 अंक (1.09%) – 24,334.30

टॉप सेक्टरः प्राइवेट बैंक (+2%), आईटी (+1.75%)

दबाव वाले सेक्टरः फार्मा (-1.40%), हेल्थकेयर (-1.28%)

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा पर जोर, पॉश एक्ट जागरूकता अभियान शुरू

समाज जागरण

विज्ञान भवन में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी बोलीं– सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल समावेशी विकास की आधारशिला

नई दिल्ली। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को विज्ञान भवन में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश एक्ट) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अपने संबोधन में अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी कार्यस्थल अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को बिना किसी भय के काम करने का अधिकार है और यह सुनिश्चित करना सरकार, नियोक्ताओं तथा सभी संस्थानों की साझा जिम्मेदारी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय पॉश एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, जिससे संस्थान अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें। उन्होंने शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, निष्पक्ष जांच, गोपनीयता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के पालन पर विशेष बल दिया।

उन्होंने 'शी-बॉक्स' पोर्टल को महिलाओं की शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी समाधान का प्रभावी डिजिटल मंच बताते हुए कहा कि यह महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मैक्सिको में 7.3 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तटीय क्षेत्र में शुक्रवार को 7.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी जारी कर दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार, भूकंप का केंद्र एक्विलेस सेर्डन शहर से करीब 48 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

भूकंप के तेज झटकों से चियापास और आसपास के तटीय इलाकों में लोगों में दहशत फैल गई। कई लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर खुले स्थानों की ओर भागे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में ऊंची इमारतों को तेजी से हिलते देखा गया।

भूकंप के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सुनामी को लेकर चेतावनी जारी की। एजेंसी के अनुसार, उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मैक्सिको और ग्वाटेमाला के कुछ तटीय क्षेत्रों में समुद्र का जलस्तर 0.3 से 1 मीटर तक बढ़ सकता है। वहीं कोलंबिया, कोस्टा रिका, इक्वाडोर, अल सल्वाडोर और पनामा के कुछ तटीय इलाकों में भी लगभग 0.3 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है।

प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने, स्थानीय प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। समाचार लिखे जाने तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। (स्रोतः USGS/यूएस नेशनल वेदर सर्विस)

सैटेलाइट तस्वीरों में बुशहर परमाणु संयंत्र के पास हमले के निशान, दावों पर बढ़ी बहस

समाज जागरण

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लेकर नए दावे सामने आए हैं। हालिया सैटेलाइट तस्वीरों में संयंत्र परिसर के भीतर काले निशान दिखाई देने के बाद हमले से हुए संभावित नुकसान को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, यूरोपीय सेंटिनल-2 उपग्रह की 7 जुलाई और 12 जुलाई की तस्वीरों की तुलना में परिसर के कुछ हिस्सों में ताजा क्षति के संकेत दिखाई देते हैं। हालांकि, इन तस्वीरों के आधार पर संयंत्र को हुए वास्तविक नुकसान या उसके संचालन पर पड़े प्रभाव की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान पहले कह चुका है कि उसके परमाणु प्रतिष्ठानों को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा है। दूसरी ओर, क्षेत्र

में जारी सैन्य तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परमाणु सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी सक्रिय परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास सैन्य कार्रवाई गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है। (एजेंसियां)

गिलगित-बाल्टिस्तान भारत का अभिन्न हिस्सा, स्थिति नहीं बदल सकता पाकिस्तानः MEA

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान को प्रांतीय दर्जा देने की पाकिस्तान की संभावित पहल पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा है कि गिलगित-बाल्टिस्तान भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति

बदलने के लिए चाहे जितने भी एकतरफा कदम उठाए, इससे हकीकत नहीं बदलेगी और ऐसे कदमों की कोई कानूनी वैधता नहीं है।

यह प्रतिक्रिया गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा द्वारा पाकिस्तान से पूर्ण प्रांतीय दर्जा देने की मांग वाला सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद आई है। भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

मेरठ में स्कूल संचालक की हत्या का आरोप, पत्नी व प्रेमी समेत तीन गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के हस्तिनापुर क्षेत्र में एक स्कूल संचालक की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी, कथित प्रेमी और एक सपेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पत्नी पर अपने पति की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

पुलिस का कहना है कि मृतक अतुल की पत्नी दामिनी का कथित रूप से परिवार के ड्राइवर से प्रेम संबंध था। आरोप है कि दोनों ने एक सपेरे की मदद से हत्या की योजना बनाई ताकि घटना सामान्य दुर्घटना लगे। मामले का खुलासा जांच और आरोपितों से पूछताछ के बाद हुआ।

पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि हत्या के तरीके और अन्य पहलुओं की फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है।

(एजेंसियां)

भारतीय अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम-1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष है जहाँ निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो चुका है। दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम पूर्ण रूप से सरकारी नियंत्रण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के कुशल मार्गदर्शन में पलता और बढ़ता रहा है। इसरो ने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और मंगल ग्रह से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक तिरंगा फहराया है। लेकिन अब समय बदल रहा है और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य हो गई है। इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो ऐतिहासिक निर्णय लिया था यह प्रक्षेपण उसी नीतिगत बदलाव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष परिणाम है।

जब हम स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके महत्वाकांक्षी रॉकेट विक्रम-1 की बात करते हैं तो हमें इसके पीछे के तकनीकी चमत्कार और वर्षों की अथक मेहनत को समझना होगा। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रतीकात्मक संदेश है। विक्रम-1 कोई साधारण लॉन्च वाहन नहीं है बल्कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का एक अद्भुत संगम है। इस रॉकेट की सबसे बड़ी विशेषता इसके निर्माण में थ्रीडी प्रिंटिंग तकनीक का व्यापक उपयोग है। इसके कई महत्वपूर्ण पुर्जे और विशेष रूप से इसका क्रायोजेनिक इंजन जिसे धवन नाम दिया गया है पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में थ्रीडी प्रिंटिंग से रॉकेट के पुर्जे बनाने में लगने वाला समय और लागत दोनों काफी कम हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त रॉकेट का बाहरी ढांचा कार्बन फाइबर कंपोजिट से बनाया गया है जो इसे बेहद हल्का लेकिन इस्पात से भी अधिक मजबूत बनाता है। एक हल्के ढांचे का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट अपने साथ अधिक पेलोड यानी अधिक वजन के उपग्रह ले जाने में सक्षम होगा। यह एक बहु चरण वाला रॉकेट है जिसे विशेष रूप से छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उप कक्षीय और कक्षीय उड़ानों के बीच एक बहुत बड़ा तकनीकी अंतर होता है जिसे समझना यहां बेहद प्रासंगिक है। नवंबर 2022 में स्काईरूट एयरोस्पेस ने ही अपना पहला रॉकेट विक्रम एस लॉन्च किया था जो एक उप कक्षीय उड़ान थी। उप कक्षीय उड़ान का अर्थ होता है कि रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा को तो छूता है लेकिन वह पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए आवश्यक गति प्राप्त नहीं कर पाता और गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस लौट आता है। इसके विपरीत अठारह जुलाई को होने वाला विक्रम-1 का प्रक्षेपण एक कक्षीय मिशन है। इसका मतलब है कि यह रॉकेट न केवल अंतरिक्ष में जाएगा बल्कि यह इतनी तेज गति प्राप्त करेगा कि यह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हो सके और अपने साथ ले जाए गए उपग्रहों को सटीक रूप से उनकी निर्धारित जगह पर छोड़ सके। कक्षीय उड़ान तकनीकी रूप से बहुत अधिक जटिल चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरी होती है। इसमें रॉकेट के इंजनों को कई बार चालू और बंद करना पड़ता है और इसकी नेविगेशन प्रणाली को बिल्कुल अचूक होना पड़ता है। अगर स्काईरूट की टीम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेती है तो यह भारतीय निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमता का विश्व स्तर पर सबसे बड़ा प्रमाण होगा।

आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रक्षेपण के मायने बहुत गहरे और दूरगामी हैं। आज पूरी दुनिया में संचार मौसम पूवार्नुमान कृषि निगरानी और नेविगेशन के लिए छोटे उपग्रहों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। पारंपरिक रूप से बड़े रॉकेटों के जरिए इन उपग्रहों को लॉन्च करने में बहुत समय लगता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों के पास अपने स्वयं के बड़े मिशन होते हैं और छोटे उपग्रहों को उन बड़े मिशनों के साथ सह यात्री के रूप में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को अपने उपग्रह लॉन्च करने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। स्काईरूट जैसी कंपनियां इसी समस्या का समाधान लेकर आई हैं। विक्रम-1 जैसे रॉकेट ऑन डिमांड लॉन्च की सुविधा प्रदान करते हैं। इसका मतलब है कि जब भी किसी ग्राहक को अपना उपग्रह लॉन्च करना हो यह रॉकेट कुछ ही हफ्तों की तैयारी के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है। यह लचीलापन और कम लागत भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक कमर्शियल मार्केट में एक बहुत बड़ा प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करेगा। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है लेकिन विक्रम-1 की सफलता इस हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सीधे चुनौती देने की नींव रखेगी।

इस निजीकरण और तकनीकी विकास का एक और महत्वपूर्ण पहलू रोजगार सृजन और प्रतिभा पलायन को रोकना है। भारत में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डीप टेक और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन अतीत में उचित अवसर और निजी क्षेत्र में निवेश न होने के कारण हमारी कई बेहतरीन प्रतिभाएं विदेशों का रुख कर लेती थीं। स्काईरूट एयरोस्पेस जैसी स्वदेशी कंपनियों का उदय इन युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को अपने ही देश में विश्व स्तरीय परियोजनाओं पर काम करने का अवसर दे रहा है। इससे न केवल देश में एक मजबूत अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार हो रहा है बल्कि सहायक उद्योगों को भी भारी बढ़ावा मिल रहा है। रॉकेट निर्माण के लिए आवश्यक कल पुर्जे सॉफ्टवेयर विकास परीक्षण सुविधाएं और ग्राउंड स्टेशन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों में हजारों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को सही मायनों में साकार कर रही है। सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेंसी इन स्पेस का समर्थन और इसरो द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी और बुनियादी ढांचागत सहायता यह दशार्ती है कि भारत में अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरक बनकर काम कर रहे हैं।

विक्रम-1 की उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह उड़ान उन तमाम छोटे और मझोले स्टार्टअप्स के लिए एक प्रेरणा है जो नवाचार के क्षेत्र में कुछ नया करने का सपना देखते हैं। जब एक निजी भारतीय कंपनी अपने दम पर एक कक्षीय रॉकेट बनाकर उसे अंतरिक्ष में भेज सकती है तो यह साबित होता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही नीतिगत समर्थन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में हम अंतरिक्ष पर्यटन क्षुद्रग्रह खनन और गहरे अंतरिक्ष मिशनों में भी भारतीय निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी देखेंगे। विक्रम-1 उस लंबी यात्रा का केवल पहला कदम है। अठारह जुलाई को जब विक्रम-1 के इंजन आग उगलते हुए आसमान का सीना चीरेंगे तो वह केवल एक मशीन की उड़ान नहीं होगी बल्कि वह एक नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान होगी। एक ऐसा भारत जो अब केवल दूसरों के बनाए रास्तों पर चलने में विश्वास नहीं रखता बल्कि अंतरिक्ष के अनंत विस्तार में अपना खुद का रास्ता बनाने का साहस रखता है। यह प्रक्षेपण आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाएगा कि जब सपने बड़े होते हैं और हौसले बुलंद होते हैं तो आसमान की कोई सीमा नहीं होती और सितारे भी हमारी पहुंच में होते हैं।

महेन्द्र तिवारी

कहां चला गया पुलिस के हाथों में लहराने वाला डंडा

उत्तर प्रदेश की सड़कों पर वर्षों तक एक दृश्य बेहद सामान्य हुआ करता था, जो अब केवल पुरानी यादों या पुलिस थानों की धूल फांकती फाइलों में सिमट कर रह गया है। खाकी वर्दी पहने एक पुलिस कर्मी, जिसके हाथ में एक लंबी, मजबूत और पॉलिश की हुई बेंत की लाठी होती थी, जिसे स्थानीय भाषा में हम डंडा कहते हैं। वह डंडा केवल पुलिस की वर्दी का एक अनिवार्य अंग मात्र नहीं था, बल्कि वह उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का वह आधार स्तंभ था, जो बड़े से बड़े मनचलों और अराजक तत्वों को केवल अपनी मौजूदगी से ही अनुशासित कर देता था। एक समय था जब चौराहों पर ट्रैफिक नियंत्रित करते हुए या भीड़ भरे इलाकों में गश्त करते हुए पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा किसी भी विवाद को पल भर में शांत करने के लिए पर्याप्त होता था। उस डंडे के प्रति अपराधियों के मन में एक स्वाभाविक और गहरा खौफ था, जो उन्हें कानून की लक्ष्मण रेखा लाँघने से पहले सोचने पर मजबूर कर देता था। लोग कहते हैं कि वह डंडा केवल लकड़ी का टुकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के इकबाल और कानून के शासन का प्रतीक था। जब कोई उपद्रवी या अपराधी सड़क पर कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करता, तो पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा एक मूक चेतावनी की तरह काम करता था। उस दौर में पुलिस को किसी भी स्थिति को संभालने के लिए हथियारों के प्रयोग या बल की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती थी, क्योंकि वह डंडा एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में सक्षम था। पुलिस कर्मियों के लिए वह डंडा उनकी सुरक्षा कवच भी था और उनके काम का अभिन्न साथी भी।

लेकिन समय के साथ स्थितियां बदलने लगीं और पुलिस के हाथों से यह डंडा धीरे-धीरे गायब होने लगा। इस बदलाव के पीछे कई जटिल कारण हैं, जिसमें मानवाधिकार संगठनों की बढ़ती सक्रियता और न्यायपालिका की सख्त होती टिप्पणियां प्रमुख हैं। बीते कुछ दशकों में मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ी है, जिसका परिणाम यह हुआ कि पुलिस के हर कदम की बारीकी से जांच होने लगी। मानवाधिकार कार्यकताओं ने तर्क दिया कि पुलिस के हाथ में लाठी का होना अनियंत्रित बल के प्रयोग को बढ़ावा देता है, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो सकता है। उनके अनुसार, सभ्य समाज में पुलिस को डंडे के बल पर नहीं, बल्कि कानून के तर्क और तकनीकी कौशल के आधार पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही, न्यायपालिका ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और यह स्पष्ट किया कि बल का प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाना चाहिए। पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के शारीरिक बल के इस्तेमाल पर कोर्ट की निगरानी और मीडिया की पैनी नजर ने पुलिस कर्मियों को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। इन परिस्थितियों ने उत्तर प्रदेश की पुलिस के भीतर एक तरह का डर पैदा कर दिया कि कहीं उनका कोई छोटा सा कदम, जो ड्यूटी के नाते आवश्यक था, उनके लिए कानूनी मुसीबत या निलंबन का कारण न बन जाए। धीरे-धीरे, पुलिस ने खुद को विवादों से बचाने के लिए अपने हाथ से वह डंडा छोड़ देना ही बेहतर समझा।

आज स्थिति यह है कि सड़क पर कानून-व्यवस्था संभालने वाले हमारे पुलिस कर्मी एक अजीब सी लाचारी के दौर से गुजर रहे हैं। बिना डंडे के, वे उन उपद्रवियों और मनचलों के सामने निहत्थे से महसूस होते हैं, जो कानून का सम्मान करने के बजाय पुलिस के संयम को उनकी कमजोरी समझने लगे हैं। जब पुलिस कर्मी के हाथ में डंडा नहीं होता, तो अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ता है क्योंकि उन्हें पता होता है कि सामने खड़ा पुलिस वाला कानूनी पचड़ों के डर से हाथ नहीं उठा सकता। यह लाचारी केवल पुलिस कर्मियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम जनता के लिए भी एक चिंता का विषय है। अक्सर देखा गया है कि छेड़खानी के मामलों में, छोटी-मोटी मारपीट या दंगों जैसी स्थितियों में पुलिस के हाथ में मौजूद वह डंडा ही था, जो फौरन शांति स्थापित कर देता था। अब उसके न होने से पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक तरीकों जैसे आंसू गैस के गोले, लाठीचार्ज के बड़े ऑपरेशन्स या अन्य बल प्रयोगों का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और जनहानि का खतरा भी बढ़ जाता है। डंडे के जरिए जो काम एक पल में हो जाता था, आज उसी के लिए पुलिस को लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं और बल प्रयोग के आरोपों का सामना करना पड़ता है।

पुलिस के हाथ से डंडा छिन जाने का मतलब केवल एक उपकरण का जाना नहीं है, बल्कि यह राज्य के इकबाल और सड़क पर पुलिस की उपस्थिति के प्रभाव में आई कमी का द्योतक है। खाकी और डंडे का जो समन्वय दशकों से चला आ रहा था, उसके टूटने से पुलिस के आत्मविश्वास पर भी असर पड़ा है। आज का पुलिस कर्मी इस दुविधा में जीता है कि वह कानून का पालन कैसे कराए, जबकि उसके पास उस डंडे का संरक्षण नहीं है, जो बिना किसी को नुकसान पहुँचाए ही अनुशासन कायम कर देता था। न्यायपालिका और मानवाधिकारों का सम्मान करना निस्संदेह आवश्यक है और पुलिस का निरंकुश होना किसी भी लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन इस प्रक्रिया में उस माध्यम को पूरी तरह खत्म कर देना, जो शांति व्यवस्था बनाए रखने में सबसे अधिक प्रभावी था, एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ पुलिस को तकनीकी और आधुनिक उपकरणों के नाम पर इतना सीमित कर दिया जाएगा कि वह सड़क पर कानून की धज्जियां उड़ाने वालों के सामने असहाय दिखेगी? समाज में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि पुलिस को उचित कानूनी सुरक्षा और संसाधन मिले, ताकि वह बिना किसी अनावश्यक भय के अपना कर्तव्य निभा सके।

बहरहाल, डंडे के बिना पुलिस का सड़क पर होना ऐसा ही है जैसे किसी सिपाही का बिना ढाल के युद्ध के मैदान में उतरना। आने वाले समय में नीति निमार्ताओं को यह सोचना होगा कि कानून के शासन और मानवाधिकारों के बीच एक संतुलन कैसे बनाया जाए, ताकि पुलिस के हाथ का वह 'प्रतीकात्मक डंडा' फिर से अपनी गरिमा और प्रभाव के साथ वापस लौट सके, जो अपराधियों के मन में डर और आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करता था। पुलिस की इस लाचारी को खत्म करना केवल पुलिस कर्मियों के मनोबल के लिए ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और अनुशासित समाज के लिए भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कानून का इकबाल बना रहेगा तभी समाज में व्यवस्था का कायम रहना संभव हो सकेगा।

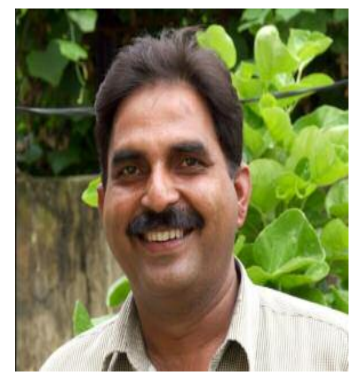

संजय सक्सेना, लखनऊ

भारत के लिए अमेरिका सदैव ट्रबलसम फ्रेंड(दुखदाई मित्र)।

भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका तथा रूस से अपने संबंध विस्तारित करने का प्रयास किया पर रूस ने सदैव एक सच्चे मित्र की भूमिका निभाई पर कई सोपनो में अमेरिका केवल अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करने के लिए भारत से संबंध बनाते रहा है एवं भारत से ज्यादा पड़ोसी पाकिस्तान देश को वरीयता प्रदान करता रहा है एवं उसे आर्थिक तथा सामरिक मदद भी करता रहा। अमेरिका का सदैव यह प्रयास रहा कि भारत में अंदरूनी तथा बाहरी अस्थिरता बनी रहे और यही कारण है कि वह पाकिस्तान को सदैव भारत के खिलाफ भड़काता उकसाता रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक मित्रता में अमेरिका का आर्थिक पडला हमेशा भारी रहा है यह अलग बात है कि भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और अपनी स्वायत्त छवि को विदेशों में कायम रखा और एक स्वतंत्र गुटनिरपेक्ष नीति पर आगे चला रहा। विश्व राजनीति में अमेरिका एक ऐसी महाशक्ति के रूप में स्थापित रहा है जिसकी विदेश नीति का मूल आधार आदर्शवाद से अधिक राष्ट्रीय हित और आर्थिक लाभ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों का मानना है कि कोई भी राष्ट्र स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रखता, बल्कि उसके स्थायी हित होते हैं। अमेरिका ने भी अपने राष्ट्रीय हितों, आर्थिक प्रभुत्व और सामरिक वर्चस्व को सर्वोपरि रखते हुए विश्व के देशों के साथ संबंध स्थापित किए हैं। यही कारण है कि अनेक बार वह मित्र दिखाई देता है, तो कई बार उसके निर्णय मित्र देशों के लिए भी असहज और चिंताजनक साबित होते हैं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने स्वयं को वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित किया। उसने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा गठबंधनों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया। अमेरिका की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व बाजारों तक पहुंच बनाए रखना, ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षा करना और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करना रहा है।

इराक, अफगानिस्तान, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेपों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक और सामरिक हित भी उसकी नीतियों के केंद्र में रहे हैं। इसलिए आलोचक अमेरिका को "हित-आधारित मित्र" या "ट्रबलसम फ्रेंड" की संज्ञा देते हैं।

भारत के संदर्भ में अमेरिकी दृष्टिकोण

भारत की स्वतंत्रता के बाद अमेरिका और भारत के संबंध सदैव सरल नहीं रहे। शीतयुद्ध काल में भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई, जबकि अमेरिका पाकिस्तान को अपने सामरिक सहयोगी के रूप में देखता था। पाकिस्तान को सैन्य सहायता, आधुनिक हथियारों और आर्थिक सहयोग ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित किया।

1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी अमेरिकी नीतियों को लेकर भारत में अनेक प्रश्न उठे। विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय अमेरिकी प्रशासन का झुकाव पाकिस्तान की ओर दिखाई दिया। इससे भारतीय जनमानस में यह धारणा मजबूत हुई कि अमेरिका दक्षिण एशिया में भारत की अपेक्षा पाकिस्तान को सामरिक दृष्टि से अधिक महत्व देता है।

हालांकि यह भी सत्य है कि समय के साथ परिस्थितियां बदलीं। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में नई निकटता आई। सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, शिक्षा और परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों ने उल्लेखनीय साझेदारी विकसित की। 2008 का असैनिक परमाणु समझौता इस संबंध का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। विश्वास और सावधानी के बीच भारत

भारत और अमेरिका आज रणनीतिक साझेदार हैं, किंतु यह साझेदारी पूर्ण विश्वास पर नहीं बल्कि पारस्परिक हितों पर आधारित है। अमेरिका जहां चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, वहीं भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान के प्रश्न और वैश्विक व्यापारिक नीतियों पर कई बार दोनों देशों के दृष्टिकोण अलग दिखाई देते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भारत को अमेरिका के साथ सहयोग तो बढ़ाना चाहिए, लेकिन अपनी विदेश नीति का निर्धारण राष्ट्रीय हितों और आत्मनिर्भर सामरिक क्षमता के आधार पर करना चाहिए।

वैसे भी विदेश नीति परिपेक्ष में किसी भी देश के साथ अमेरिका अमेरिका को भी केवल मित्र या शत्रु की संकीर्ण परिभाषा में नहीं बांधा जा सकता। वह एक ऐसी महाशक्ति है जो अपने राष्ट्रीय, आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार निर्णय लेती है। भारत के लिए भी आवश्यक है कि वह भावनाओं के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विश्वास से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित और सामरिक संतुलन होते हैं।

भारत को अमेरिका सहित सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध रखते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामरिक शक्ति को सुदृढ़ करना होगा। यही वह मार्ग है जो भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक, सुरक्षित और प्रभावशाली स्थिति प्रदान कर सकता है।

संजीव ठाकुर

न्याय कहीं अँधेरे में...!

आज तख्तों पर बैठे फैसले,
सत्य अभी भी कटघरे में है।
ताकत के आगे झुकता जग,
न्याय लगा कहीं अँधेरे में है।

जहाँ में रोते बच्चे, उजड़े घर,
यहाँ खामोश हुआ हर इंसान।
युद्धों की धधक रहीं आग में,
यूं जलता जा रहा है सम्मान।

यहाँ कानून की मोटी किताबें,
सिर्फ.शब्दों का बोझ हैं बनीं।
न जाने निदोर्षों की टूटी साँसें,
किसके हिस्से की खोज बनीं?

जब ताकत ही सच कहलाए,
तब न्याय कहाँ टिक पाएगा?
यदि मानवता संसार हार गई,
तो इतिहास क्या दोहराएगा?

उठो, विवेक की लौ जलाओ,
सत्ता से "सच" मत हारने दो।
धरती सबकी, जीवन सबका,
इंसानियत को जिन्दा कर दो।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

रूसी तेल खरीदने पर भारत को घेरने की तैयारी, अमेरिकी सीनेट में 100% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव

अमेरिका के सीनेटरों द्वारा इस सप्ताह पेश किए गए एक विधेयक में रूस से तेल और गैस के पांच सबसे बड़े खरीदार देशों से आयातित माल पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। खबरों के अनुसार विधेयक को दोनों दलों का समर्थन प्राप्त है। यह विधेयक स्पष्ट रूप से भारत और चीन को निशाना बनाता है। मूल विधेयक में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था। विधेयक में सीनेटर लिंडसे ग्राहम की अग्रणी भूमिका थी। (उनका हाल ही में निधन हो गया)। बताया जाता है कि इस विधेयक को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त है और इसमें उन्हें प्रतिबंधों को हटाने का अधिकार भी दिया गया है, लेकिन यह प्रस्ताव तर्कसंगत नहीं है।

ऐसे प्रस्तावों के पीछे यह अंतर्निहित धारणा है कि इससे रूस के तेल और गैस निर्यात में कमी आएगी, जिससे यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए उसे धन की कमी होगी। यह धारणा गलत है, और यह विधेयक सबसे गलत समय में आया है।

पिछले साल रूस से तेल आयात करने पर भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क और तथाकथित जवाबी शुल्क से युद्ध समाप्त नहीं हुआ। ऐसा कोई भी कदम भू-राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना देगा। पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट, जो तेल और गैस की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है, पूरी तरह से अमेरिका की देन है। दुनिया इसकी भारी कीमत चुका रही है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम बहुत जल्दी टूट गया, हालांकि यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है। युद्ध ने होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा प्रवाहित होता है। दोनों पक्षों द्वारा हमलों की फिर से शुरूआत ने होर्मुज स्ट्रेट को व्यावहारिक रूप से फिर से बंद कर दिया है। हालांकि रिपोर्टों के अनुसार, इस बार के हमले पिछले दौर के संघर्ष के विपरीत काफी लक्षित हैं, लेकिन स्थिति कभी भी बदल सकती है।

दरअसल, इस बार हालात कहीं अधिक जटिल हो सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में तेल की कीमतें 10 फीसदी से अधिक बढ़ चुकी हैं। दुनिया भर में आपातकालीन भंडारों का बड़ा हिस्सा पहले ही इस्तेमाल हो चुका है। ऐसे में, अगर आपूर्ति बाधित रहती है, तो इससे न केवल तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती है, बल्कि उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी सांसद और प्रशासन भारत और चीन जैसे बड़े ऊर्जा आयातकों से क्या उम्मीद करते हैं। क्या इन देशों से ऊर्जा की कमी झेलने की उम्मीद की जाती है?

गौरतलब है कि ईरान संघर्ष के पिछले दौर में तेल की कीमतों में उतनी वृद्धि न होने का एक कारण यह था कि चीन ने अपने आयात में काफी कमी कर दी थी। हालांकि चीनी भंडारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन यह माना जा सकता है कि वे हमेशा के लिए तो नहीं रहेंगे।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि यूक्रेन युद्ध का जारी रहना आंशिक रूप से वैश्विक और अमेरिकी उदासीनता के कारण है। यूक्रेन के पास आत्मरक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन युद्ध को समाप्त करने के लिए न तो अमेरिका और न ही यूरोप सहित अन्य प्रमुख शक्तियां कोई गंभीर प्रयास कर रही हैं। भारत ने न तो यूक्रेन युद्ध और न ही ईरान युद्ध शुरू करने में कोई भूमिका निभाई है, तो उसे नुकसान क्यों होना चाहिए?

भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है और वह यही कर रही है। एक बार होर्मुज स्ट्रेट खुल जाने और युद्ध समाप्त हो जाने पर, रूस से आयात स्वतः कम हो जाएगा। और एक बार यूक्रेन का मुद्दा हल हो जाने पर, रूसी तेल चिंता का विषय नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया और यूक्रेन दोनों को गंभीर राजनयिक बातचीत की आवश्यकता है। टैरिफ लगाने वाले विधेयकों को प्रायोजित करने के बजाय, अमेरिकी सांसदों को यह पूछना चाहिए कि अमेरिकी जनता के धन से लड़े जा रहे युद्धों का समाधान क्यों नहीं हो रहा है।

इस बीच, भारतीय नीति निमार्ताओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है। भारत अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और उसे अपनी स्थिति को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना होगा। पिछली बार की तरह, अमेरिका चीन पर उच्च टैरिफ लगाने से हिचकिचाएगा क्योंकि वह जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है। भारत को अपने हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

गुलामी की जंजीर

दिखाई नही देती गुलामी की जंजीर,
वो केवल महसूस होती है सभी को।
लोग तोड़ नही पाते उन जंजीरों को,
क्योकि वह वस्तु की बनी नही होती।
राजतंत्र हो या लोकतंत्र हो जंजीरे है,
कभी राजा का तो कभी नेताओ का।
राजतंत्र में प्रजा बंधी होती थी,
राजाओं की गुलामी की जंजीरों से।
जबकि लोकतंत्र में जनता जंकड़ी है,
नेताओ तथा अफसरों की जंजीरों में।
लोकतंत्र में जनता मालिक है,
लेकिन गुलाम है अपनी कर्मो से।
जब विवेक जनता की मर जाती है,
तो बंध जाते है गुलामी की जंजीरों में।
जागो लोगो आगे बढ़ो बुद्धि का विस्तार करो,
तोड़ो उन जंजीरों को जो तुम्हे गुलाम करे।

वेद प्रकाश

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

गौतमबुद्धनगर में 19 जुलाई को चार परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सहायक कमांडेंट) परीक्षा-2026

समाज जागरण
गौतमबुद्धनगर, 17 जुलाई। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सहायक कमांडेंट) परीक्षा-2026 जनपद गौतमबुद्धनगर के चार परीक्षा केन्द्रों पर 19 जुलाई (रविवार) को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेटों, स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों तथा परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ संघ लोक सेवा आयोग के मानकों के अनुरूप समय से पूर्ण कर ली जाएँ तथा सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों को परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हों तथा सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से कार्य कर रहे हों। किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।

अपर जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश के समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सघन जाँच की जाए, ताकि कोई भी प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष तक न पहुँच सके।

बैठक में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित अधिकारी मुकेश मीणा ने आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा संचालन की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की।

बैठक में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शव्या गोयल, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्थानीय निरीक्षण अधिकारी, परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापक तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

16 वर्ष या उससे अधिक आयु की दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

समाज जागरण
गौतमबुद्धनगर, 17 जुलाई। जनपद की विद्यालयों एवं शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र दिव्यांग छात्राओं के लिए निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य दिव्यांग छात्राओं के शैक्षिक पुनर्वास को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें विद्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं तक सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि योजना का लाभ मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया अथवा अन्य ऐसी दिव्यांगता से ग्रसित छात्राओं को मिलेगा, जिनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो तथा कमर के ऊपर का भाग स्वस्थ हो। साथ ही संबंधित छात्रा अपने हाथों से ई-ट्राईसाइकिल संचालित करने में सक्षम हो और उसकी दिव्यांगता मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश की 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा। जिन छात्राओं को पिछले पाँच वर्षों के भीतर भारत सरकार, स्थानीय निकाय, सांसद निधि, विधायक निधि अथवा किसी अन्य सरकारी या सरकारी अनुदानित योजना के माध्यम से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त हो चुकी है, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। प्रत्येक ई-ट्राईसाइकिल पर अधिकतम 65 हजार रुपये तक का अनुदान अनुमन्य है। आवेदन के साथ संबंधित शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अथवा संस्थाध्यक्ष द्वारा जारी अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा, जिसकी पुष्टि जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा की जाएगी।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने पात्र दिव्यांग छात्राओं से निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवश्यक अभिलेखों की प्रतियां कक्ष संख्या-107, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर में शीघ्र उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि उन्हें समयबद्ध रूप से योजना का लाभ प्रदान किया जा सके।

राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम 18 जुलाई को ग्रेटर नोएडा में करेंगे प्रेस वार्ता

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर, 17 जुलाई। उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग के राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम 18 जुलाई (शनिवार) को ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में पत्रकारों से प्रेस वार्ता करेंगे।

सूचना विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रेस वार्ता सायं 4:00 बजे आयोजित होगी। इसमें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया तथा फोटो जर्नलिस्ट आमंत्रित हैं। सूचना विभाग ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से निर्धारित समय एवं स्थान पर पहुंचकर प्रेस वार्ता में सहभागिता करने का अनुरोध किया है।

श्रावण शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करें : जिलाधिकारी

समाज जागरण
गौतमबुद्धनगर, 17 जुलाई। आगामी श्रावण शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनआईसी सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खेरली नहर, जारचा-समाना मार्ग, एनएचएआई जीटी रोड, लाल कुआं-दादरी मार्ग तथा समतल चौकी सहित प्रमुख कांवड़ मार्गों पर की जा रही तैयारियों की विभागवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों पर गड्ढों की मरम्मत, झाड़ियों की सफाई, जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान, यातायात प्रबंधन, अतिक्रमण हटाने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था यात्रा शुरू होने से पहले हर हाल में पूरी कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि पिछली बैठक में चिन्हित समस्याओं के निराकरण की अनुपालन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कुछ विभागों ने अब तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। इस पर उन्होंने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को निर्देशित किया कि विभिन्न तहसीलों के अंतर्गत कांवड़ मार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर की गई कार्रवाई की अद्यतन रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही सभी प्राधिकरण एवं संबंधित विभाग अपने-अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं।

जिलाधिकारी ने जारचा-समाना मार्ग पर लंबित कार्य शीघ्र पूरा कराने, नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-1 को समतल चौकी ग्रेटर कट पर कराए गए कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा लोक निर्माण विभाग को खेरली नहर पुल, दनकौर पर बैरिकेडिंग एवं दिशा-सूचक बोर्ड प्राथमिकता के आधार पर स्थापित कराने के निर्देश दिए।

लाल कुआं-दादरी जीटी रोड पर जलभराव की समस्या के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने बताया कि चिन्हित स्थानों पर चार डी-वाटरिंग टैंक तैनात किए गए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने टैंकों के चालकों का विवरण, वाहन संख्या और तैनाती स्थलों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

उन्होंने सभी विभागों को पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त स्थलीय निरीक्षण करने तथा शेष कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाएगा और यदि किसी विभाग ने समय पर कार्य पूर्ण नहीं किए या अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी रजनीकांत मित्तल, ओएसडी नोएडा इन्दु प्रकाश सिंह, अधिशासी अधिकारी दादरी शालिनी गुप्ता सहित सिंचाई, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लैक स्पॉट्स पर सुधार कार्यों में तेजी लाएं, सड़क सुरक्षा से समझौता नहीं होगा : जिलाधिकारी

समाज जागरण
गौतमबुद्धनगर, 17 जुलाई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने जनपद में सड़क सुरक्षा की स्थिति, ई-डीएआर पोर्टल पर प्रकरणों की प्रगति तथा दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) स्थलों पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

समीक्षा के दौरान ई-डीएआर पोर्टल पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कार्ययोजना समय से उपलब्ध न कराए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लैक स्पॉट के लिए विस्तृत एवं समयबद्ध कार्ययोजना तत्काल प्रस्तुत की जाए तथा सुधारात्मक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए।

जिलाधिकारी ने दुर्घटना संभावित स्थलों पर सड़क सुरक्षा संकेतक, रिफ्लेक्टर, गति सीमा संबंधी संकेतक, सड़क चिह्नांकन, स्ट्रीट लाइट, क्रैश बैरियर तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन स्थलों का नियमित निरीक्षण कर सुधारात्मक कार्यों की सतत निगरानी रखने पर भी जोर दिया।

उन्होंने परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, लोक निर्माण विभाग तथा संबंधित प्राधिकरणों को संयुक्त अभियान चलाकर ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, अवैध पार्किंग, गलत दिशा में वाहन संचालन तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित प्रत्येक प्रकरण की ई-डीएआर पोर्टल पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त आर.के. गौतम, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण, ओएसडी नोएडा इन्दु प्रकाश सिंह तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कासना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपियों को दबोचा, पिस्टल, कारतूस और चाकू बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग
ग्रेटर नोएडा, 17 जुलाई। थाना कासना पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक अवैध पिस्टल, दो मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, दो अवैध चाकू तथा एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद कर सीज कर दिया है।

पुलिस के अनुसार, सिरसा कट से गोलचक्कर की ओर जाने वाली सर्विस रोड से अनिल कुमार, हरेंद्र और सचिन कुमार को गिरफ्तार किया गया। अनिल कुमार के कब्जे से एक अवैध पिस्टल, दो मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए, जबकि हरेंद्र और सचिन के पास से एक-एक अवैध चाकू मिला। इसके अलावा आरोपियों के पास मौजूद स्कॉर्पियो (पंजीकरण संख्या DL6CT5086) को भी सीज कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार (29) निवासी ग्राम उल्लाहवास, थाना सेक्टर-65, गुरुग्राम (हरियाणा), हरेंद्र (28) निवासी ग्राम उल्लाहवास, थाना सेक्टर-65, गुरुग्राम (हरियाणा) तथा सचिन कुमार (26) निवासी ग्राम बलवंतपुर, थाना गुलावठी, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना कासना में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अनिल कुमार के विरुद्ध जनपद शामली के कांधला थाने में आर्म्स एक्ट एवं अन्य धाराओं में पूर्व से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल, 16 वर्ष या अधिक आयु की पात्र छात्राएं कर सकती हैं ऑनलाइन आवेदन

समाज जागरण संदीप गर्ग
नोएडा, 17 जुलाई। शासन के निदेशों के क्रम में जनपद गौतमबुद्धनगर में अध्ययनरत पात्र दिव्यांग छात्राओं को शैक्षिक पुनर्वास और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र दिव्यांग छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य दिव्यांग छात्राओं को विद्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं तक आसानी से पहुंच उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत ऐसी दिव्यांग छात्राएं पात्र होंगी, जो मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया अथवा अन्य ऐसी दिव्यांगता से प्रभावित हों, जिनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो तथा कमर के ऊपर का भाग स्वस्थ हो। साथ ही छात्रा ई-ट्राईसाइकिल को अपने हाथों से संचालित करने में सक्षम हो और उसकी दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी किया गया हो।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश की निवासी 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा। ऐसी छात्राएं, जिन्हें पिछले पांच वर्षों में भारत सरकार, स्थानीय निकाय, सांसद निधि, विधायक निधि अथवा किसी अन्य सरकारी या सरकारी अनुदानित स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल का लाभ मिल चुका है, योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। प्रत्येक ई-ट्राईसाइकिल के लिए अधिकतम 65 हजार रुपये तक का अनुदान अनुमन्य है। आवेदन के साथ संबंधित शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अथवा संस्थाध्यक्ष द्वारा जारी अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा, जिसकी पुष्टि जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय द्वारा की जाएगी। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जनपद की पात्र दिव्यांग छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आवश्यक अभिलेखों की प्रतियां कक्ष संख्या-107, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर में शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें योजना का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान किया जा सके।

नॉलेज पार्क पुलिस ने चाकू से हमला करने वाले वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग
ग्रेटर नोएडा, 17 जुलाई। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने चाकू से हमला करने के मामले में वांछित आरोपी को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की सहायता से मु0अ0सं0 159/2026 में वांछित अभियुक्त रोहित पुत्र दिलीप को गुर्जरपुर रेलवे अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने ग्राम गुर्जरपुर में वादिया के पुत्र के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की थी और चाकू से हमला कर दिया था। हमले में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर थाना नॉलेज पार्क में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित पुत्र दिलीप निवासी ग्राम मंगतपुर, टनकपुर रोड, थाना सोहरामऊ, जनपद पीलीभीत, वर्तमान पता संगम विहार, दिल्ली (उम्र करीब 25 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

नोएडा विधानसभा के गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, कांग्रेस ने उठाए सवाल

समाज जागरण संदीप गर्ग
नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं बड़ौत (बागपत) प्रभारी तथा नोएडा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतेन्द्र शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नोएडा विधानसभा-61 के गांवों और कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के आधुनिक शहरों में शामिल नोएडा के कई गांव और कॉलोनियां आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है।

सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि गांवों में टूटी सड़कें, जाम सीवर, जलभराव, गंदगी, खराब स्ट्रीट लाइटें, पेयजल संकट और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था के कारण लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं कई कॉलोनियों में सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है।

उन्होंने दावा किया कि ग्रामीणों ने कई बार संबंधित विभागों और प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बरसात के दौरान जलभराव और गंदगी से आवागमन प्रभावित होता है, जबकि सीवर ओवरफ्लो और जर्जर सड़कें दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं।

कांग्रेस नेता ने ग्रामीणों की ओर से प्रमुख मांगों में सभी टूटी सड़कों का शीघ्र निर्माण, सीवर एवं नालियों की नियमित सफाई, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा गांवों में पार्क, सामुदायिक भवन और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग उठाई।

सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि हाईटेक शहर के बीच बसे गांवों की उपेक्षा उचित नहीं है। सरकार और प्राधिकरण को बड़ी विकास परियोजनाओं के साथ-साथ गांवों में रहने वाले नागरिकों को भी समान स्तर की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन शुरू करेगी।

उन्होंने कहा, "गांवों का विकास ही नोएडा के समग्र विकास की पहचान है। ग्रामीणों को उनका अधिकार और सम्मान मिलना ही चाहिए।"

फावड़े से हमला करने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग
ग्रेटर नोएडा, 17 जुलाई। थाना जारचा पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, मैनुअल इंटेलिजेंस एवं इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मु0अ0सं0 77/2026 में वांछित विवेक उर्फ विक्की (19) निवासी ग्राम नगला चमरू, थाना जारचा को ग्राम सैथली से ग्राम मिलक जाने वाले बंबे के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद किया गया।

पुलिस के मुताबिक, 2 मई 2026 को वादी ने थाना जारचा में शिकायत दर्ज कराई थी कि विवेक उर्फ विक्की ने उसके और उसके भाई के साथ फावड़े से मारपीट की तथा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। शिकायत के आधार पर थाना जारचा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत ईकोटेक-3 में किया गया पौधरोपण

समाज जागरण संदीप गर्ग ग्रेटर नोएडा, 17 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में औद्योगिक सेक्टर ईकोटेक-3 में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सौम्य श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी सुरभि श्रीवास्तव के साथ पौधरोपण किया। उनके साथ एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ सुमित यादव, ओएसडी अर्चना द्विवेदी, उद्यान विभाग के डीजीएम एसके जैन और वरिष्ठ प्रबंधक अजीत भाई पटेल ने भी पौधे लगाए।

इस अवसर पर पीपल, नीम और अमलतास सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी ग्रेटर नोएडावासियों से अपील की कि वे इस वृहद पौधरोपण अभियान का हिस्सा बनें और कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लें।

कार्यक्रम में प्रबंधक प्रशांत समाधिया, सहायक प्रबंधक गौरव बघेल सहित इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, उपाध्यक्ष डॉ. खुशबू सिंह, सुनील दत्त, राकेश अग्रवाल, नरेश चौहान, एसके शर्मा, सुधीर त्यागी तथा एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फेस-2 पुलिस ने दो चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी के 13 वायर बंडल व 96,640 रुपये बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग
नोएडा, 17 जुलाई। थाना फेस-2 पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 13 वायर बंडल, उन्हें बेचकर प्राप्त 96,640 रुपये नकद तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से डी-ब्लॉक, सेक्टर-80 से शान मोहम्मद उर्फ सनी और रविन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। शान मोहम्मद के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 4 जुलाई 2026 को एक कंपनी से वायर के बंडल चोरी किए थे। चोरी किए गए कुछ बंडल बेच दिए गए थे। पुलिस ने शेष 13 वायर बंडल तथा बेचे गए बंडलों से प्राप्त 96,640 रुपये नकद बरामद कर लिए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शान मोहम्मद उर्फ सनी (30) निवासी देवली, थाना तिगड़ी, नई दिल्ली (मूल निवासी उमरी, थाना सिरसागंज, जिला फिरोजाबाद) तथा रविन्द्र सिंह (25) निवासी तिगड़ी, नई दिल्ली (मूल निवासी ग्राम दनकसा, थाना सैंया, जिला आगरा) के रूप में हुई है।

इस संबंध में थाना फेस-2 में चोरी तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे मंदिर की ओर से श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य आयोजन, भक्ति में डूबा जेपी अमन सोसायटी परिसर

समाज जागरण संदीप गर्ग
नोएडा, 17 जुलाई। इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे मंदिर की ओर से आयोजित श्री जगन्नाथ रथ यात्रा शुक्रवार को जेपी अमन सोसायटी, सेक्टर-151, नोएडा में श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा के दिव्य रथ के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

रथ यात्रा में जेपी अमन सोसायटी के निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरिनाम संकीर्तन की मधुर धुनों पर भक्तों ने नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन से भक्तिमय हो गया।

इस पावन अवसर पर इंग्लैंड से पधारे परम पूज्य श्री कृष्ण चैतन्य स्वामी महाराज की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने भक्तों के साथ भावपूर्ण हरिनाम संकीर्तन किया और स्वयं भी संकीर्तन में शामिल होकर भक्तों को कृष्ण भक्ति के आनंद में सराबोर किया।

रथ यात्रा में इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे मंदिर के अध्यक्ष श्याम गोपाल प्रभु जी तथा ग्रेटर नोएडा से पधारे गिरिराज प्रभु जी भी उपस्थित रहे। गिरिराज प्रभु जी के उत्साहपूर्ण संकीर्तन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

आयोजन के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ को अर्पित छप्पन भोग महाप्रसाद का वितरण रथ से किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और प्रेम के साथ ग्रहण किया।

इस्कॉन मीडिया प्रभारी बैकुंठ निवास प्रभु ने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने में जेपी अमन सोसायटी के ठाकुर योगेश सिंह (दादरी विधायक प्रतिनिधि) का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा जेपी अमन की रूही माताजी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भी हरिनाम संकीर्तन, नृत्य और आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग किया।

उन्होंने बताया कि यह भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा क्षेत्र के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक उत्सव बन गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ के चरणों में विश्व शांति, सुख-समृद्धि और समस्त मानव समाज के कल्याण की प्रार्थना की।

हरे कृष्ण! जय जगन्नाथ!

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर को दी 1003 करोड़ रुपये से अधिक की 76 विकास परियोजनाओं की सौगात

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बिजनौर के बिजनौर एवं चांदपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए 1003 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 76 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, आवास की चाबी, स्वीकृति पत्र, प्रमाण-पत्र, आयुष्मान कार्ड एवं टूलकिट वितरित किए। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया, पौधरोपण किया तथा महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन कराया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिजनौर महात्मा विदुर की पावन तपोभूमि है और यह जनपद अनेक महान विभूतियों की जन्मस्थली रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार विरासत और विकास के समन्वय के साथ प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि बिजनौर ने संघर्ष से विकास तक की सफल यात्रा तय की है और आज यह प्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे जनपदों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना उत्पादन के लिए प्रसिद्ध बिजनौर के किसानों को प्रदेश सरकार समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चित करा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसानों को वर्षों तक भुगतान नहीं मिलता था, जबकि आज सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि आज बिजनौर कानून व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। हाईवे, मेडिकल कॉलेज, पर्यटन विकास, एक्सप्रेस-वे और उद्योगों के विस्तार से जनपद तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने नगीना के काष्ठ शिल्प, किसानों की मेहनत, युवाओं की ऊर्जा और व्यापारियों की उद्यमशीलता की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गंगा एक्सप्रेस-वे को बिजनौर से हरिद्वार तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सड़क, पुल एवं फ्लाईओवर जैसी विकास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाएगी तथा विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की कर्जमाफी, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, निःशुल्क राशन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली की प्रभावी निगरानी की जा रही है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजनौर में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ रहा है। बेल्जियम की अग्रिस्ट मासा सहित कई घरेलू एवं विदेशी कंपनियों ने जनपद में निवेश किया है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने 'विदुर प्रेरणा' स्वदेशी ब्रांड की सफलता की भी सराहना की और इसे आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का सशक्त उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज एवं छात्रावास का लोकार्पण होने से जनपद की बेटियों को नर्सिंग शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही पर्यटन, पेयजल, सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया।

कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, सांसद चंदन चौहान, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह, विधायक सूचि चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, एमएलसी अशोक कटारिया, अशोक कुमार राणा, ओम कुमार, कुँवर सुशांत सिंह, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

भूजल सप्ताह 16 जुलाई से 22 जुलाईका विधिवत शुभारंभ किया गया।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार जनपद फिरोजाबाद में शुक्रवार से 'भूजल सप्ताह' (16 जुलाई से 22 जुलाई, 2026) का विधिवत शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर विकास भवन सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों और मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

"जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं कोई विकल्प..." के मुख्य संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों को भूजल स्तर को सुधारने और पानी की बबार्दी रोकने की शपथ दिलाई गई.

कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जल संरक्षण से जुड़ी विशेष प्रचार सामग्री, पोस्टर्स और मार्गदर्शिका बुकलेट का विमोचन किया गया. इस बुकलेट के माध्यम से जनपदवासियों को वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण की आधुनिक तकनीकों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

16 से 22 जुलाई तक चलने वाले इस 'भूजल सप्ताह' के अंतर्गत जनपद के सभी विकास खंडों, ग्राम पंचायतों और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल चौपालों का आयोजन, स्कूली बच्चों के लिए निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं, तालाबों के जीर्णोद्धार और रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियों का निरीक्षण व सुदृढ़ीकरण शामिल है। प्रशासनिक अधिकारियों ने जनता से अपील करते हुए कहा कि भूजल का गिरता स्तर एक गंभीर चिंता का विषय है. भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए हर नागरिक को अपनी दैनिक दिनचर्या में पानी की एक-एक बूंद को सहेजना होगा और जल संचयन को एक जन-आंदोलन बनाना होगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जल निगम, विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से लीड बैंक संविदा कर्मी की मौत

थाना उत्तर क्षेत्र के जैन मंदिर चौराहा पर हुआ हादसा, शव पोस्टमार्टम को भेजा

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र के जैन मंदिर चौराहा पर शुक्रवार सुबह संविदा कर्मी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया।

गांव बिसावर दाऊजी थाना सादाबाद जिला हाथरस व हाल निवासी कनैटा थाना मटसैना मनोज कुमार (45) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लीड बैंक में संविदा पर तैनात थे। वह शुक्रवार सुबह घर से रोजाना की तरह बैंक में ड्यूटी पर पहुंचे। जहां वह कहीं डाक देने के लिए निकले थे। वह जैन मंदिर चौराहा पर पहुंचे ही थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह बाइक से छिटक सड़क पर गिर गए। उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। हादसा होते ही राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। एंबुलेंस की मदद से उन्हें उपचार के लिए ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। जानकारी होते ही स्टाफ कर्मी भी ट्रामा सेंटर पहुंच गए। शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया। जानकारी होते ही परिजन भी रोते बिलखते पहुंच गए। मृतक चार भाई और एक बहन में दूसरे नंबर का था। वह अपने पीछे पत्नी मीना के अलावा दो बेटा और दो बेटी को रोता बिलखता छोड़ गया है।

एसओजी इटावा और थाना पुलिस की लुटेरों से हुई मुठफेड़.दो बदमाश ढेर, दो सिपाही घायल

- लुटेरे पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागे और एसओजी और पुलिस ने किया पीछा
- दिनदहाड़े लुटेरों और पुलिस के बीच हुई फायरिंग से ग्राम नगला कन्हीं में फैली दहशत
- प्राथमिक विद्यालय नगला कन्हीं में घुसे लुटेरों ने पुलिस पर की फायरिंग, सिपाही घायल

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। इटावा एसओजी और थाना पुलिस की लुटेरों से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एसओजी ने एक आरोपी की घेराबंदी कर एक चरी के खेत में ढेर कर दिया। जबकि दूसरे को स्थानीय पुलिस के सहयोग से दो किलो मीटर दूर एक मक्का के खेत में ढेर करने में सफलता हासिल कर ली। दिन दहाड़े हुई लाइव मुठभेड़ को देख ग्रामीणों में भी दहशत व्याप्त हो गई। मौके पर एडीजी, डीआईजी, एसएसपी इटावा, एसएसपी फिरोजाबाद,एसपी ग्रामीण सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और फोर्स मौजूद रहा। पुलिस ने घायल एसओजी के पुलिस कर्मियों को आगरा उपचार के लिए रेफर कर दिया है। जिसमें एक की हालत गंभीर है।

एडीजी एसके भगत ने बताया कि तीन जुलाई को इटावा में चेन स्नैचिंग की घटना में वांछित चल रहे दो आरोपित जम्मूतबी से इटावा से बैठ कर बाहर भाग रहे थे। इसकी जानकारी इटावा एसओजी को हुई तो एसओजी की टीम तीन गाड़ियों से आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई। जैसे ही ट्रेन रुकी, उन्होंने उसी कोच में घुस गए। इसके बाद लुटेरों ने एसओजी को देख कर एक महिला के बच्चे को कब्जे में ले लिया और एसओजी को पीछे हटने के लिए कहा। जैसे ही पुलिस पीछे हटी, उसी दौरान मौका पाकर दोनों बदमाश ट्रेन से कूद कर भागने लगे। लुटेरों के भागते ही एसओजी की टीम ने ने उनका पीछा किया। इस दौरान लुटेरे श्रीराम रिसोर्ट के पास गोरेलाल मिस्त्री की बाइक लेकर भागने लगे। लेकिन कुछ दूर जाने के बाद बाइक को फेंक दिया। इसके बाद लुटेरे नगला कन्हीं गांव स्थित प्राइमरी पाठशाला में घुस गए। यहां बच्चे पढ़ रहे थे और शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद थीं। गांव में बदमाश और पुलिस के बीच लगभग आधा राउंड फायरिंग हुई। लुटेरों ने स्कूली बच्चों को भी हाईजेक करने का प्रयास किया। लेकिन एसओजी के जवानों ने उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया। खुद को घिरता देख लुटेरे स्कूल की बाउंड्री फलांग कर भागने लगे। इसी दौरान एक लुटेरे को एसओजी के सिपाही ने पकड़ लिया। खुद को घिरता देख उसने सिपाही के ऊपर फायर कर दिया। गोली सिपाही के कंधे में लगी। उसके बाद दूसरे सिपाही पर फायर किया जो उसके पेट में लगी। गोली लगने से दोनों पुलिस कर्मी घायल हो गए। इसके बाद दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन उनके साथ अन्य एसओजी के साथियों ने साहस नहीं खोया एक आरोपी को नीम खेरिया गांव के बाहर चरी के खेत में ढेर कर दिया।

जबकि दूसरे को स्थानीय पुलिस के सहयोग से मोहब्बतपुर अहीर को जाने वाले रास्ते पर मोड़ के समीप एक मक्का के खेत में मौत की नींद सुला दिया । घटना की जानकारी होते ही एडीजी एसके भगत, डीआईजी सैलेश पांडे, एसएसपी इटावा ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, और एसएसपी फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे, एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी सहित बड़ी संख्या में कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने दोनों घायल सिपाहियों को आगरा रेफर कर दिया है, जबकि मृत लुटेरों के शव कब्जे में लेकर फिरोजाबाद मेडिकल को भेज दिये है।

एडीजी एसके भगत ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गये दोनों लुटेरे इटावा में तीन जुलाई को एक चिकित्सक के साथ हुई चेन स्नैचिंग की घटना में वांछित चल रहे थे। यह लोग ट्रेन से झारखंड भागने की फिराक में थे। जिसकी सूचना इटावा एसओजी पुलिस को मिली। एसओजी ने शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर उनकी घेराबंदी की। जब पुलिस उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही थी, तभी एक बच्चे को उन्होंने बंधक बना लिया। लेकिन पुलिस बच्चे को किडनेप करने पर पीछे हट गई, इसी दौरान लुटेरे मौका पाकर ट्रेन से कूद कर भागने लगे। इस बीच उन्होंने सड़क किनारे खड़ी एक बाइक जो एक मिस्त्री की थी को छीन ली और पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। लुटेरों की फायरिंग में एसओजी के दो सिपाही घायल हो गए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर है। वहीं पुलिस ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपराधियों का लगातार पीछा किया और इटावा एसओजी ने एक आरोपी को ढेर कर दिया तथा दूसरे को फिरोजाबाद एवं इटावा पुलिस की संयुक्त टीम ने मक्का के खेत में निपटा दिया । उन्होंने बताया कि मुठभेड में मारे गये दोनों लुटेरे शातिर किस्म के अपराधी हैं और उन पर इनाम भी घोषित है। मुठभेड़ में मारे गये लुटेरों की शिनाख्त सुमित और अंकित उर्फ सीपू निवासी भर्थना इटावा के रूप में हुई है।

नीट में अलीना शरीफ की शानदार कामयाबी, अफजलगढ़ का बढ़ाया मान

- अलीना शरीफ की सफलता पर पूरे नगर ने दी बधाई, घर में दिनभर चलता रहा जश्न

- 563 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 27,724 प्राप्त की, परिवार में जश्न और क्षेत्र में खुशी की लहर,

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। मेहनत, लगन और मजबूत इरादों के दम पर अफजलगढ़ की बेटी अलीना शरीफ ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में शानदार सफलता हासिल कर नगर और जिले का नाम रोशन किया है। अलीना शरीफ ने 563 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक 27,724 हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में उत्सव का माहौल है, जबकि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और गणमान्य लोगों का उनके घर पहुंचकर बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है। नगर के मोहल्ला नेजो सराय निवासी अलीना शरीफ, मोहम्मद हनीफ उर्फ खरे ठेकेदार की पोती,शरीफ अहमद की पुत्री तथा सभासद अब्दुल वाहिद की भतीजी हैं। शुक्रवार को उनके आवास पर खुशी का माहौल देखने को मिला। परिवारजनों ने अलीना शरीफ का मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

इस अवसर पर शकील अहमद शेरकोटी,समाजसेवी वलायत हुसैन,चाचा राशिद हुसैन,चाचा जाहिद हुसैन,चाचा शाहिद हुसैन,माता शाइस्ता शरीफ, दादी सायरा बेगम,अजहर खालिद, मोहम्मद शैफ,मोहम्मद खालिद, नोमान शरीफ,रिहान शरीफ,शदफ नाज,मोनी, आफताब आलम,शान अहमद,फायजा नाज,बुसरा परवीन सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं शुभचिंतक मौजूद रहे। परिजनों ने कहा कि अलीना शरीफ की मेहनत और अनुशासन का ही परिणाम है कि उन्होंने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नीट में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। अलीना शरीफ ने अपनी प्रारंभिक एवं इंटरमीडिएट की शिक्षा नैनीताल कॉन्वेंट स्कूल, अगवानपुर (अफजलगढ़) से पूरी की। इसके बाद उन्होंने देहरादून स्थित आकाश इंस्टीट्यूट में दो वर्षों तक नियमित और कठिन तैयारी की। उन्होंने बताया कि सफलता किसी शॉर्टकट से नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन से मिलती है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, दादा-दादी, परिवार के सभी सदस्यों तथा अपने गुरुजनों को दिया, जिनके सहयोग और प्रोत्साहन ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। अलीना शरीफ की सफलता की खबर मिलते ही नगर और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्व विधायक शेख सुलेमान, चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन, मेम्बर कलवा कुरैशी, सभासद मुकीब खान सूरी,शेख इमरोज, दिलशाद ठेकेदार, कादिर अंसारी, रिजवान हसन, सभासद रियासतुल्ला, डॉ. शाहिद हुसैन, समाजसेवी अफजाल ठेकेदार सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अलीना को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

बैंक शाखा के विद्युत मीटर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

स्पार्किंग से मचा हड़कंप, कर्मचारियों ने समय रहते आग पर पाया काबू

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर धामपुर। नगर के पोस्ट ऑफिसमच गया। आग लगने का पता लगते ही सभी लोग तत्काल सुरक्षित बाहर निकल आए। बैंक कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए प्रारंभिक प्रयासों से आग पर काबू पा लिया, जिससे आग बैंक के अंदर नहीं फैल सकी आपको बताते चलें समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा के पास स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में गुरुवार को बिजली मीटर में स्पार्किंग होने से अचानक आग लग गई। घटना से बैंक परिसर में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि कर्मचारियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्पार्किंग के बाद बिजली मीटर ने आग पकड़ ली और कुछ ही देर में पूरा मीटर जल गया। आग लगने से बैंक के अंदर धुआं हो गया, जिससे बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों में हड़कंप होने से टल गया। शुरूआती तौर पर आग लगने का कारण बिजली मीटर में हुई स्पार्किंग को माना जा रहा है।

ब्रहामण महा सम्मेलन का आयोजन 19 जुलाई को

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश ब्राह्मण जागृति महासभा द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन कान्हा रेस्टोरेन्ट पर किया गया

प्रेस वार्ता के दौरान मीडिया प्रभारी विकास लहरी ने बताया कि 19 जुलाई दिन रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक फिरोजाबाद क्लब में स्वतंत्रता संग्राम शहीद मंगल पाण्डेय की जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में ब्राह्मण महासभा का आयोजन किया जायेगा।

जिसमे कैबिनेट मन्त्री मनोज पाण्डेय, राज्य मन्त्री प्रतिभा शुक्ला और गौरक्षा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय एवं पूर्व डीजीपी सूर्य कुमार शुक्ला के अलावा अन्य गणमान्य जनों के द्वारा भाग लिया जायेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परशुराम न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शुक्ला वारिसी करेंगे। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ सुशील कुमार उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया जायेगा। इस महा सम्मेलन में 52 ब्राह्मण समाज व 52 डॉक्टर्स ,52 अध्यापक,52 बृद्धजन, 52 पत्रकार सम्मानित किये जायेंगे।

कार्यक्रम के दौरान 12 जुलाई को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। वार्ता के अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक दुर्गा प्रसाद ने जनपद के समस्त ब्राह्मण समाज के बन्धुओ से अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की है। प्रेस वार्ता के अवसर पर धर्मेन्द्र शर्मा, राजू दीक्षित, सौरभ लहरी, देवेन्द्र उपाध्याय, संजय शर्मा, मनोज शर्मा,कन्हैया शर्मा, गिरधर मिश्रा, तरुण उपाध्याय, सिद्धार्थ त्रिपाठी, भानु उपाध्याय, मनीष शर्मा, अखिलेश शर्मा, डॉ राजीव पचौरी मौजूद रहे।

शक्ति भारद्वाज मित्तल के प्रयासों से चांदपुर में भाजपा डिजिटल लर्निंग अभियान को मिला व्यापक जनसमर्थन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर। भारतीय जनता पार्टी के डिजिटल लर्निंग अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों एवं युवा साथियों को जोड़ने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा नेत्री शक्ति भारद्वाज मित्तल ने अभियान को संगठन को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

शक्ति भारद्वाज मित्तल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं जनसेवा के सिद्धांतों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए तकनीक का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस - अभियान के माध्यम से युवाओं एवं - कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यशैली एवं मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराया गया। अभियान के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को डिजिटल लर्निंग प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे उन्हें संगठनात्मक प्रशिक्षण एवं डिजिटल सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर शक्ति भारद्वाज मित्तल ने सभी कार्यकताओं एवं युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें तथा तकनीक के माध्यम से संगठन को नई ऊर्जा, नई गति और नई दिशा प्रदान करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं सशक्त कार्यकर्ता, सशक्त संगठन और डिजिटल भारत के संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है।

थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुमार का स्थानांतरण, कई चर्चित मामलों के सफल खुलासे से बनाई अलग पहचान

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर शेरकोट थाना प्रभारी के पद से स्थानांतरित होकर मंडावली थाना प्रभारी बनाए गए वीरेन्द्र कुमार ने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था को नई मजबूती देने के साथ-साथ अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाकर अपनी कार्यशैली की अलग छाप छोड़ी। सितंबर 2025 में थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने न केवल क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिये कार्य किया बल्कि कई चर्चित आपराधिक घटनाओं का सफल अनावरण कर अपराधियों में पुलिस का खौफ और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम किया।

इस दौरान नगर में हुई अलग अलग चोरी की घटनाओं के सफल खुलासे, ग्राम भगौता क्षेत्र में बाइक सवार से हुई लूट की वारदात, कालागढ़ निवासी महिला की हत्या के मामले का पदार्फाश, तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी तथा बैटरी चोरी, कुण्डल चोरी के मामलों का खुलासा जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियों में थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में शेरकोट पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। त्वरित कार्रवाई, प्रभावी विवेचना और टीम वर्क के दम पर अधिकांश मामलों का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया। वीरेन्द्र कुमार ने अपनी सख्त लेकिन जनहितैषी कार्यशैली, निष्पक्ष पुलिसिंग और मिलनसार स्वभाव से लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल की। शेरकोट में तैनाती के दौरान उन्होंने फरियादियों के साथ मधुर संवाद कायम रखा, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए। यही कारण रहा कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास का मजबूत रिश्ता कायम हुआ। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही उन्होंने सभी धार्मिक आयोजनों को आपसी सौहार्द और शांति के वातावरण में संपन्न कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संवेदनशील अवसरों पर उनकी सतर्कता, प्रशासनिक दक्षता और बेहतर समन्वय के चलते पूरे कार्यकाल में क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रही। शेरकोट से स्थानांतरण कर अब वीरेन्द्र कुमार को मंडावली थाने का प्रभारी तथा राम प्रताप शादाब अहमद, काजी शमीम, अंसार सिंह को शेरकोट थाना प्रभारी नियुक्त किया है। थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुमार के स्थानांतरण की सूचना मिलते ही सभासद सुमामा ओवेश, आकिब सिद्दीकी अहमद, दिलशाद अहमद, मनोज कुमार शेख अफजाल आदि क्षेत्र के सामाजिक, व्यापारिक एवं गणमान्य लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दी हैं।

हर्ष फायरिंग करने वाला युवक गया जेल, सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी वीडियो

समाज जागरण अजमल अंसारी

जनपद बिजनौर किरतपुर। सोशल मीडिया पर हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।युवक के पास से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर एक युवक का पिस्टल के साथ फोटो एवं वीडियो वायरल हुआ था। मामले का संज्ञान लेते हुए थाना किरतपुर पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए मोहल्ला वलीपुरा अफगनान निवासी मुसय्ब पुत्र स्वर्गीय मुजफ्फर को एक अवैध 32 बोर पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया ।इस संबंध में थाना किरतपुर पुलिस आरोपी के विरुद्ध अयुध अधिनियम की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है ।पुलिस के मुताबिक आरोपी मुय्यब के विरुद्ध पहले से भी थाना किरतपुर में विभिन्न धाराओं के साथ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं ।आरोपी की गिरफ्तारी थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई ।कार्यवाही करने वाली टीम में कांस्टेबल गौरव और वीरेंद्र कुमार शामिल रहे ।गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

मालन नदी में डूबे किशोर का 6 दिन बाद भी कोई सुराग नही, किशोर के पिता की अपील के बाद रुका सर्च अभियान

समाज जागरण अजमल अंसारी

जनपद बिजनौर किरतपुर। मालन नदीम में लापता किशोर आलीम की तलाश में लगातार 6 दिनों से चल रहा सर्च अभियान गुरुवार को उसके पिता आजम के अनुरोध पर स्थगित कर दिया गया ।आलीम के पिता ने अभियान में जुटी टीमो जनप्रतिनिधियों प्रशासन और क्षेत्र वासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ने पूरी निष्ठा से प्रयास किए। उन्होंने कहा कि अब बरसात के दौरान नदी में दोबारा पानी बढ़ने पर आवश्यकता पड़ने पर फिर से तलाश की जाएगी। सर्च अभियान का नेतृत्व कर रहे विधायक मनोज पारस और नगर पालिका चेयरमैन अब्दुल मन्नान ने बताया कि आलिम के पिता के आग्रह पर फिलहाल अभियान को रोक दिया गया है ।उन्होंने कहा कि बीते 6 दिनों तक एनडीआरएफ गोताखोर पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों ने लगातार खोजबीन की लेकिन आलिम का कोई सुराग नहीं मिल सका। विधायक मनोज पारस और चेयरमैन अब्दुल मन्नान ने भी अभियान में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों कर्मचारियों गोताखोरों और क्षेत्रवासियों का धन्यवाद किया। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों किरतपुर के मोहल्ला राधगान के तीन किशोर मालन नदी में नहाने गए थे इस दौरान तीनों पानी के तेज बहाव में बह गए थे। इनमें से एक किशोर सुरक्षित बाहर निकल गया था ।जबकि साबान और आलीम लापता हो गए थे। अगले दिन साबान का शव बरामद कर लिया गया था। लेकिन आलिम का अब तक कोई पता नहीं चल सका है फिलहाल परिजनों के अनुरोध पर सर्च अभियान रोक दिया गया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने छोड़ी भाजपा , राष्ट्रीय लोकदल में हुए शामिल

आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता, कहा- किसानों की नीतियों को घर-घर पहुंचाएंगे

समाज जागरण बड़ौत।
तहसील क्षेत्र के गांव निरपुडा निवासी ईंट भट्टा निमार्ता समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने विक्रम सिंह राणा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान विक्रम राणा अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। सदस्यता लेने के बाद विक्रम सिंह राणा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सम्मान जयंत चौधरी ने मुझे दिया है, उसकी गरिमा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। मीडिया से बातचीत में विक्रम राणा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों,
मजदूरों, व्यापारियों और गरीबों को साथ लेकर चलने वाला संगठन है। आज सभी वर्ग के लोग फ्छऊसे जुड़ रहे है। इस अवसर पर विधायक डॉ. अजय कुमार, पूर्व विधायक वीरपाल राठी, सुरेश राणा, नरेश डायरेक्टर, जितेंद्र राठी, रविंदर चौधरी, बृजपाल सिंह राठी, सुधीर राठी, कुलबीर राठी, अरविंद तोमर,
अजीत राठी, कृष्ण देव राठी, विजेंद्र राणा, जितेंद्र कंडेरा, विकास राठी, मन्नू प्रधान, परमिंदर बिराल, उपेंद्र राठी व राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर आदि मौजूद रहे।

रटौल में हुआ पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क का ऐतिहासिक आयोजन

विधानसभा बागपत 52 के कार्यकर्ताओं और जनता ने दिखाया अभूतपूर्व उत्साह

समाज जागरण
बागपत। विधानसभा बागपत 52 क्षेत्र के गांव रटौल में बुधवार को पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही और पूरे माहौल में भाईचारे व विकास की चर्चा देखने को मिली। रटौल के प्रसिद्ध आमों की मिठास के बीच हुई चौपाल ने इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी सम्मानित बुजुर्गों, प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और देवतुल्य जनता ने जिस स्नेह और सहयोग से आयोजन को सफल बनाया, उसने इसे ऐतिहासिक स्वरूप दे दिया। आयोजकों ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सुझाव ही आगे की राह तय करेंगे। पीडीए चौपाल के दौरान गांव के हर वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया गया। चौपाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान समस्याओं, सड़कों, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर खुलकर चर्चा हुई। बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किए तो युवाओं ने रोजगार और खेल सुविधाओं को लेकर अपने
सुझाव रखे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखी और क्षेत्र के विकास में सहभागिता का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही आम दावत। रटौल के मशहूर आमों को सभी ने एक साथ बैठकर चखा। आम की मिठास के साथ ही लोगों के बीच संवाद की मिठास भी घुली रही। बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह का सामूहिक आयोजन गांव में एकता का संदेश देता है ।जनसंपर्क के दौरान कार्य कताओं ने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं जानीं। लोगों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की सराहना की और साथ ही कुछ लंबित मांगों को भी प्रमुखता से रखा। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि सभी सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए आयोजकों ने कहा कि रटौल की जनता ने जिस तरह सहयोग किया है, वह अभूतपूर्व है। सभी सम्मानित बुजुर्गों और प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन, जनसंपर्क में साथ देने वाली देवतुल्य जनता का समर्थन, मेहनती युवा साथियों और पूरी टीम की मेहनत से यह आयोजन सफल हुआ है। यह भाईचारा और विकास का संकल्प इसी तरह मजबूत बना रहेगा।ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी समरसता बढ़ती है

और समस्याओं के समाधान का रास्ता भी निकलता है। रटौल के आमों की चर्चा तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन इस चौपाल ने गांव को एक नई पहचान दी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया और यह संकल्प लिया गया कि क्षेत्र के विकास के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहेंगे। धन्यवाद रटौल के नारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत की बैठक, आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान

ओंकार दत्त शर्मा की अध्यक्षता में मानस्तंभ परिसर में हुई बैठक, संस्थाओं के संरक्षण पर दिया जोर

समाज जागरण बड़ौत।
सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत के सभी समाज प्रतिनिधियों की एक बैठक शुक्रवार को दिगंबर जैन कॉलेज गांधी रोड स्थित मानस्तंभ परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पंडित ओंकार दत्त शर्मा ने की। बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों ने समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि बड़ौत नगर का इतिहास रहा है कि यहां समाज को तोड़ने वाली ताकतों का सर्व समाज हमेशा मुकाबला करता आया है और यही परंपरा आगे भी जारी रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक परंपराओं में भी सभी को एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। नगर की सभी प्राचीन धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का संरक्षण और संवर्धन करना सर्व समाज की जिम्मेदारी है। बैठक में यह भी कहा गया कि कुछ बाहरी व्यक्तियों द्वारा बड़ौत नगर का माहौल खराब करने के लिए संस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सर्व समाज ऐसे प्रयासों का विरोध और मुकाबला करेगा। बैठक में डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. इरफान मलिक, धन कुमार जैन, धनेंद्र कुमार जैन, डॉ. अमित राय जैन, विजेंद्र कश्यप, अंकुर जैन, डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महाक्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई 1857 के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

169 वें शहादत दिवस पर वृक्षारोपण कर देश के अमर शहीदों को किया याद

समाज जागरण
बागपत। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के ऐतिहासिक स्थल महा क्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई को शहीदों के 169 वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा चेतना मंच द्वारा शिक्षण संस्थाओं और क्रांति द्वार पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।कार्यक्रम में मंच के संस्थापक मास्टर सत्तार अहमद और देश के अमर शहीदों की स्मृति में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत चीकू, आड़ू, आम, अमरूद, आंवला और इमली के फलदार व छायादार पौधों का रोपण व वितरण किया गया ।मंच के महासचिव एडवोकेट समीर सत्तार अहमद ने बताया कि संविलियन विद्यालय और राजकीय हाईस्कूल बसौद में संस्था द्वारा अध्यापकों, अध्यापिकाओं व बच्चों के सहयोग से तथा क्रांति द्वार पर मंच के सदस्यों द्वारा शहीदों की स्मृति में पौधारोपण व वितरण किया गया। बच्चों को 17 जुलाई 1857 के इतिहास के बारे में जानकारी देकर देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। इतिहास बताते हुए कहा गया कि 17 जुलाई 1857 को बसौद गांव में अंग्रेजों ने खूनी खेल खेलकर पूरे गांव को तबाह कर दिया था। बसौद की जामा मस्जिद वीर बाबा शाहमल का मुख्यालय थी। यहां से क्रांतिकारियों को रसद और गोला बारूद की सप्लाई होती थी जिसकी सूचना अंग्रेजों को मुखबिर ने दे दी थी। गौरी सेना को बताया गया था कि बाबा शाहमल भी बसौद में ठहरे हैं तो अंग्रेजों ने बसौद पर आक्रमण कर दिया। दो चरणों में लगभग 10 घंटे युद्ध चला और बहादुर ग्रामीणों ने डटकर मुकाबला किया लेकिन वीरगति को प्राप्त हुए। शाम के समय जाते समय 10 लोगों को फांसी पर लटका कर गांव को आग के हवाले कर दिया गया। जिसमें पूरा गांव शहीद हो गया। कुछ बचे बच्चों औरतों से गांव फिर आबाद हुआ। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों तथा युवा चेतना मंच के संस्थापक समाजसेवी मास्टर सत्तार अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच द्वारा अध्यापकों को इंडोर पौधे भेंट किए गए। राजकीय हाईस्कूल से अध्यापिका आभा राज सिंह, बिन्दियां ब्रिज, प्रिया रानी और संविलियन विद्यालय से सुनीता मलिक, अश्वनी तोमर, युसुफ अली, अंकिता रानी, प्रतिभा, दीपाक्षी शर्मा, राबिया प्रवीन, डोली शर्मा, प्रियंका शुक्ला, ममता देवी के सहयोग के लिए मंच उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम में युवा चेतना मंच के सदस्य मास्टर गुलफाम, ताराचंद गुप्ता, असर मौ., शौकत अली, खुर्शीद आलम, डॉ नय्यूम, डॉ तसलीम, इकबाल, आदिल हुसैन, कुरबान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों व चाकू से हमला, कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

डेढ़ साल से चल रहा था मुकदमा, आरोपियों ने दुकान से लौटते समय किया हमला

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के गांव बावली पट्टी खोबा निवासी एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों पर मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पप्पन पुत्र रामपाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका पड़ोसी रजनीश पुत्र सुंदर से करीब डेढ़ वर्ष से मुकदमा चल रहा है, जिसके कारण दोनों पक्षों में रंजिश है। आरोप है कि वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था तभी रास्ते में रंजिश रखने वाले लोगों ने उसे रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। तहरीर के अनुसार आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की और चाकू से भी हमला किया। साथ ही मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू महासंघ ने एडीएम बागपत को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन प्रतीक चिन्ह भेंट किया

बागपत के ऐतिहासिक स्थलों को दशार्ने वाले प्रतीक चिन्ह की एडीएम व उनकी धर्मपत्नी ने की प्रशंसा

समाज जागरण

बागपत। विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ दीपक गौतम के नेतृत्व में बागपत के जिलाध्यक्ष वैभव राजपूत, महामंत्री डॉ दिव्या उज्ज्वल और रामकुमार शर्मा ने बागपत के एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्णिमा को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन इतिहास का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। प्रतीक चिन्ह उनके निवास पर जाकर भेंट किया गया। इस प्रतीक चिन्ह में बागपत के पुरातन ऐतिहासिक स्थलों को दशार्या गया है। इसमें महाभारत कालीन लाक्षागृह, परशुरामेश्वर महादेव मंदिर, लव कुश जन्मस्थली सहित कई ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों को बागपत के नक्शे में दिखाया गया है ।प्रतीक चिन्ह देखकर एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने इसकी सराहना की। इस अवसर पर डॉ दीपक गौतम ने कहा कि बागपत में आपका कार्यकाल अच्छा रहा है। आपका मिलनसार व्यवहार सदैव याद रहेगा। एडीएम का ट्रांसफर बागपत से चंदौली जनपद में हो गया है। नवीन तैनाती स्थल चंदौली जनपद में जाने के लिए विश्व हिंदू महासंघ की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गईं ।एडीएम अमरचंद वर्मा ने कहा कि बागपत का मेरा प्रशासनिक अनुभव बहुत सुंदर रहा है। बागपत की अमिट छाप सदैव मेरे जीवन में रहेगी। डॉ दिव्या उज्ज्वल ने बताया कि इस मुलाकात में सामाजिक विषयों पर एडीएम महोदय के साथ सार्थक बातचीत हुई।

बागपत के विकास और युवाओं के लिए योजनाओं पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा बागपत आएंगे और विकास की सौगात देंगे

समाज जागरण
बागपत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय सहयोगी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से दिल्ली में उनके मंत्रालय पर मुलाकात की गई। इस दौरान उन्हें बागपत आने और अपने मंत्रालय की योजनाओं से बागपत और

बागपत की युवा पीढ़ी को लाभ दिलाने के लिए निवेदन किया गया। माननीय मंत्री चिराग पासवान जी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बागपत आएंगे और बागपत की जनता के लिए विकास की सौगात भी देंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर सत्यपाल सिंह के निवर्तमान प्रतिनिधि और जिला संयोजक भाजपा शिक्षक एमएलसी चुनाव बागपत प्रमेन्द्र तोमर साथ में डॉ अजय तोमर, प्रमुख अश्विनी तोमर गुड्डू, कृष्णवीर प्रधान और नितिन प्रधान उपस्थित रहे।

खट्टा प्रहलादपुर में अहिंसा सेवा ट्रस्ट ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

नीट में शानदार रैंक लाने पर विवेक दाहिमा को मिला सर्व समाज गौरव सम्मान

समाज जागरण
चांदीनगर। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अहिंसा सेवा ट्रस्ट द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नीट की परीक्षा शानदार रैंक के साथ उत्तीर्ण करने वाले विवेक दाहिमा को सर्व समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विवेक को अंगवस्त्र व मोतियों की माला पहनाकर स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेडा के प्राचार्य डॉ राजीव गुप्ता पुट्ठी ने कहा कि होनहार बच्चे अपने माता पिता के साथ-साथ अपने शिक्षकों और ग्रामवासियों को भी गौरवान्वित करते हैं। उनकी मेहनत से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन होता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी राकेश जैन ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। क्षेत्र के युवाओं को विवेक जैसे होनहार बेटे से प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजयवीर प्रधान ने की और संचालन रामपाल ने किया।

इस अवसर पर कैप्टन जयद्रथ, मास्टर सुधीर, राजेश, लोकेश, धर्मेन्द्र, रामपाल बाबू, कुंवरपाल सेठ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएचसी में घुसकर हमला, अधीक्षक घायल; सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर फाड़ा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के भटौलिया गांव में खेत की मेड़ बांधने के लिए मिट्टी उठाने को लेकर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मधुपुर लाया गया। लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। इलाज के दौरान अस्पताल परिसर में ही दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश भी घायल हो गए। इस दौरान अस्पताल का सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायलों के अस्पताल पहुंचने के बाद सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसके कुछ देर बाद एक पक्ष के कई लोग अस्पताल पहुंच गए और इलाज करा रहे दूसरे पक्ष के घायल राजेश पर हमला बोल दिया। घटना देख प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश और अन्य स्वास्थ्य कर्मी बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस दौरान डॉ. अखिलेश को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने अस्पताल के सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिए, जिससे सरकारी अभिलेखों को नुकसान पहुंचा। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल के एक कर्मचारी ने मुख्य गेट बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, कुछ लोगों को हिरासत में लिया तथा शेष घायलों को जिला अस्पताल भेजा। घटना के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवा भी काफी देर तक बाधित रही। बाद में पुलिस द्वारा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा शुरू हुईं।
थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने फाड़े गए रजिस्टर का निरीक्षण किया और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
मारपीट में पहले पक्ष के राजेश (34) पुत्र कन्हैया तथा कन्हैया (65), जबकि दूसरे पक्ष के कृष्णवती, विकास (26), सुनीता देवी (45) और आकाश (17) घायल हुए हैं।

जुगैल पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर गुजरात ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)
अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0- 86/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।
दिनांक 08.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।
दिनांक 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा पुत्र कल्लू हलवाई, निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ सूरत (गुजरात) ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0- 86/2026 में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.07.2026 को समय लगभग 11:00 बजे भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति ओबरा इकाई का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति की नगर इकाई ओबरा की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को ओबरा स्थित चिल्ड्रन पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विकास कुमार 'हलचल' ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, पत्रकारों के हितों की सुरक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नगर इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में शिशिर शर्मा को उपाध्यक्ष, इमरान खान को सचिव, राजू जायसवाल को मीडिया प्रभारी, कन्हैया लाल केसरी को कोषाध्यक्ष तथा अनिल जायसवाल को संगठन सचिव संयुक्त सचिव मुस्ताक अहमद, की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं राजू चौधरी, अभिषेक अग्रहरी, महेश अग्रहरी, छवि सनी, रिजवान अहमद, किरण गौड़ एवं किरण साहनी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के अन्य पदों पर भी जिम्मेदारियों की घोषणा की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को

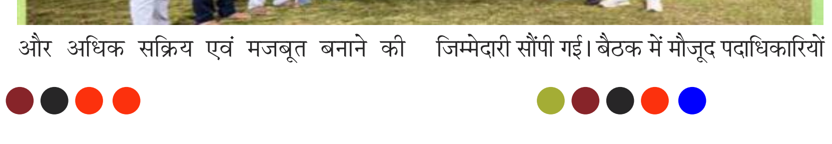

और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने छोड़ी भाजपा , राष्ट्रीय लोकदल में हुए शामिल

आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता, कहा- किसानों की नीतियों को घर-घर पहुंचाएंगे

समाज जागरण बड़ौत।
तहसील क्षेत्र के गांव निरपुडा निवासी ईंट भट्टा निमार्ता समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने विक्रम सिंह राणा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान विक्रम राणा अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। सदस्यता लेने के बाद विक्रम सिंह राणा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सम्मान जयंत चौधरी ने मुझे दिया है, उसकी गरिमा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का

काम करेंगे। मीडिया से बातचीत में विक्रम राणा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों,
मजदूरों, व्यापारियों और गरीबों को साथ लेकर चलने वाला संगठन है। आज सभी वर्ग के लोग पछऊसे जुड़ रहे है। इस अवसर पर विधायक डॉ. अजय कुमार, पूर्व विधायक वीरपाल राठी, सुरेश राणा, नरेश डायरेक्टर, जितेंद्र राठी, रविंदर चौधरी, बृजपाल सिंह राठी, सुधीर राठी, कुलबीर राठी, अरविंद तोमर,
अजीत राठी, कृष्ण देव राठी, विजेंद्र राणा, जितेंद्र कंडेरा, विकास राठी, मन्नू प्रधान, परमिंदर बिराल, उपेंद्र राठी व राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर आदि मौजूद रहे।

रटौल में हुआ पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क का ऐतिहासिक आयोजन

विधानसभा बागपत 52 के कार्यकताओं और जनता ने दिखाया अभूतपूर्व उत्साह

समाज जागरण
बागपत। विधानसभा बागपत 52 क्षेत्र के गांव रटौल में बुधवार को पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही और पूरे माहौल में भाईचारे व विकास की चर्चा देखने को मिली। रटौल के प्रसिद्ध आमों की मिठास के बीच हुई चौपाल ने इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी सम्मानित बुजुर्गों, प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और देवतुल्य जनता ने जिस स्नेह और सहयोग से आयोजन को सफल बनाया, उसने

इसे ऐतिहासिक स्वरूप दे दिया। आयोजकों ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सुझाव ही आगे की राह तय करेंगे। पीडीए चौपाल के दौरान गांव के हर वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया गया। चौपाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान समस्याओं, सड़कों, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर खुलकर चर्चा हुई। बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किए तो युवाओं ने रोजगार और खेल सुविधाओं को लेकर अपने
सुझाव रखे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखी और क्षेत्र के विकास में सहभागिता का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही आम दावत। रटौल के मशहूर आमों को सभी ने एक साथ बैठकर चखा। आम की मिठास के साथ ही लोगों के बीच संवाद की मिठास भी घुली रही। बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह का सामूहिक आयोजन गांव में एकता का संदेश देता है।जनसंपर्क के दौरान कार्य कताओं ने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं जानीं। लोगों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की सराहना की और साथ ही कुछ लंबित मांगों को भी प्रमुखता से रखा। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि सभी सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए आयोजकों ने कहा कि रटौल की जनता ने जिस तरह सहयोग किया है, वह अभूतपूर्व है। सभी सम्मानित बुजुर्गों और प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन, जनसंपर्क में साथ देने वाली देवतुल्य जनता का समर्थन, मेहनती युवा साथियों और पूरी टीम की मेहनत से यह आयोजन सफल हुआ है। यह भाईचारा और विकास का संकल्प इसी तरह मजबूत बना रहेगा।ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी समरसता बढ़ती है

और समस्याओं के समाधान का रास्ता भी निकलता है। रटौल के आमों की चर्चा तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन इस चौपाल ने गांव को एक नई पहचान दी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया और यह संकल्प लिया गया कि क्षेत्र के विकास के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहेंगे। धन्यवाद रटौल के नारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत की बैठक, आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान

ओंकार दत्त शर्मा की अध्यक्षता में मानस्तंभ परिसर में हुई बैठक, संस्थाओं के संरक्षण पर दिया जोर

समाज जागरण बड़ौत।
सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत के सभी समाज प्रतिनिधियों की एक बैठक शुक्रवार को दिगंबर जैन कॉलेज गांधी रोड स्थित मानस्तंभ परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पंडित ओंकार दत्त शर्मा ने की। बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों ने समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि बड़ौत नगर का इतिहास रहा है कि यहां समाज को तोड़ने वाली ताकतों का सर्व समाज हमेशा मुकाबला करता आया है और यही परंपरा आगे भी जारी रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक परंपराओं में भी सभी को एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। नगर की सभी प्राचीन धार्मिक, सामाजिक

एवं शैक्षणिक संस्थाओं का संरक्षण और संवर्धन करना सर्व समाज की जिम्मेदारी है। बैठक में यह भी कहा गया कि कुछ बाहरी व्यक्तियों द्वारा बड़ौत नगर का माहौल खराब करने के लिए संस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सर्व समाज ऐसे प्रयासों का विरोध और मुकाबला करेगा। बैठक में डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. इरफान मलिक, धन कुमार जैन, धनेंद्र कुमार जैन, डॉ. अमित राय जैन, विजेंद्र कश्यप, अंकुर जैन, डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महाक्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई 1857 के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

169 वें शहादत दिवस पर वृक्षारोपण कर देश के अमर शहीदों को किया याद

समाज जागरण
बागपत। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के ऐतिहासिक स्थल महा क्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई को शहीदों के 169 वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा चेतना मंच द्वारा शिक्षण संस्थाओं और क्रांति द्वार पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में मंच के संस्थापक मास्टर सत्तार अहमद और देश के अमर शहीदों की स्मृति में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत चीकू, आड़ू, आम, अमरूद, आंवला और इमली के फलदार व छायादार पौधों का रोपण व वितरण

किया गया।मंच के महासचिव एडवोकेट समीर सत्तार अहमद ने बताया कि संविलियन विद्यालय और राजकीय हाईस्कूल बसौद में संस्था द्वारा अध्यापकों, अध्यापिकाओं व बच्चों के सहयोग से तथा क्रांति द्वार पर मंच के सदस्यों द्वारा शहीदों की स्मृति में पौधारोपण व वितरण किया गया। बच्चों को 17 जुलाई 1857 के इतिहास के बारे में जानकारी देकर देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। इतिहास बताते हुए कहा गया कि 17 जुलाई 1857 को बसौद गांव में अंग्रेजों ने खूनी खेल खेलकर पूरे गांव को तबाह कर दिया था। बसौद की जामा मस्जिद वीर बाबा शाहमल का मुख्यालय थी। यहां से क्रांतिकारियों को रसद और गोला बारूद की सप्लाई होती थी जिसकी सूचना अंग्रेजों को मुखबिर ने दे दी थी। गौरी सेना को बताया गया था कि बाबा शाहमल भी बसौद में ठहरे हैं तो अंग्रेजों ने बसौद पर आक्रमण कर दिया। दो चरणों में लगभग 10 घंटे युद्ध चला और बहादुर ग्रामीणों ने डटकर मुकाबला किया लेकिन वीरगति को प्राप्त हुए। शाम के समय जाते समय 10 लोगों को फांसी पर लटका कर गांव को आग के हवाले कर दिया गया। जिसमें पूरा गांव शहीद हो गया। कुछ बचे बच्चों औरतों से गांव फिर आबाद हुआ। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों तथा युवा चेतना मंच के संस्थापक समाजसेवी मास्टर सत्तार अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच द्वारा अध्यापकों को इंडोर पौधे भेंट किए गए। राजकीय हाईस्कूल से अध्यापिका आभा राज सिंह, बिन्दियां ब्रिज, प्रिया रानी और संविलियन विद्यालय से सुनीता मलिक, अश्वनी तोमर, युसुफ अली, अंकिता रानी, प्रतिभा, दीपाक्षी शर्मा, राबिया प्रवीन, डोली शर्मा, प्रियंका शुक्ला, ममता देवी के सहयोग के लिए मंच उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में युवा चेतना मंच के सदस्य मास्टर गुलफाम, ताराचंद गुप्ता, असर मौ., शौकत अली, खुर्शीद आलम, डॉ नय्यूम, डॉ तसलीम, इकबाल, आदिल हुसैन, कुरबान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों व चाकू से हमला, कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

डेढ़ साल से चल रहा था मुकदमा, आरोपियों ने दुकान से लौटते समय किया हमला

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के गांव बावली पट्टी खोबा निवासी एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों पर मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पप्पन पुत्र रामपाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका पड़ोसी रजनीश पुत्र सुंदर से करीब डेढ़ वर्ष से मुकदमा चल रहा है, जिसके कारण दोनों पक्षों में रंजिश है। आरोप है कि वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था तभी रास्ते में रंजिश रखने वाले लोगों ने उसे रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। तहरीर के अनुसार आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की और चाकू से भी हमला किया। साथ ही मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू महासंघ ने एडीएम बागपत को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन प्रतीक चिन्ह भेंट किया

बागपत के ऐतिहासिक स्थलों को दशार्ने वाले प्रतीक चिन्ह की एडीएम व उनकी धर्मपत्नी ने की प्रशंसा

समाज जागरण

बागपत। विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ दीपक गौतम के नेतृत्व में बागपत के जिलाध्यक्ष वैभव राजपूत, महामंत्री डॉ दिव्या उज्ज्वल और रामकुमार शर्मा ने बागपत के एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्णिमा को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन इतिहास का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। प्रतीक चिन्ह उनके निवास पर जाकर भेंट किया गया। इस प्रतीक चिन्ह में बागपत के पुरातन ऐतिहासिक स्थलों को दशार्या गया है। इसमें महाभारत कालीन लाक्षागृह, परशुरामेश्वर महादेव मंदिर, लव कुश जन्मस्थली सहित कई ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों को बागपत के नक्शे में दिखाया गया है।प्रतीक चिन्ह देखकर एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने इसकी सराहना की। इस अवसर पर डॉ दीपक गौतम ने कहा कि बागपत में आपका कार्यकाल अच्छा रहा है।

आपका मिलनसार व्यवहार सदैव याद रहेगा। एडीएम का ट्रांसफर बागपत से चंदौली जनपद में हो गया है। नवीन तैनाती स्थल चंदौली जनपद में जाने के लिए विश्व हिंदू महासंघ की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।एडीएम अमरचंद वर्मा ने कहा कि बागपत का मेरा प्रशासनिक अनुभव बहुत सुंदर रहा है। बागपत की अमिट छाप सदैव मेरे जीवन में रहेगी। डॉ दिव्या उज्ज्वल ने बताया कि इस मुलाकात में सामाजिक विषयों पर एडीएम महोदय के साथ सार्थक बातचीत हुई।

बागपत के विकास और युवाओं के लिए योजनाओं पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा बागपत आएंगे और विकास की सौगात देंगे

समाज जागरण
बागपत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय सहयोगी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से दिल्ली में उनके मंत्रालय पर मुलाकात की गई। इस दौरान उन्हें बागपत आने और अपने मंत्रालय की योजनाओं से बागपत और

बागपत की युवा पीढ़ी को लाभ दिलाने के लिए निवेदन किया गया। माननीय मंत्री चिराग पासवान जी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बागपत आएंगे और बागपत की जनता के लिए विकास की सौगात भी देंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर सत्यपाल सिंह के निवर्तमान प्रतिनिधि और जिला संयोजक भाजपा शिक्षक एमएलसी चुनाव बागपत प्रमेन्द्र तोमर साथ में डॉ अजय तोमर, प्रमुख अश्विनी तोमर गुड्डू, कृष्णवीर प्रधान और नितिन प्रधान उपस्थित रहे।

खट्टा प्रहलादपुर में अहिंसा सेवा ट्रस्ट ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

नीट में शानदार रैंक लाने पर विवेक दाहिमा को मिला सर्व समाज गौरव सम्मान

समाज जागरण
चांदीनगर। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अहिंसा सेवा ट्रस्ट द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नीट की परीक्षा शानदार रैंक के साथ उत्तीर्ण करने वाले विवेक दाहिमा को सर्व समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विवेक को अंगवस्त्र व मोतियों की माला पहनाकर स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेडा के प्राचार्य डॉ राजीव गुप्ता पुट्ठी ने कहा कि होनहार बच्चे अपने माता पिता के साथ-साथ अपने शिक्षकों और ग्रामवासियों को भी गौरवान्वित करते हैं। उनकी मेहनत

से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन होता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी राकेश जैन ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। क्षेत्र के युवाओं को विवेक जैसे होनहार बेटे से प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजयवीर प्रधान ने की और संचालन रामपाल ने किया।

इस अवसर पर कैप्टन जयद्रथ, मास्टर सुधीर, राजेश, लोकेश, धर्मेन्द्र, रामपाल बाबू, कुंवरपाल सेठ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएचसी में घुसकर हमला, अधीक्षक घायल; सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर फाड़ा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के भटौलिया गांव में खेत की मेड़ बांधने के लिए मिट्टी उठाने को लेकर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मधुपुर लाया गया। लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। इलाज के दौरान अस्पताल परिसर में ही दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश भी घायल हो गए। इस दौरान अस्पताल का सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायलों के अस्पताल पहुंचने के बाद सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसके कुछ देर बाद एक पक्ष के कई लोग अस्पताल पहुंच गए और इलाज करा रहे दूसरे पक्ष के घायल राजेश पर हमला बोल दिया। घटना देख प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश और अन्य स्वास्थ्य कर्मी बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस दौरान डॉ. अखिलेश को

गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने अस्पताल के सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिए, जिससे सरकारी अभिलेखों को नुकसान पहुंचा। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल के एक कर्मचारी ने मुख्य गेट बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, कुछ लोगों को हिरासत में लिया तथा शेष घायलों को जिला अस्पताल भेजा। घटना के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवा भी काफी देर तक बाधित रही। बाद में पुलिस द्वारा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा शुरू हुईं।
थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने फाड़े गए रजिस्टर का निरीक्षण किया और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
मारपीट में पहले पक्ष के राजेश (34) पुत्र कन्हैया तथा कन्हैया (65), जबकि दूसरे पक्ष के कृष्णवती, विकास (26), सुनीता देवी (45) और आकाश (17) घायल हुए हैं।

जुगैल पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर गुजरात ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)
अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0- 86/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।
दिनांक 08.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।
दिनांक 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा पुत्र कल्लू हलवाई, निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ सूरत (गुजरात) ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0- 86/2026 में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.07.2026 को समय लगभग 11:00 बजे भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति ओबरा इकाई का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति की नगर इकाई ओबरा की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को ओबरा स्थित चिल्ड्रन पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विकास कुमार 'हलचल' ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, पत्रकारों के हितों की सुरक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नगर इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में शिशिर शर्मा को उपाध्यक्ष, इमरान खान को सचिव, राजू जायसवाल को मीडिया प्रभारी, कन्हैया लाल केसरी को कोषाध्यक्ष तथा अनिल जायसवाल को संगठन सचिव संयुक्त सचिव मुस्ताक अहमद, की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं राजू चौधरी, अभिषेक अग्रहरी, महेश अग्रहरी, छवि सनी, रिजवान अहमद, किरण गौड़ एवं किरण साहनी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के अन्य पदों पर भी जिम्मेदारियों की घोषणा की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को

और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

हाइड्रोजन ट्रेन भारत की तकनीकी क्षमता और नवाचार का प्रतीक : सुभाष बराला

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जींद में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का किया शुभारंभ

- सीडीएलयू सिरसा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद श्री सुभाष बराला रहे मुख्यातिथि

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 17 जुलाई (सुरेश जोरासिया) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जींद में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ किया और इसके सहित लगभग 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीडीएलयू सिरसा के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के संबोधन को सुना। जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के चार लाभपात्रों को चाबी सौंपी। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारत की तकनीकी क्षमता और नवाचार का प्रतीक है। यह केवल एक नई रेल सेवा नहीं, बल्कि विकसित भारत की

ओर बढ़ते देश का मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में आधारभूत ढांचे, आधुनिक परिवहन, डिजिटल तकनीक और जन कल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीरो बैलेंस पर बैंक खाते खुलने से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचना संभव हुआ है। डीबीटी व्यवस्था ने पारदर्शिता बढ़ाई है और किसानों, गरीबों, महिलाओं तथा अन्य पात्र लाभार्थियों को बिना किसी बिचौलिए के सहायता राशि मिल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि देश में आधुनिक सड़क नेटवर्क, एक्सप्रेस-वे, रेलवे और मेडिकल कॉलेजों का तेजी से विस्तार किया गया है। दिल्ली-कटरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे तथा अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से हरियाणा सहित उत्तर भारत के विकास को नई गति मिली है। बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा किसानों और व्यापारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि हरियाणा में वर्ष 2014 के बाद सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता आई है और युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार मिलने लगा है। इससे युवाओं और उनके परिवारों का सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और सुशासन के क्षेत्र में हुए सुधार विकसित भारत की मजबूत नींव हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए सरकार आधुनिक तकनीक, बेहतर आधारभूत ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने उपस्थित लोगों से सरकार के विभिन्न जनहित अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देने का आह्वान किया। सीडीएलयू के कुलगुरु प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विकास परियोजनाएं देश के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों का जीवन अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाती हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर अपना योगदान दे रहा है तथा सतत विकास के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब मजबूत इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व और जनभागीदारी एक साथ जुड़ते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी आसानी से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से ऐसे हरियाणा के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया, जो आर्थिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से सशक्त, पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित तथा सामाजिक रूप से समावेशी हो। कुलगुरु ने कहा कि विकास की यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, बल्कि हरियाणा के प्रत्येक नागरिक की साझी यात्रा है, जिसमें सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

जिलाध्यक्ष भाजपा सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। आज देश आधुनिक रेल, सड़क, डिजिटल तकनीक और मजबूत आधारभूत ढांचे के साथ नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

जिलाध्यक्ष भाजपा डबवाली रेणू शर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीब परिवारों के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही साकार होगा और सभी को इस अभियान में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन, अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल, सीडीएलयू के रजिस्ट्रार सुशील कुमार, डीएमसी

सुरेंद्र बैनीवाल, सीएमजीजीए पुरू रोहिल्ला, नगर परिषद के चेयरमैन शांति स्वरूप, चेयरमैन रोहताश जांगड़ा, पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी, अमीर चंद मेहता, भूपेश मेहता, शीशपाल कंबोज, राजेद्र देसूजोधा, सतीश जग्गा, हनुमान अंबर कुमार, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, मक्खन लाल सिंगला, पूर्व चेयरमैन गुरदेव सिंह राही, अमीरचंद मेहता, नगर पार्षद सुमन शर्मा, अमन चोपड़ा, श्याम बजाज, प्रदीप रातुसरिया, गंगा सागर केहरवाला, सुमन सैनी मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति का भी दिया जाएगा संदेश*

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

चरखी दादरी 17 जुलाई। स्वामी नितानन्द मिशन फाउंडेशन द्वारा रविवार, 19 जुलाई को जनता कॉलेज, चरखी दादरी में दिव्य वाणी सत्संग का भव्य आयोजन किया जाएगा। सत्संग दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता/आशीर्वचन तपोभूमि जटेला धाम माजरा (दुलवधन) झज्जर के पीठाधीश्वर श्री महंत स्वामी राजेन्द्र दास जी महाराज करेंगे। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सत्संग के साथ-साथ पर्यावरण महोत्सव और नशामुक्त अभियान भी चलाया जाएगा। "आओ मिलकर धरती को हरा-भरा बनाएं" के संकल्प के तहत इस दिन वृहद पौधारोपण किया जाएगा। स्वामी जी युवाओं को नशे की बुराइयों से दूर रहने और संस्कार युक्त जीवन जीने की प्रेरणा देंगे।

आयोजकों ने क्षेत्र की समस्त जनता से अनुरोध किया है कि वे परिवार सहित पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और स्वामी नितानन्द जी महाराज के बताए मार्ग पर चलकर समाज सेवा का संकल्प लें।

कार्यक्रम का विवरणः

- दिनांकः रविवार, 19 जुलाई 2026 - स्थानः जनता कॉलेज, चरखी दादरी - समयः दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक
- मुख्य आकर्षणः दिव्य वाणी सत्संग, पर्यावरण महोत्सव, नशामुक्त अभियान

नोएडा में धूमधाम से निकली 17वीं श्री जगन्नाथ रथयात्रा, भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

समाज जागरण

नोएडा। सेक्टर-121 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से गुरुवार को 17वीं भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ निकाली गई। भगवान श्री जगन्नाथ, प्रभु बलभद्र और माता सुभद्रा के दिव्य रथ के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे मार्ग पर "जय जगन्नाथ" के जयघोष, हरिनाम संकीर्तन और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

श्री जगन्नाथ समिति, सेक्टर-121 के अध्यक्ष प्रमोद बहल ने बताया कि रथयात्रा का शुभारंभ प्रातः मंगला आरती, विशेष पूजा-अर्चना, रथ पूजन और छप्पन भोग अर्पण के साथ हुआ। इसके बाद भगवान को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर यात्रा श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-121 से बाबा बालकनाथ मंदिर, सेक्टर-71 तक निकाली गई।

रथयात्रा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और भक्ति संगीत पर झूमते हुए भगवान का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ

रथ खींचकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक एवं आधुनिक व्यवस्थाएं की गई थीं। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट से भव्य स्वरूप दिया गया, जबकि रथयात्रा महोत्सव के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे।

प्रमोद बहल ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ नौ दिनों तक मौसी के घर विराजमान रहेंगे। इसके बाद 24 जुलाई को आयोजित होने वाली बहुदा यात्रा के साथ भगवान पुनः अपने धाम लौटेंगे।

इस आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रमोद बहल के नेतृत्व में निगम मोहंती, धनेश्वर नायक, अभिमन्यु परिड़ा, प्रशांत खिलार, अवध स्वाईं, दिलीप स्वाईं, ए.आर. परिड़ा, भरत प्रधान, सुबल बेहरा, किशोर परिड़ा, हलधर पात्र सहित समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नोएडा में फायर सुरक्षा व्यवस्था पर युवा क्रांति सेना ने उठाए सवाल, व्यापक अभियान चलाने की मांग

समाज जागरण

नोएडा। शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर युवा क्रांति सेना ने गंभीर चिंता जताते हुए व्यापक स्तर पर फायर सेफ्टी अभियान चलाने की मांग की है। संगठन के मुख्य सलाहकार एडवोकेट दीपक शंखधर, अध्यक्ष अविनाश सिंह और प्रशांत यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि नोएडा में आयोजित होने वाले

सभी सामाजिक, कॉरपोरेट, सांस्कृतिक, व्यावसायिक एवं बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों को तभी अनुमति

दी जाए, जब आयोजन स्थल के पास वैध फायर एनओसी और सभी आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। संगठन का कहना है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और फायर सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। मुख्य सलाहकार एडवोकेट दीपक शंखधर ने कहा कि अक्सर किसी बड़ी आग की घटना के बाद ही फायर एनओसी और सुरक्षा मानकों की जांच तेज होती है, जबकि यह प्रक्रिया नियमित रूप से होनी चाहिए। उन्होंने बिना वैध फायर एनओसी संचालित संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और आवश्यक होने पर सीलिंग की कार्रवाई की मांग की।

संगठन ने नोएडा के प्रत्येक गांव में "फायर मित्र" नियुक्त करने का भी सुझाव दिया। इन स्वयंसेवकों को फायर विभाग द्वारा प्रशिक्षण देकर आपदा के समय प्राथमिक सहायता, जनजागरूकता और राहत कार्यों में शामिल किया जा सके, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो।

ज्ञापन में नोएडा के सभी सरकारी कार्यालयों, कॉरपोरेट कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों, बहुमंजिला इमारतों, पीजी, होटल, बैंक्वेट हॉल, मॉल, अस्पताल, स्कूल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष फायर सेफ्टी ऑडिट कराने, नियमित सरप्राइज निरीक्षण करने, नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों की सूची सार्वजनिक करने तथा पूरे शहर में नियमित फायर मॉक ड्रिल और जनजागरूकता अभियान चलाने की भी मांग की गई।

हेलीकॉप्टर से पश्चिमी यूपी दौरे में सीएम योगी के साथ रहे नवाब सिंह नागर, संगठन-सरकार के समन्वय पर रहा जोर

समाज जागरण

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के दौरे के दौरान भाजपा पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष नवाब सिंह नागर पूरे कार्यक्रम में उनके साथ मौजूद रहे। शामली से बिजनौर और बिजनौर से मुरादनगर तक हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन और क्षेत्रीय राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा भी हुई। इस दौरान नवाब सिंह नागर ने मुख्यमंत्री के सरकारी एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता की। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। शामली में 581 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 89 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आवास की चाबियां, चेक तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने शामली में प्रदेश के पहले एकीकृत निजी टेक्सटाइल पार्क की स्थापना

की भी घोषणा की, जिससे लगभग 8,000 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में 868 करोड़ रुपये से अधिक तथा बिजनौर में 1,003 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य आधारभूत संरचना को मजबूत करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और जनसुविधाओं का विस्तार करना है। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के साथ नवाब सिंह नागर की निरंतर मौजूदगी सरकार और संगठन के बीच बेहतर

समन्वय का संकेत है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच इस दौरे को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक मजबूती और विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

आबादी के बीच संचालित पत्थर खदान के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा , ब्लास्टिंग रुकवाकर किया प्रदर्शन

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र के खैरटिया गांव में आबादी के समीप संचालित पत्थर खदान के खिलाफ शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ब्लास्टिंग के दौरान उड़ रहे पत्थरों और लगातार हो रहे धमाकों से परेशान ग्रामीण बड़ी संख्या में खदान पर पहुंच गए और जमकर हंगामा करते हुए खनन कार्य बंद करा दिया। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों ने एकजुट होकर खदान प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की तथा तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान में की जा रही ब्लास्टिंग के दौरान बड़े-बड़े पत्थर उड़कर

उनके घरों की छतों और आंगनों तक पहुंच रहे हैं। इससे गांव के लोगों में हर समय भय का माहौल बना रहता है। उनका कहना है कि बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हमेशा हादसे की आशंका में रहते हैं। कई बार बाल-बाल बचने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद खदान प्रबंधन सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई के अभाव में खदान संचालकों के हौसले बुलंद हैं और आबादी के बीच लगातार ब्लास्टिंग की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ को देखकर खदान कर्मचारी मौके से भाग निकले। आरोप है कि कर्मचारी विस्फोटक सामग्री भी वहीं छोड़कर चले गए। इसके बाद ग्रामीणों ने खदान परिसर में प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और खनन कार्य पूरी तरह बंद करा दिया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आबादी के समीप ब्लास्टिंग तत्काल नहीं रोकी गई और खदान संचालन को गांव से दूर स्थानांतरित नहीं किया गया,

तो ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि विकास के नाम पर ग्रामीणों की जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने और आबादी के निकट संचालित खदान पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है और लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

भारत टेक्स 2026 में लखपति दीदियों ने ग्रामीण उद्यम, पारंपरिक शिल्प और बाजार क्षमता का प्रदर्शन किया

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के माध्यम से आज भारत टेक्स 2026 में अपनी भागीदारी समाप्त की। इसमें स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता, शिल्प कौशल और उद्यमिता का प्रदर्शन किया गया। चार दिवसीय इस आयोजन के दौरान मंत्रालय के पवेलियन ने देश भर की लखपति दीदियों के लिए खरीदारों, उद्योग प्रतिनिधियों और आगंतुकों के साथ संवाद स्थापित करने और भारत की समृद्ध वस्त्र और हस्तशिल्प परंपराओं को दशार्ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव; ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव श्री टी.के. अनिल कुमार; ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री जयश्री; और ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री स्वाति शर्मा ने कार्यक्रम के समापन पर मंत्रालय के पवेलियन का दौरा किया। उनका स्वागत डीएवाई-एनआरएलएम की निदेशक डॉ. मोलिश्री ने किया। उन्होंने प्रतिभागी लखपति दीदियों से बातचीत की, उनके उद्यमशीलता के सफर के बारे में जानकारी हासिल की और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की विविधता का अवलोकन किया।

मंत्रालय के स्टॉल ने प्रदर्शनी के दौरान भारत और विदेश से खरीदारों, निर्यातकों, उद्योग जगत के हितधारकों और आगंतुकों को आकर्षित किया। इन संवादों ने प्रतिभागी महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रस्तुत करने, उद्योग प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने और अपने बाजार का विस्तार करने के अवसरों की खोज करने का मौका दिया। इस पवेलियन में भारत की विविध वस्त्र परंपराओं को दशार्ने वाले हथकरघा उत्पादों का एक व्यापक संग्रह प्रदर्शित किया गया था। आगंतुकों ने पट्टाचित्र, पेन कलमकारी, फुलकारी कढ़ाई, एरी रेशम, पश्मीना और अन्य कई प्रकार की कृतियों का अवलोकन किया। यह देश के विभिन्न हिस्सों की ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता, कौशल और उद्यमशीलता

क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती हैं।

प्रदर्शनी का एक प्रमुख आकर्षण ' सरस शक्ति कलेक्शन' था जो डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत एक उत्कृष्ट उपहार पहल है और इसमें ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए सावधानीपूर्वक चयनित हस्तनिर्मित उत्पादों को एक साथ लाया गया है। गुणवत्ता, डिजाइन, पैकेजिंग और बाजार में उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह पहल पारंपरिक शिल्पों की प्रामाणिकता को संरक्षित करते हुए महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को संस्थागत और प्रीमियम बाजारों तक पहुँचने में मदद कर रही है।

भारत टेक्स 2026 में लखपति दीदियों की भागीदारी ने भारत के वस्त्र एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) उद्यमों के बढ़ते योगदान दशार्या। डीएवाई-एनआरएलएम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को वित्त प्राप्त करने, कौशल को मजबूत करने, उद्यम विकसित करने और बाजार संपर्क स्थापित करने में सहायता मिलती है जिससे वे अपनी आय बढ़ाने और स्थायी आजीविका सृजित करने में सक्षम होती हैं।

डीएवाई-एनआरएलएम ने पूरे भारत में 10 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया है। इस व्यापक सामुदायिक संस्थागत नेटवर्क के आधार पर लखपति दीदी पहल ग्रामीण महिलाओं को अपनी आजीविका मजबूत करने, आय बढ़ाने और स्थायी उद्यम स्थापित करने में सक्षम बना रही है। तीन करोड़ लखपति दीदियों का आंकड़ा पार करने के बाद सरकार अब छह करोड़ लखपति दीदियों के सृजन के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने छोड़ी भाजपा, राष्ट्रीय लोकदल में हुए शामिल

आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता, कहा- किसानों की नीतियों को घर-घर पहुंचाएंगे

समाज जागरण बड़ौत।

तहसील क्षेत्र के गांव निरपुडा निवासी ईंट भट्ठा निमार्ता समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने विक्रम सिंह राणा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान विक्रम राणा अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। सदस्यता लेने के बाद विक्रम सिंह राणा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सम्मान जयंत चौधरी ने मुझे दिया है, उसकी गरिमा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का

काम करेंगे। मीडिया से बातचीत में विक्रम राणा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों,
मजदूरों, व्यापारियों और गरीबों को साथ लेकर चलने वाला संगठन है। आज सभी वर्ग के लोग फ्छऊसे जुड़ रहे है। इस अवसर पर विधायक डॉ. अजय कुमार, पूर्व विधायक वीरपाल राठी, सुरेश राणा, नरेश डायरेक्टर, जितेंद्र राठी, रविंदर चौधरी, बृजपाल सिंह राठी, सुधीर राठी, कुलबीर राठी, अरविंद तोमर,
अजीत राठी, कृष्ण देव राठी, विजेंद्र राणा, जितेंद्र कंडेरा, विकास राठी, मन्नू प्रधान, परमिंदर बिराल, उपेंद्र राठी व राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर आदि मौजूद रहे।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत की बैठक, आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान

ओंकार दत्त शर्मा की अध्यक्षता में मानस्तंभ परिसर में हुई बैठक, संस्थाओं के संरक्षण पर दिया जोर

समाज जागरण बड़ौत।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत के सभी समाज प्रतिनिधियों की एक बैठक शुक्रवार को दिगंबर जैन कॉलेज गांधी रोड स्थित मानस्तंभ परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पंडित ओंकार दत्त शर्मा ने की। बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों ने समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि बड़ौत नगर का इतिहास रहा है कि यहां समाज को तोड़ने वाली ताकतों का सर्व समाज हमेशा मुकाबला करता आया है और यही परंपरा आगे भी जारी रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक परंपराओं में भी सभी को एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। नगर की सभी प्राचीन धार्मिक, सामाजिक

एवं शैक्षणिक संस्थाओं का संरक्षण और संवर्धन करना सर्व समाज की जिम्मेदारी है। बैठक में यह भी कहा गया कि कुछ बाहरी व्यक्तियों द्वारा बड़ौत नगर का माहौल खराब करने के लिए संस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सर्व समाज ऐसे प्रयासों का विरोध और मुकाबला करेगा। बैठक में डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. इरफान मलिक, धन कुमार जैन, धनेंद्र कुमार जैन, डॉ. अमित राय जैन, विजेंद्र कश्यप, अंकुर जैन, डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों व चाकू से हमला, कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

डेढ़ साल से चल रहा था मुकदमा, आरोपियों ने दुकान से लौटते समय किया हमला

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के गांव बावली पट्टी खोबा निवासी एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों पर मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पप्पन पुत्र रामपाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका पड़ोसी रजनीश पुत्र सुंदर से करीब डेढ़ वर्ष से मुकदमा चल रहा है, जिसके कारण दोनों पक्षों में रंजिश है। आरोप है कि वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था तभी रास्ते में रंजिश रखने वाले लोगों ने उसे रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। तहरीर के अनुसार आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की और चाकू से भी हमला किया। साथ ही मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीएचसी में घुसकर हमला, अधीक्षक घायल; सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर फाड़ा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के भटौलिया गांव में खेत की मेड़ बांधने के लिए मिट्टी उठाने को लेकर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मधुपुर लाया गया। लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। इलाज के दौरान अस्पताल परिसर में ही दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश भी घायल हो गए। इस दौरान अस्पताल का सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायलों के अस्पताल पहुंचने के बाद सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसके कुछ देर बाद एक पक्ष के कई लोग अस्पताल पहुंच गए और इलाज करा रहे दूसरे पक्ष के घायल राजेश पर हमला बोल दिया। घटना देख प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश और अन्य स्वास्थ्य कर्मी बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस दौरान डॉ. अखिलेश को

गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने अस्पताल के सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिए, जिससे सरकारी अभिलेखों को नुकसान पहुंचा। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल के एक कर्मचारी ने मुख्य गेट बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, कुछ लोगों को हिरासत में लिया तथा शेष घायलों को जिला अस्पताल भेजा। घटना के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवा भी काफी देर तक बाधित रही। बाद में पुलिस द्वारा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा शुरू हुईं। थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने फाड़े गए रजिस्टर का निरीक्षण किया और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
मारपीट में पहले पक्ष के राजेश (34) पुत्र कन्हैया तथा कन्हैया (65), जबकि दूसरे पक्ष के कृष्णवती, विकास (26), सुनीता देवी (45) और आकाश (17) घायल हुए हैं।

रटौल में हुआ पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क का ऐतिहासिक आयोजन

विधानसभा बागपत 52 के कार्यकताओं और जनता ने दिखाया अभूतपूर्व उत्साह

समाज जागरण

बागपत। विधानसभा बागपत 52 क्षेत्र के गांव रटौल में बुधवार को पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही और पूरे माहौल में भाईचारे व विकास की चर्चा देखने को मिली। रटौल के प्रसिद्ध आमों की मिठास के बीच हुई चौपाल ने इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी सम्मानित बुजुर्गों, प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और देवतुल्य जनता ने जिस स्नेह और सहयोग से आयोजन को सफल बनाया, उसने

इसे ऐतिहासिक स्वरूप दे दिया। आयोजकों ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सुझाव ही आगे की राह तय करेंगे। पीडीए चौपाल के दौरान गांव के हर वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया गया। चौपाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान समस्याओं, सड़कों, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर खुलकर चर्चा हुई। बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किए तो युवाओं ने रोजगार और खेल सुविधाओं को लेकर अपने
सुझाव रखे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखी और क्षेत्र के विकास में सहभागिता का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही आम दावत। रटौल के मशहूर आमों को सभी ने एक साथ बैठकर चखा। आम की मिठास के साथ ही लोगों के बीच संवाद की मिठास भी घुली रही। बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह का सामूहिक आयोजन गांव में एकता का संदेश देता है।जनसंपर्क के दौरान कार्य कताओं ने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं जानीं। लोगों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की सराहना की और साथ ही कुछ लंबित मांगों को भी प्रमुखता से रखा। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि सभी सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए आयोजकों ने कहा कि रटौल की जनता ने जिस तरह सहयोग किया है, वह अभूतपूर्व है। सभी सम्मानित बुजुर्गों और प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन, जनसंपर्क में साथ देने वाली देवतुल्य जनता का समर्थन, मेहनती युवा साथियों और पूरी टीम की मेहनत से यह आयोजन सफल हुआ है। यह भाईचारा और विकास का संकल्प इसी तरह मजबूत बना रहेगा।ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी समरसता बढ़ती है

और समस्याओं के समाधान का रास्ता भी निकलता है। रटौल के आमों की चर्चा तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन इस चौपाल ने गांव को एक नई पहचान दी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया और यह संकल्प लिया गया कि क्षेत्र के विकास के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहेंगे। धन्यवाद रटौल के नारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महाक्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई 1857 के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

169 वें शहादत दिवस पर वृक्षारोपण कर देश के अमर शहीदों को किया याद

समाज जागरण

बागपत। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के ऐतिहासिक स्थल महा क्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई को शहीदों के 169 वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा चेतना मंच द्वारा शिक्षण संस्थाओं और क्रांति द्वार पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में मंच के संस्थापक मास्टर सत्तार अहमद और देश के अमर शहीदों की स्मृति में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत चीकू, आड़ू, आम, अमरूद, आंवला और इमली के फलदार व छायादार पौधों का रोपण व वितरण

किया गया।मंच के महासचिव एडवोकेट समीर सत्तार अहमद ने बताया कि संविलियन विद्यालय और राजकीय हाईस्कूल बसौद में संस्था द्वारा अध्यापकों, अध्यापिकाओं व बच्चों के सहयोग से तथा क्रांति द्वार पर मंच के सदस्यों द्वारा शहीदों की स्मृति में पौधारोपण व वितरण किया गया। बच्चों को 17 जुलाई 1857 के इतिहास के बारे में जानकारी देकर देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। इतिहास बताते हुए कहा गया कि 17 जुलाई 1857 को बसौद गांव में अंग्रेजों ने खूनी खेल खेलकर पूरे गांव को तबाह कर दिया था। बसौद की जामा मस्जिद वीर बाबा शाहमल का मुख्यालय थी। यहां से क्रांतिकारियों को रसद और गोला बारूद की सप्लाई होती थी जिसकी सूचना अंग्रेजों को मुखबिर ने दे दी थी। गौरी सेना को बताया गया था कि बाबा शाहमल भी बसौद में ठहरे हैं तो अंग्रेजों ने बसौद पर आक्रमण कर दिया। दो चरणों में लगभग 10 घंटे युद्ध चला और बहादुर ग्रामीणों ने डटकर मुकाबला किया लेकिन वीरगति को प्राप्त हुए। शाम के समय जाते समय 10 लोगों को फांसी पर लटका कर गांव को आग के हवाले कर दिया गया। जिसमें पूरा गांव शहीद हो गया। कुछ बचे बच्चों औरतों से गांव फिर आबाद हुआ। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों तथा युवा चेतना मंच के संस्थापक समाजसेवी मास्टर सत्तार अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच द्वारा अध्यापकों को इंडोर पौधे भेंट किए गए। राजकीय हाईस्कूल से अध्यापिका आभा राज सिंह, बिन्दियां ब्रिज, प्रिया रानी और संविलियन विद्यालय से सुनीता मलिक, अश्वनी तोमर, युसुफ अली, अंकिता रानी, प्रतिभा, दीपाक्षी शर्मा, राबिया प्रवीन, डोली शर्मा, प्रियंका शुक्ला, ममता देवी के सहयोग के लिए मंच उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में युवा चेतना मंच के सदस्य मास्टर गुलफाम, ताराचंद गुप्ता, असर मौ., शौकत अली, खुर्शीद आलम, डॉ नय्यूम, डॉ तसलीम, इकबाल, आदिल हुसैन, कुरबान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू महासंघ ने एडीएम बागपत को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन प्रतीक चिन्ह भेंट किया

बागपत के ऐतिहासिक स्थलों को दशार्ने वाले प्रतीक चिन्ह की एडीएम व उनकी धर्मपत्नी ने की प्रशंसा

समाज जागरण

बागपत। विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ दीपक गौतम के नेतृत्व में बागपत के जिलाध्यक्ष वैभव राजपूत, महामंत्री डॉ दिव्या उज्ज्वल और रामकुमार शर्मा ने बागपत के एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्णिमा को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन इतिहास का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। प्रतीक चिन्ह उनके निवास पर जाकर भेंट किया गया। इस प्रतीक चिन्ह में बागपत के पुरातन ऐतिहासिक स्थलों को दशार्या गया है। इसमें महाभारत कालीन लाक्षागृह, परशुरामेश्वर महादेव मंदिर, लव कुश जन्मस्थली सहित कई ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों को बागपत के नक्शे में दिखाया गया है।प्रतीक चिन्ह देखकर एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने इसकी सराहना की। इस अवसर पर डॉ दीपक गौतम ने कहा कि बागपत में आपका कार्यकाल अच्छा रहा है।

आपका मिलनसार व्यवहार सदैव याद रहेगा। एडीएम का ट्रांसफर बागपत से चंदौली जनपद में हो गया है। नवीन तैनाती स्थल चंदौली जनपद में जाने के लिए विश्व हिंदू महासंघ की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।एडीएम अमरचंद वर्मा ने कहा कि बागपत का मेरा प्रशासनिक अनुभव बहुत सुंदर रहा है। बागपत की अमिट छाप सदैव मेरे जीवन में रहेगी। डॉ दिव्या उज्ज्वल ने बताया कि इस मुलाकात में सामाजिक विषयों पर एडीएम महोदय के साथ सार्थक बातचीत हुई।

बागपत के विकास और युवाओं के लिए योजनाओं पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा बागपत आएंगे और विकास की सौगात देंगे

समाज जागरण

बागपत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय सहयोगी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से दिल्ली में उनके मंत्रालय पर मुलाकात की गई। इस दौरान उन्हें बागपत आने और अपने मंत्रालय की योजनाओं से बागपत और

बागपत की युवा पीढ़ी को लाभ दिलाने के लिए निवेदन किया गया। माननीय मंत्री चिराग पासवान जी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बागपत आएंगे और बागपत की जनता के लिए विकास की सौगात भी देंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर सत्यपाल सिंह के निवर्तमान प्रतिनिधि और जिला संयोजक भाजपा शिक्षक एमएलसी चुनाव बागपत प्रमेन्द्र तोमर साथ में डॉ अजय तोमर, प्रमुख अश्विनी तोमर गुड्डु, कृष्णवीर प्रधान और नितिन प्रधान उपस्थित रहे।

खट्टा प्रहलादपुर में अहिंसा सेवा ट्रस्ट ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

नीट में शानदार रैंक लाने पर विवेक दाहिमा को मिला सर्व समाज गौरव सम्मान

समाज जागरण

चांदीनगर। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अहिंसा सेवा ट्रस्ट द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नीट की परीक्षा शानदार रैंक के साथ उत्तीर्ण करने वाले विवेक दाहिमा को सर्व समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विवेक को अंगवस्त्र व मोतियों की माला पहनाकर स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेडा के प्राचार्य डॉ राजीव गुप्ता पुट्ठी ने कहा कि होनहार बच्चे अपने माता पिता के साथ-साथ अपने शिक्षकों और ग्रामवासियों को भी गौरवान्वित करते हैं। उनकी मेहनत

से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन होता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी राकेश जैन ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। क्षेत्र के युवाओं को विवेक जैसे होनहार बेटे से प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजयवीर प्रधान ने की और संचालन रामपाल ने किया।

इस अवसर पर कैप्टन जयद्रथ, मास्टर सुधीर, राजेश, लोकेश, धर्मेन्द्र, रामपाल बाबू, कुंवरपाल सेठ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जुगैल पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर गुजरात ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)
अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0- 86/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।
दिनांक 08.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।
दिनांक 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा पुत्र कल्लू हलवाई, निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ सूरत (गुजरात) ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0- 86/2026 में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.07.2026 को समय लगभग 11:00 बजे भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति ओबरा इकाई का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति की नगर इकाई ओबरा की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को ओबरा स्थित चिल्ड्रन पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विकास कुमार 'हलचल' ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, पत्रकारों के हितों की सुरक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नगर इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में शिशिर शर्मा को उपाध्यक्ष, इमरान खान को सचिव, राजू जायसवाल को मीडिया प्रभारी, कन्हैया लाल केसरी को कोषाध्यक्ष तथा अनिल जायसवाल को संगठन सचिव संयुक्त सचिव मुस्ताक अहमद, की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं राजू चौधरी, अभिषेक अग्रहरी, महेश अग्रहरी, छवि सनी, रिजवान अहमद, किरण गौड़ एवं किरण साहनी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के अन्य पदों पर भी जिम्मेदारियों की घोषणा की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को

और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने छोड़ी भाजपा , राष्ट्रीय लोकदल में हुए शामिल

आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता, कहा- किसानों की नीतियों को घर-घर पहुंचाएंगे

समाज जागरण बड़ौत।

तहसील क्षेत्र के गांव निरपुडा निवासी ईंट भट्टा निमार्ता समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम सिंह राणा ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने विक्रम सिंह राणा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान विक्रम राणा अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। सदस्यता लेने के बाद विक्रम सिंह राणा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सम्मान जयंत चौधरी ने मुझे दिया है, उसकी गरिमा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। मीडिया से बातचीत में विक्रम राणा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों,
मजदूरों, व्यापारियों और गरीबों को साथ लेकर चलने वाला संगठन है। आज सभी वर्ग के लोग फ्छऊसे जुड़ रहे है। इस अवसर पर विधायक डॉ. अजय कुमार, पूर्व विधायक वीरपाल राठी, सुरेश राणा, नरेश डायरेक्टर, जितेंद्र राठी, रविंदर चौधरी, बृजपाल सिंह राठी, सुधीर राठी, कुलबीर राठी, अरविंद तोमर,
अजीत राठी, कृष्ण देव राठी, विजेंद्र राणा, जितेंद्र कंडेरा, विकास राठी, मन्नू प्रधान, परमिंदर बिराल, उपेंद्र राठी व राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर आदि मौजूद रहे।

रटौल में हुआ पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क का ऐतिहासिक आयोजन

विधानसभा बागपत 52 के कार्यकताओं और जनता ने दिखाया अभूतपूर्व उत्साह

समाज जागरण

बागपत। विधानसभा बागपत 52 क्षेत्र के गांव रटौल में बुधवार को पीडीए चौपाल, आम दावत और जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही और पूरे माहौल में भाईचारे व विकास की चर्चा देखने को मिली। रटौल के प्रसिद्ध आमों की मिठास के बीच हुई चौपाल ने इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी सम्मानित बुजुर्गों, प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और देवतुल्य जनता ने जिस स्नेह और सहयोग से आयोजन को सफल बनाया, उसने इसे ऐतिहासिक स्वरूप दे दिया। आयोजकों ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सुझाव ही आगे की राह तय करेंगे। पीडीए चौपाल के दौरान गांव के हर वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया गया। चौपाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान समस्याओं, सड़कों, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर खुलकर चर्चा हुई। बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किए तो युवाओं ने रोजगार और खेल सुविधाओं को लेकर अपने
सुझाव रखे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखी और क्षेत्र के विकास में सहभागिता का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही आम दावत। रटौल के मशहूर आमों को सभी ने एक साथ बैठकर चखा। आम की मिठास के साथ ही लोगों के बीच संवाद की मिठास भी घुली रही। बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह का सामूहिक आयोजन गांव में एकता का संदेश देता है।जनसंपर्क के दौरान कार्य कताओं ने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं जानीं। लोगों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की सराहना की और साथ ही कुछ लंबित मांगों को भी प्रमुखता से रखा। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि सभी सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए आयोजकों ने कहा कि रटौल की जनता ने जिस तरह सहयोग किया है, वह अभूतपूर्व है। सभी सम्मानित बुजुर्गों और प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन, जनसंपर्क में साथ देने वाली देवतुल्य जनता का समर्थन, मेहनती युवा साथियों और पूरी टीम की मेहनत से यह आयोजन सफल हुआ है। यह भाईचारा और विकास का संकल्प इसी तरह मजबूत बना रहेगा।ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी समरसता बढ़ती है

और समस्याओं के समाधान का रास्ता भी निकलता है। रटौल के आमों की चर्चा तो पूरे प्रदेश में है, लेकिन इस चौपाल ने गांव को एक नई पहचान दी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया और यह संकल्प लिया गया कि क्षेत्र के विकास के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहेंगे। धन्यवाद रटौल के नारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत की बैठक, आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान

ओंकार दत्त शर्मा की अध्यक्षता में मानस्तंभ परिसर में हुई बैठक, संस्थाओं के संरक्षण पर दिया जोर

समाज जागरण बड़ौत।

सर्व समाज प्रतिनिधि सभा बड़ौत के सभी समाज प्रतिनिधियों की एक बैठक शुक्रवार को दिगंबर जैन कॉलेज गांधी रोड स्थित मानस्तंभ परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पंडित ओंकार दत्त शर्मा ने की। बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों ने समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने का आह्वान किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि बड़ौत नगर का इतिहास रहा है कि यहां समाज को तोड़ने वाली ताकतों का सर्व समाज हमेशा मुकाबला करता आया है और यही परंपरा आगे भी जारी रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक परंपराओं में भी सभी को एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। नगर की सभी प्राचीन धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का संरक्षण और संवर्धन करना सर्व समाज की जिम्मेदारी है। बैठक में यह भी कहा गया कि कुछ बाहरी व्यक्तियों द्वारा बड़ौत नगर का माहौल खराब करने के लिए संस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सर्व समाज ऐसे प्रयासों का विरोध और मुकाबला करेगा। बैठक में डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. इरफान मलिक, धन कुमार जैन, धनेंद्र कुमार जैन, डॉ. अमित राय जैन, विजेंद्र कश्यप, अंकुर जैन, डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महाक्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई 1857 के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

169 वें शहादत दिवस पर वृक्षारोपण कर देश के अमर शहीदों को किया याद

समाज जागरण

बागपत। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के ऐतिहासिक स्थल महा क्रांति ग्राम बसौद में 17 जुलाई को शहीदों के 169 वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा चेतना मंच द्वारा शिक्षण संस्थाओं और क्रांति द्वार पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में मंच के संस्थापक मास्टर सत्तार अहमद और देश के अमर शहीदों की स्मृति में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत चीकू, आड़ू, आम, अमरूद, आंवला और इमली के फलदार व छायादार पौधों का रोपण व वितरण किया गया।मंच के महासचिव एडवोकेट समीर सत्तार अहमद ने बताया कि संविलियन विद्यालय और राजकीय हाईस्कूल बसौद में संस्था द्वारा अध्यापकों, अध्यापिकाओं व बच्चों के सहयोग से तथा क्रांति द्वार पर मंच के सदस्यों द्वारा शहीदों की स्मृति में पौधारोपण व वितरण किया गया। बच्चों को 17 जुलाई 1857 के इतिहास के बारे में जानकारी देकर देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। इतिहास बताते हुए कहा गया कि 17 जुलाई 1857 को बसौद गांव में अंग्रेजों ने खूनी खेल खेलकर पूरे गांव को तबाह कर दिया था। बसौद की जामा मस्जिद वीर बाबा शाहमल का मुख्यालय थी। यहां से क्रांतिकारियों को रसद और गोला बारूद की सप्लाई होती थी जिसकी सूचना अंग्रेजों को मुखबिर ने दे दी थी। गौरी सेना को बताया गया था कि बाबा शाहमल भी बसौद में ठहरे हैं तो अंग्रेजों ने बसौद पर आक्रमण कर दिया। दो चरणों में लगभग 10 घंटे युद्ध चला और बहादुर ग्रामीणों ने डटकर मुकाबला किया लेकिन वीरगति को प्राप्त हुए। शाम के समय जाते समय 10 लोगों को फांसी पर लटका कर गांव को आग के हवाले कर दिया गया। जिसमें पूरा गांव शहीद हो गया। कुछ बचे बच्चों औरतों से गांव फिर आबाद हुआ। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों तथा युवा चेतना मंच के संस्थापक समाजसेवी मास्टर सत्तार अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच द्वारा अध्यापकों को इंडोर पौधे भेंट किए गए। राजकीय हाईस्कूल से अध्या पिका आभा राज सिंह, बिन्दियां ब्रिज, प्रिया रानी और संविलियन विद्यालय से सुनीता मलिक, अश्वनी तोमर, युसुफ अली, अंकिता रानी, प्रतिभा, दीपाक्षी शर्मा, राबिया प्रवीन, डोली शर्मा, प्रियंका शुक्ला, ममता देवी के सहयोग के लिए मंच उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में युवा चेतना मंच के सदस्य मास्टर गुलफाम, ताराचंद गुप्ता, असर मौ., शौकत अली, खुर्शीद आलम, डॉ नय्यूम, डॉ तसलीम, इकबाल, आदिल हुसैन, कुरबान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों व चाकू से हमला, कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

डेढ़ साल से चल रहा था मुकदमा, आरोपियों ने दुकान से लौटते समय किया हमला

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के गांव बावली पट्टी खोबा निवासी एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों पर मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पप्पन पुत्र रामपाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका पड़ोसी रजनीश पुत्र सुंदर से करीब डेढ़ वर्ष से मुकदमा चल रहा है, जिसके कारण दोनों पक्षों में रंजिश है। आरोप है कि वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था तभी रास्ते में रंजिश रखने वाले लोगों ने उसे रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। तहरीर के अनुसार आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की और चाकू से भी हमला किया। साथ ही मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू महासंघ ने एडीएम बागपत को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन प्रतीक चिन्ह भेंट किया

बागपत के ऐतिहासिक स्थलों को दशार्ने वाले प्रतीक चिन्ह की एडीएम व उनकी धर्मपत्नी ने की प्रशंसा

समाज जागरण

बागपत। विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ दीपक गौतम के नेतृत्व में बागपत के जिलाध्यक्ष वैभव राजपूत, महामंत्री डॉ दिव्या उज्ज्वल और रामकुमार शर्मा ने बागपत के एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्णिमा को व्याघ्रप्रस्थ का सनातन इतिहास का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। प्रतीक चिन्ह उनके निवास पर जाकर भेंट किया गया। इस प्रतीक चिन्ह में बागपत के पुरातन ऐतिहासिक स्थलों को दशार्या गया है। इसमें महाभारत कालीन लाक्षागृह, परशुरामेश्वर महादेव मंदिर, लव कुश जन्मस्थली सहित कई ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों को बागपत के नक्शे में दिखाया गया है।प्रतीक चिन्ह देखकर एडीएम अमरचंद वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने इसकी सराहना की। इस अवसर पर डॉ दीपक गौतम ने कहा कि बागपत में आपका कार्यकाल अच्छा रहा है। आपका मिलनसार व्यवहार सदैव याद रहेगा। एडीएम का ट्रांसफर बागपत से चंदौली जनपद में हो गया है। नवीन तैनाती स्थल चंदौली जनपद में जाने के लिए विश्व हिंदू महासंघ की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।एडीएम अमरचंद वर्मा ने कहा कि बागपत का मेरा प्रशासनिक अनुभव बहुत सुंदर रहा है। बागपत की अमिट छाप सदैव मेरे जीवन में रहेगी। डॉ दिव्या उज्ज्वल ने बताया कि इस मुलाकात में सामाजिक विषयों पर एडीएम महोदय के साथ सार्थक बातचीत हुई।

बागपत के विकास और युवाओं के लिए योजनाओं पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा बागपत आएंगे और विकास की सौगात देंगे

समाज जागरण

बागपत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय सहयोगी केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से दिल्ली में उनके मंत्रालय पर मुलाकात की गई। इस दौरान उन्हें बागपत आने और अपने मंत्रालय की योजनाओं से बागपत और

बागपत की युवा पीढ़ी को लाभ दिलाने के लिए निवेदन किया गया। माननीय मंत्री चिराग पासवान जी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बागपत आएंगे और बागपत की जनता के लिए विकास की सौगात भी देंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर सत्यपाल सिंह के निवर्तमान प्रतिनिधि और जिला संयोजक भाजपा शिक्षक एमएलसी चुनाव बागपत प्रमेन्द्र तोमर साथ में डॉ अजय तोमर, प्रमुख अश्विनी तोमर गुड्डू, कृष्णवीर प्रधान और नितिन प्रधान उपस्थित रहे।

खट्टा प्रहलादपुर में अहिंसा सेवा ट्रस्ट ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

नीट में शानदार रैंक लाने पर विवेक दाहिमा को मिला सर्व समाज गौरव सम्मान

समाज जागरण

चांदीनगर। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अहिंसा सेवा ट्रस्ट द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नीट की परीक्षा शानदार रैंक के साथ उत्तीर्ण करने वाले विवेक दाहिमा को सर्व समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विवेक को अंगवस्त्र व मोतियों की माला पहनाकर स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेडा के प्राचार्य डॉ राजीव गुप्ता पुट्ठी ने कहा कि होनहार बच्चे अपने माता पिता के साथ-साथ अपने शिक्षकों और ग्रामवासियों को भी गौरवान्वित करते हैं। उनकी मेहनत से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन होता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी राकेश जैन ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। क्षेत्र के युवाओं को विवेक जैसे होनहार बेटे से प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजयवीर प्रधान ने की और संचालन रामपाल ने किया।

इस अवसर पर कैप्टन जयद्रथ, मास्टर सुधीर, राजेश, लोकेश, धर्मेन्द्र, रामपाल बाबू, कुंवरपाल सेठ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएचसी में घुसकर हमला, अधीक्षक घायल; सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर फाड़ा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के भटौलिया गांव में खेत की मेड़ बांधने के लिए मिट्टी उठाने को लेकर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मधुपुर लाया गया। लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। इलाज के दौरान अस्पताल परिसर में ही दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश भी घायल हो गए। इस दौरान अस्पताल का सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायलों के अस्पताल पहुंचने के बाद सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसके कुछ देर बाद एक पक्ष के कई लोग अस्पताल पहुंच गए और इलाज करा रहे दूसरे पक्ष के घायल राजेश पर हमला बोल दिया। घटना देख प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश और अन्य स्वास्थ्य कर्मी बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस दौरान डॉ. अखिलेश को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने अस्पताल के सरकारी रिकॉर्ड रजिस्टर भी फाड़ दिए, जिससे सरकारी अभिलेखों को नुकसान पहुंचा। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल के एक कर्मचारी ने मुख्य गेट बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, कुछ लोगों को हिरासत में लिया तथा शेष घायलों को जिला अस्पताल भेजा। घटना के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवा भी काफी देर तक बाधित रही। बाद में पुलिस द्वारा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा शुरू हुईं।
थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने फाड़े गए रजिस्टर का निरीक्षण किया और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
मारपीट में पहले पक्ष के राजेश (34) पुत्र कन्हैया तथा कन्हैया (65), जबकि दूसरे पक्ष के कृष्णवती, विकास (26), सुनीता देवी (45) और आकाश (17) घायल हुए हैं।

जुगैल पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर गुजरात ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)
अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0- 86/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।
दिनांक 08.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।
दिनांक 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा पुत्र कल्लू हलवाई, निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ सूरत (गुजरात) ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0- 86/2026 में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.07.2026 को समय लगभग 11:00 बजे भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति ओबरा इकाई का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति की नगर इकाई ओबरा की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को ओबरा स्थित चिल्ड्रन पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विकास कुमार 'हलचल' ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, पत्रकारों के हितों की सुरक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नगर इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में शिशिर शर्मा को उपाध्यक्ष, इमरान खान को सचिव, राजू जायसवाल को मीडिया प्रभारी, कन्हैया लाल केसरी को कोषाध्यक्ष तथा अनिल जायसवाल को संगठन सचिव संयुक्त सचिव मुस्ताक अहमद, की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं राजू चौधरी, अभिषेक अग्रहरी, महेश अग्रहरी, छवि सनी, रिजवान अहमद, किरण गौड़ एवं किरण साहनी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के अन्य पदों पर भी जिम्मेदारियों की घोषणा की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को

और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की संगोष्ठी सम्पन्न

निष्पक्ष एवं त्वरित न्याय व्यवस्था ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र द्वारा डी बी ए सभागार में अपराह्न 1:00 बजे एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने किया! जबकि कुशल संचालन चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट ने किया।

पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने संगोष्ठी में कहा कि न्याय केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा, मानवाधिकारों का संरक्षण, विधि के शासन की स्थापना तथा समाज में न्याय के प्रति विश्वास बनाए रखना भी इसका मूल उद्देश्य है।

वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय में न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुलभ एवं तकनीक-सक्षम बनाने की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के समय पर न्याय मिल सके। वरिष्ठ अधिवक्ता रियाजुद्दीन खान ने कहा कि न्यायपालिका, अधिवक्ताओं एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से ही न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील व्यवस्था का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि वे संविधान के मूल्यों, विधि के शासन तथा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के लिए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे।

अंत में अध्यक्ष ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस हमें न्याय, समानता एवं मानव गरिमा के मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन अधिवक्ताओं के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सुरेश सिंह कुशवाहा, दसरथ पाण्डेय , राजेंद्र कुमार यादव, टीटू प्रसाद गुप्ता, मोहम्मद याकूब, अनूप कुमार शुक्ला, संतोष कुमार यादव, कर्मबीर सिंह, आदर्श देव पांडेय आदि लोग न्याय दिवस पर उपस्थित रहे !

पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत पुलिस कर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से दौड़ एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई तथा उन्हें सदैव फिट, अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ रहकर जनसेवा एवं कानून-व्यवस्था के दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया।

तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा यू0पी0-112 एवं जनपद के विभिन्न थानों से आए वाहनों का गहन निरीक्षण करते हुए वाहनों की तकनीकी स्थिति, दंगा नियंत्रण उपकरण, वायरलेस सेट, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। इस दौरान वाहन चालकों एवं संबंधित पुलिस कर्मियों को वाहनों के नियमित रख-रखाव, उपकरणों की सतत कार्यशीलता सुनिश्चित करने तथा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित एवं प्रभावी पुलिस प्रतिक्रिया देने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, स्टोर, मेस, गैस गोदाम, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, सुरक्षा मानकों के अनुपालन एवं समस्त व्यवस्थाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मेस में तैयार भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता का परीक्षण किया गया।

कोन थाने का सिपाही बना दरोगा, थाने सहित परिजनों में खुशी का माहौल

प्रभारी निरीक्षक ने लगाए स्टार, दी शुभकामनाएं

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

कोन/ सोनभद्र। कोन में शुक्रवार का दिन खुशी और गौरव का दिन रहा। उत्तर प्रदेश दरोगा भर्ती परीक्षा में कोन थाने के दो पुलिसकर्मियों ने शानदार सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में अन्य पुलिस जवानों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली है। बतादें कि कोन थाना में पिछले करीब दो वर्षों से आरक्षी के पद पर तैनात राम भवन कुशवाहा ने उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) परीक्षा उत्तीर्ण कर दरोगा पद पर अंतिम रूप से चयन प्राप्त किया, वहीं हेड कांस्टेबल त्रिभुवन चंद्र को पदोन्नति के बाद उपनिरीक्षक बनाया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा

ने दोनों पुलिसकर्मियों के कंधों पर उपनिरीक्षक के स्टार लगाकर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। जनपद देवरिया निवासी राम भवन कुशवाहा अपनी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासित कार्यशैली और सौम्य व्यवहार के लिए थाना कोन में पहचान रखते हैं। नियमित पुलिस ड्यूटी के साथ उन्होंने लगातार अध्ययन जारी रखा और कठिन परिश्रम के बल पर उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) परीक्षा में सफलता हासिल कर अपना सपना साकार किया। उनकी उपलब्धि से थाना परिसर में उत्साह का माहौल रहा और साथी पुलिसकर्मियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इसी क्रम में हेड कांस्टेबल त्रिभुवन चंद्र को विभागीय पदोन्नति के बाद उपनिरीक्षक का पदभार मिलने पर सम्मानपूर्वक स्टार पहनाए गए। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोन अखिलेश मिश्रा ने कहा कि पदोन्नति और प्रतियोगी परीक्षा में सफलता दोनों ही पुलिसकर्मियों के समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यशैली का सम्मान हैं। आगे उन्होंने कहा कि दोनों ही उप निरीक्षक अपने नए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ करते हुए आमजन को बेहतर पुलिस सेवा प्रदान करेंगे। उन्होंने मीडिया वंधुओं से अपील किया कि खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करें ताकि युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिल सके। बतादें कि राम भवन कुशवाहा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं साथियों को देते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य के प्रति समर्पण और आत्म विश्वास बनाए रखना ही सफलता की कुंजी है। वहीं उपनिरीक्षक त्रिभुवन चंद्र ने भी वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से करेंगे।

समारोह के दौरान थाना कोन के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों उपनिरीक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह अवसर थाना कोन के जवानों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ।

आदिवासी समुदायों के लोग जल, जंगल, जमीन के सदियों से रक्षक- संदीप मिश्रा

पेड़ हैं तो प्राण हैं बना जनान्दोलन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। कोन ब्लाक के बरहमोरी में "पेड़ हैं तो प्राण है" अभियान के तहत शुक्रवार को अभियान के जिला संयोजक रामसुरत सिंह खरवार के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामवासियों को आम का पौधा वितरित किया गया। सबने पेड़ लगाने व उनकी परवरिश अपने परिवारिजनो की तरह करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने शुरू किया। संदीप मिश्रा ने कहा कि हमारे परिवारजन,आदिवासी भाई-बहन सब मिलकर पेड़ लगाएंगे और कोई केन्द्र सरकार की सहयोगी स्वार्थी कम्पनियां उन पेड़ो को काट देगी। ये किसी भी किमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यह हमारे आदिवासी समुदायों के लोग जल, जंगल, जमीन

के सदियों से रक्षक रहे है। इनका एक भी घर उजाड़ने नहीं दिया जायेगा ।गौरतलब है कि विगत कई महीनों से जिले में अडानी ग्रुप, जिंदल ग्रुप आदि कंपनियों का जंगल काटे जाने और आदिवासियों के अधिकार हनन के खिलाफ आंदोलन चल रहे हैं।वही तरिया क्षेत्र के अभिवावक कन्हैया चेरो ने कहा कि जल जंगल जमीन हमारी पहचान हैं हम इनको किसी को काटने नहीं देंगे।अमिला धाम मन्दिर परिसर के अध्यक्ष नवलेश गोण ने कहा कि पेड़ पानी और पहाड़ को हमारे पुरखो ने संजोकर रखा है हम इसे किसी किमत पर बर्बाद नहीं होने देंगे। कार्यक्रम में विनय खरवार, योगेन्द्र यादव, बासमती खरवार, दिनेश चेरो, सुदामा बैगा, रामदुलारे पनिका, दशरथ खरवार, गीता पासवान, राजू पासवान समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

नीति आयोग-जाइका की संयुक्त टीम ने सोनभद्र का किया दौरा

आकांक्षी ब्लॉक चतरा में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास योजनाओं का लिया जायजा

अइलकर विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और सलखन फॉसिल्स पार्क का किया निरीक्षण

सतत विकास लक्ष्यों को गति देने के लिए तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पर हुई चर्चा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जनपद एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग एवं जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी

(जाइका) के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने जनपद सोनभद्र एवं आकांक्षी ब्लॉक चतरा का भ्रमण कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास तथा सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी के साथ बैठक कर विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की। इसके उपरांत चतरा ब्लॉक में आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे नवाचारों एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान टीम ने चतरा विकास खंड के अइलकर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया तथा छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संवाद किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय ने निपुण भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को बेहतर बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण कर बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों, स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके पश्चात संयुक्त टीम ने विश्व प्रसिद्ध सलखन फॉसिल्स पार्क का भ्रमण किया। पर्यटन अधिकारी राजेश भारती ने पार्क के ऐतिहासिक एवं भूवैज्ञानिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। साथ ही पर्यटन विकास को स्थानीय रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर जाइका की ओर से सुश्री युमिको ओनिशी, सुश्री अयुमी मियागावा, सुश्री हितोमी हमदा, बिनाय पटनायक एवं मोहित सूद, जबकि नीति आयोग की ओर से गौरव कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक विकास अधिकारी रूपेश कुमार मंडल, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी संत पाल वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, उप जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी डॉ. के.एन. उपाध्याय, डॉ. जय सिंह एवं डॉ. सूर्य प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आरपीएफ द्वारा आगरा कैंट स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के साथ की गई अमानवीय घटना की कड़ी निंदा

समाज जागरण/ अकबर अली

रेणुकूट/ सोनभद्र। ईस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाई यूनियन के संयुक्त महासचिव प्रवीण कुमार एवं ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन के मंडल उपाध्यक्ष विशाल कपूर के नेतृत्व में संयुक्त बैनर तले कैंडल मार्च का आयोजन किया गया ।

आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन मास्टर के साथ आरपीएफ कर्मियों द्वारा कथित रूप से किए गए अमानविय व्यवहार, मारपीट एवं घसीट कर ले जाने की घटना को लेकर रेणुकूट के सभी रेल कर्मचारी भारी निंदा करते है । कैंडल मार्च के दौरान उपस्थित स्टेशन प्रबंधक कमलेश कुमार एवं टी आई सुनील कुमार के द्वारा निष्पक्ष जांच एवं दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा ना घटे उन्होंने अपने संवाद में सभी रेल कर्मचारियों के बीच में संबोधित किया ।इस घटना से भारतीय रेलवे के कर्मचारियों के स्वाभिमान सम्मान एवं कार्यस्थल की गरिमा पर सीधा हमला है। रेलवे जैसे अनुशासित संगठन में अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे किसी कर्मचारी के साथ सार्वजनिक स्थान पर ऐसा व्यवहार किया जाता है तो वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है । रेल प्रशासन से मांग करता हूं कि आगरा कैंट की घटना को उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कर दोषी आरपीएफ कर्मियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जाए । साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में किसी भी रेल कर्मचारी के साथ ऐसी घटना दोबारा ना हो ।कार्यक्रम समाप्ति संबोधन के दौरान ब्रांच सेक्रेटरी अरुण कुमार के द्वारा साफ शब्दों में मीडिया एवं राजनीतिक दल को कड़ी निंदा किया कि इस घटना को जातिगत समुदाय में बांटने की राजनीतिक कोशिश ना किया जाए।

अनपरा पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया, चोरी के सोने-चांदी के आभूषण बरामद

समाज जागरण/ अकबर अली

अनपरा/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा प्रणय प्रसुन श्रीवास्तव के नेतृत्व में थाना अनपरा पुलिस टीम द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया गया तथा उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के

आभूषण बरामद किए गए।

दिनांक 16.07.2026 को थाना अनपरा पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील एवं लंबित विवेचनाओं के निस्तारण के दौरान अनपरा मोड़ पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 158/2026, धारा 305(a), 331(4) बीएनएस से संबंधित चोरी करने वाले दो बाल अपचारी ग्राम लोझरा चढ़ाई के आगे पानी की टंकी के पास चोरी के सामान के साथ उसे बेचने की फिराक में मौजूद हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दोनों बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने दिनांक 14.07.2026 को ह.कए. कॉलोनी स्थित एक मकान में चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही एवं तलाशी के दौरान चोरी किए गए आभूषण बरामद हुए। मौके पर पहुंचे वादी मुकदमा द्वारा बरामद आभूषणों की पहचान अपने घर से चोरी हुए सामान के रूप में की गई। इस संबंध में पंजीकृत अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी, बरामदगी एवं अन्य समस्त कार्यवाही माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए संपन्न की गई तथा ई-साक्ष्य एप के माध्यम से आवश्यक वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कराई गई।

सोनभद्र में संचारी एवं दस्तक अभियान ने पकड़ी रफ्तार, गांव-गांव चल रहा व्यापक जनजागरूकता अभियान

सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव और रोगियों की पहचान का कार्य तेज, स्वास्थ्य एवं पंचायत विभाग की संयुक्त टीम सक्रिय

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के उद्देश्य से संचारी अभियान तथा दस्तक अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। जनपद में 01 जुलाई से संचारी अभियान एवं 11 जुलाई से दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, पंचायतीराज एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर जनजागरूकता, साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव तथा रोगियों की पहचान का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम, पंचायत सहायकों एवं प्रधानों के सहयोग से लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 1,978 विद्यालयों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता किया गया, 348

ग्राम स्तरीय प्रभात फेरियां, 382 ग्राम सभाएं, 1,517 स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, 1,441 हैंडपंपों की मरम्मत, 598 चबूतरों की मरम्मत, 415 शौचालयों की मरम्मत, 823 ग्रामीण एवं 829 शहरी नालियों की सफाई, 75 नगरीय वार्डों में फॉगिंग, 137 संवेदनशील स्थलों का चिन्हांकन तथा 339 स्थानों पर कृंतक नियंत्रण हेतु गोलियों का वितरण किया जा चुका है। दस्तक अभियान के अंतर्गत 1,759 चिन्हित बुखार रोगियों, 1,673 आईआरएस/ आरडीटी जांच, 198 आईएलआई (खांसी, जुकाम) के लक्षण वाले रोगियों, 124 डायरिया रोगियों तथा 51 जापानी इंसेफेलाइटिस के लक्षण वाले रोगियों की पहचान कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कृषि विकास योजनाओं की समीक्षा, जिलाधिकारी ने पारदर्शिता, प्राकृतिक खेती, एफपीओ सशक्तीकरण एवं किसानों की आय बढ़ाने पर दिया जोर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मिशन फार आत्मनिर्भरता पल्सेस एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन, न्यूट्रीसीरियल्स (मिलेट्स), कोर्स सीरियल्स, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती), कृषि यंत्रीकरण तथा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम सहित कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की

समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। बैठक में उप कृषि निदेशक श्री राज कुमार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति तथा वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। उपस्थित सदस्यों ने योजनाओं पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राज्य के भीतर एवं बाहर आयोजित प्रशिक्षण, समूह क्षमता विकास, प्रदर्शन एवं अन्य कृषि कार्यक्रमों का संचालन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने प्राकृतिक खेती, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम एवं दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि अरहर एवं अन्य फसल प्रदर्शनों में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स के उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं न्यूनतम प्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। किसानों को गोष्ठियों, मेलों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कृषि उत्पादन संगठनों (एफपीओ) को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को एफपीओ से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। साथ ही एफपीओ के प्रतिनिधियों को नियमित प्रशिक्षण एवं विभागीय कार्यक्रमों में प्राथमिकता से शामिल किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी,

मुख्य पशु चिकि त्साधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक निदेशक रेशम, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी.डी. मिश्रा, प्रगतिशील कृषक, एफपीओ प्रतिनिधि तथा बनवासी सेवाश्रम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार घायल, चालक फरार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के थाना रोड के सामने शुक्रवार को तेज रफ्तार बस ने एक बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना से आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा बस अनुबंधित थी जो रॉबर्ट्सगंज से दुद्धी के लिए चलती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया। सूचना मिलते ही चोपन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बस व क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया। पुलिस फरार चालक की तलाश के साथ दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र से गुजरने वाली बसें और भारी वाहन तेज रफ्तार से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

उनका आरोप है कि कई हादसों के बावजूद तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने और तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें

जैसे ही चिलचिलाती गर्मी का मौसम आता है, हमारी त्वचा में बदलाव आने लगते हैं। है ना? दिन भर अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण, हमारी त्वचा को अधिक सुरक्षा की आवश्यकता महसूस होने लगती है - चाहे वो परेशान करने वाले चकत्ते हों, सनबर्न हों या जिद्दी टैन और मुंहासे। इसलिए गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए अपनी त्वचा की देखभाल के तरीकों को तुरंत बेहतर बनाना आवश्यक है। आइए देखें कैसे।

गर्मी का आपकी त्वचा पर क्या प्रभाव पड़ता है? :- जैसे-जैसे मौसम गर्म होता है और वातावरण में नमी बढ़ती है, आपकी त्वचा की वसामय ग्रंथियां अतिरिक्त सीबम (प्राकृतिक तेल) का उत्पादन करने लगती हैं। स्रावित तेल त्वचा की सतह पर चिपक जाता है, जिससे चिपचिपाहट, तैलीयपन और रोमछिद्रों में रुकावट जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। गर्मियों में होने वाली सबसे आम समस्या मुँहासे हैं। तैलीय त्वचा वाले लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि त्वचा में मौजूद बैक्टीरिया और तेल पसीने के साथ मिलकर रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं और मुँहासे पैदा करते हैं। जब आपकी त्वचा हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आती है, तो धूप से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मेलेनिन ड 2 . का उत्पादन बढ़ जाता है। मेलेनिन में प्रकाश-सुरक्षात्मक गुण होते हैं। अधिक मेलेनिन के कारण त्वचा का रंग गहरा और टैन हो जाता है। अन्य समस्याओं में खुजली, घमौरियां, सनबर्न और धूप के प्रति संवेदनशीलता के कारण होने वाले दाने शामिल हो सकते हैं।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें? :- चेहरे से अतिरिक्त तेल हटाने के लिए फेस वॉश, गर्मी के मौसम में तैलीय त्वचा और भी तैलीय हो सकती है। अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ऐसा फेस वॉश इस्तेमाल करें जो गहराई से सफाई करके सारी गंदगी और मैल हटा दे। रूखी त्वचा वालों को बिना झाग वाला क्लींजर चाहिए होगा। हल्के, अल्कोहल-मुक्त और ज्प संतुलित क्लींजर चुनें।

त्वचा की देखभाल की अच्छी दिनचर्या अपनाएं :- नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें और उसका पालन करें। क्रीम के बजाय जेल-आधारित (सूखी त्वचा के लिए) और पानी-आधारित (तैलीय त्वचा के लिए) उत्पादों का चुनाव करें, क्योंकि ये हल्के और चिपचिपाहट रहित होते हैं। दिन में दो बार क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने से आपकी त्वचा साफ और तरोताजा रहेगी।

अपनी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में एंटीऑक्सीडेंट शामिल करें :- एंटीऑक्सीडेंट सीरम आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने में अद्भुत काम करते हैं। इसके अलावा, ये आपकी त्वचा को पर्यावरणीय नुकसान से बचाते हैं, कोलेजन को बढ़ावा देते हैं और फ्री रेडिकल्स को खत्म करके त्वचा को क्षति से बचाते हैं। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट सीरम जरूर शामिल करें। आप चाहें तो खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, ग्रीन टी आदि का सेवन करके भी इसे अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। स्किनक्राफ्ट की सीनियर प्रोडक्ट डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव अभिषिक्ता हाटी कहती हैं, 'विटामिन सी सीरम गर्मियों में त्वचा की देखभाल के लिए एक अच्छा विकल्प है। यह गर्मियों में फायदेमंद होता है। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है और आपकी त्वचा को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाता है, साथ ही हानिकारक यूवी किरणों से होने वाले पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है।'

अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखें :- गर्मी के मौसम में हर समय हाइड्रेशन बहुत ज़रूरी है। रात को चेहरा धोने के बाद आप हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि सोते समय आपको अतिरिक्त नमी मिल सके। चेहरे पर बार-बार पानी के छींटे मारें या नियमित अंतराल पर त्वचा को तरोताज़ा करने के लिए फेशियल मिस्ट का इस्तेमाल करें।

स्वस्थ त्वचा के लिए एक्सफोलिएट करें :- त्वचा से अतिरिक्त गंदगी और तेल हटाने के लिए सप्ताह में कम से कम दो बार फेस स्क्रब का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार स्क्रब चुनें और उसे गोलाकार गति में हल्के हाथों से मसाज करें। होंठों और गर्दन को भी एक्सफोलिएट करना न भूलें।

सनस्क्रीन लगाए :- सूर्य की यूवी-ए और यूवी-बी किरणें बहुत हानिकारक हो सकती हैं। जिद्दी टैन देने के अलावा, ये समय से पहले बुढ़ापा, उम्र के धब्बे, महीन रेखाएं और झुर्रियां पैदा कर सकती हैं। गर्मियों के महीनों में सभी प्रकार की त्वचा के लिए एसपीएफ़ 30-50 वाला अच्छा सनस्क्रीन बहुत ज़रूरी है , भले ही आप ज़्यादातर समय घर के अंदर ही रहें। अगर आप तैराकी करते हैं, तो हम आपको कई बार सनस्क्रीन लगाने की सलाह देते हैं।

भारी मेकअप से बचें :- भारी मेकअप त्वचा को सांस लेने से रोकता है। नमी और गर्मी भी त्वचा की सांस लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। भारी फाउंडेशन और अन्य कॉस्मेटिक्स के बजाय, अगर आपको मेकअप करना ही है तो आप टिंटेड लिप बाम और टिंटेड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक अच्छा टोनर इस्तेमाल करें :- एक अच्छा टोनर खुले रोमछिद्रों को बंद करने में कारगर हो सकता है। चेहरे के टी-ज़ोन में सबसे अधिक सेबोशियस ग्रंथियां पाई जाती हैं। पसीने और तेल से इन रोमछिद्रों को बंद होने से बचाने के लिए एलोवेरा या खीरे से बने टोनर का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये हल्के होते हैं।

त्वचा को अच्छी तरह मॉइस्चराइज़ करें :- गर्मी के मौसम में त्वचा की सुरक्षा के लिए मॉइस्चराइजर बेहद ज़रूरी है। आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार नॉन-ग्रीसी फ़ॉर्मूला चुन सकते हैं। लेकिन ऐसे मॉइस्चराइजर की तलाश करें जिसमें विटामिन ए और सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद हों। अगर इसमें एसपीएफ़ हो तो और भी अच्छा। नहाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाना सबसे अच्छा होता है।

अपनी आँखों, होंठों और पैरों को न भूलें :- सूरज की हानिकारक किरणों से आंखों को बचाने के लिए हमेशा धूप का चश्मा पहनें। आंखों के नीचे मॉइस्चराइजिंग जेल लगाएं और लिपस्टिक लगाने से पहले एसपीएफ युक्त लिप बाम लगाएं। पैरों को स्क्रब करके एक्सफोलिएट करें। पैरों पर भी सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर लगाएं, खासकर अगर आप खुली उंगलियों वाली सैंडल पहन रही हैं।

अधिक पानी और फलों का रस पिए :- गर्मी के मौसम में आपको प्रतिदिन कम से कम 2-3 लीटर पानी पीना चाहिए। नारियल पानी, तरबूज और ताजे जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखने के अच्छे तरीके हैं। पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है। अपने आहार में दही और छाछ को भी शामिल करें।

मौसमी फल और सब्जियां चुनें :- अपने भोजन में सलाद और खीरा व लेट्यूस जैसी सब्जियां शामिल करें - ये शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती हैं। तरबूज, खरबूजा जैसे मौसमी फल; खट्टे फल और उनके रस भी त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं।

मीठे पेय पदार्थों से दूर रहें :- मीठे पेय पदार्थों में अधिक चीनी होने के कारण सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा, इनमें पानी की कमी होती है, इसलिए ये शरीर को कोई लाभ नहीं पहुंचाते। बल्कि, ये आपको अस्वस्थ बनाते हैं और वजन बढ़ाने में सहायक होते हैं। इसलिए कोला की जगह नींबू पानी पीना बेहतर है।

हवादार कपड़े पहनें :- गर्मी के मौसम में सूती कपड़ा सबसे अच्छा रहता है। हल्के और ढीले कपड़े पहनें। सिंथेटिक कपड़ों से बने तंग कपड़े पहनने से बचें। ये आपको असहज महसूस करा सकते हैं और ज़्यादा पसीना ला सकते हैं, जिससे त्वचा में खुजली हो सकती है और संक्रमण भी हो सकता है।

दिन में दो बार स्नान करें :- गर्मी के मौसम में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ठंडे पानी से नहाने से दिन भर में शरीर पर जमा हुई गंदगी, मैल और पसीना साफ हो जाता है और त्वचा पर चकत्ते नहीं पड़ते। सुबह और रात को नहाने के बाद त्वचा को साफ करने, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने की नियमित प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

गर्मी के मौसम में त्वचा को चमकदार बनाने के घरेलू उपाय

कॉफी और नींबू :- नींबू में विटामिन सी होता है, जो त्वचा को निखारने वाला एक प्रभावी तत्व है। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में विटामिन सी को शामिल करने पर विचार करें। वहीं, कॉफी एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर है। एक कटोरी में एक बड़ा चम्मच कॉफी और एक बड़ा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। ध्यान रखें कि इसमें कोई गांठ न रहे। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें।

एलोवेरा :- अपने एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गुणों के लिए प्रसिद्ध, एलोवेरा आपकी त्वचा पर सुखदायक प्रभाव डालता है, जो गर्मियों के दौरान बहुत अच्छा होता है। यह आपकी त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। एलोवेरा का गूदा सीधे अपनी त्वचा पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक हल्के हाथों से मालिश करें। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और बाद में धो लें।

हल्दी का मुखौटा :- हल्दी में जीवाणुरोधी, सूजनरोधी और एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो त्वचा की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को निखारने और प्राकृतिक चमक प्रदान करने में भी सहायक है। एक कटोरी में एक चम्मच हल्दी डालें और उसमें तीन चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिला लें। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

शहद - दही :- शहद आपकी त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखता है जबकि दही इसे चमकदार बनाता है। एक कटोरी में एक कप दही लें और उसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। अच्छी तरह से मिला लें और इसे अपनी त्वचा पर लगाएं। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

पपीता :- पपीता एक हल्के एक्सफोलिएटर होने के अलावा, आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाने में मदद करता है और आपको चमकदार और मुलायम त्वचा प्रदान करता है । एक ताजा मैश किया हुआ पपीता लें, उसमें थोड़ी मात्रा में चंदन और मुल्तानी मिट्टी मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में ठंडे पानी से धो लें।

चंदन - बादाम का तेल :- बादाम का तेल त्वचा को फिर से जीवंत और चमकदार बनाने का एक कारगर उपाय है। चंदन त्वचा की रंगत निखारता है। चंदन का पेस्ट बना लें और उसमें बादाम का तेल मिला लें। अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

टमाटर :- टमाटर में मौजूद विटामिन त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। साथ ही, यह त्वचा की प्राकृतिक चमक को वापस लाने में भी सहायक होते हैं, जिससे त्वचा दमकती है। आधे टमाटर को मसल लें और ध्यान रखें कि उसमें कोई गांठ न रहे। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

क्या मौसम के साथ आपकी त्वचा में बदलाव आता है? :- जी हां, त्वचा मौसम के साथ बदलती है ड 5 .। सर्दियों में शुष्क मौसम होता है जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेता है और त्वचा को पपड़ीदार और खुजलीदार बना देता है। गर्मियों में नमी के कारण पसीने से जीवाणु संक्रमण, रोमछिद्रों का बंद होना और मुहांसे हो सकते हैं। गर्मियों में एयर कंडीशनिंग और सर्दियों में हीटर दोनों ही त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए हर मौसम के साथ त्वचा की देखभाल के अपने नियम होते हैं।

गर्मी के मौसम में आपकी त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। कुछ आसान उपायों जैसे कि त्वचा को साफ करना, मॉइस्चराइज़ करना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना, से आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं। हमें बताएं कि क्या हमारे सुझाव आपके लिए कारगर साबित हुए। एयर कंडीशनर वाले वातावरण से बाहर निकलकर सीधे धूप में आना, एयर कंडीशनर वाले वातावरण में अधिक देर रहना, ठंडक पाने के लिए स्विमिंग करना और नमी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। अच्छी बात यह है कि त्वचा की अच्छी देखभाल करके आप उसकी प्राकृतिक चमक और संतुलन को वापस पा सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें, पौष्टिक आहार लें और चमकदार त्वचा पाने के लिए सरल लेकिन असरदार प्राकृतिक उपायों को अपनाएं।

बिना AC घर को ठंडा रखने के आसान और सस्ते तरीके, कूलर और AC भी फेल हैं इस पुरानी तकनीक के आगे

आजकल की गर्मी में ऐसा लगता है जैसे घर की दीवारें आग उगल रही हों। लेकिन हर कोई AC का भारी भरकम बिजली बिल अफोर्ड नहीं कर सकता। अच्छी खबर यह है कि विज्ञान और हमारी पुरानी परंपराओं में ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे हम अपने घर का तापमान 5°C से 8°C तक कम कर सकते हैं।

1. खिड़कियों का 'Time Management' :- सबसे बड़ी गलती जो हम करते हैं, वो है दोपहर में खिड़कियां खुली रखना।

सूरज ढलने के बादः शाम 7 बजे के बाद खिड़कियां खोलें ताकि ठंडी हवा अंदर आए।

सूरज उगने से पहलेः सुबह 9 बजते ही खिड़कियां और पर्दे बंद कर दें। इससे बाहर की गर्म 'लू' अंदर नहीं आएगी।

2. गीली चादर का 'देसी AC' :- यह सबसे पुराना और असरदार तरीका है। अपनी खिड़की पर एक मोटी सूती चादर या पर्दा लटकाएं और उसे पानी से गीला कर दें। जब बाहर की हवा इस गीली चादर से होकर अंदर आएगी, तो वह वाष्पीकरण के कारण ठंडी हो जाएगी। यह बिल्कुल एक नेचुरल एयर कूलर की तरह काम करता है।

ALSO READ: 'सुपर एल नीनो' की वापसी, क्या 2026 में भारत झेलेगा 140 साल का सबसे बड़ा सूखा, महंगाई और जानलेवा गर्मी?

3. छत पर 'सफेद चूना' (Lime Wash) :- अगर आप टॉप फ्लोर पर रहते हैं, तो छत की गर्मी जान निकाल लेती है। इसका सबसे सस्ता इलाज है सफेद चूना। बाजार से चूना (थ्रस) लाएं और उसमें थोड़ा फेविकोल मिलाकर छत पर पेंट कर दें। सफेद रंग सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट (Reflect) कर देता है, जिससे छत तपती नहीं है और नीचे वाला कमरा ठंडा रहता है।

4. क्रॉस वेंटिलेशन (Cross Ventilation) :- हवा को आने और जाने का रास्ता दें। अगर आप एक खिड़की खोलते हैं, तो उसके सामने वाला दरवाजा या दूसरी खिड़की भी खोलें। इससे हवा कमरे में फंसी नहीं रहेगी और गर्मी बाहर निकलती रहेगी।

5. बाल्टी और पंखा (Ice-Fan Hack) :- अगर आपके पास टेबल फैन है, तो उसके ठीक सामने एक चौड़े मुंह के बर्तन या बाल्टी में ठंडा पानी या बर्फ रखें। पंखे की हवा जब पानी की सतह से टकराकर आएगी, तो वह काफी ठंडी महसूस होगी।

6. पौधों की 'ठंडी दीवार' :- खिड़की के पास घने पत्ते वाले पौधे जैसे Money Plant, Snake Plant या Areca Palm रखें। पौधे न सिर्फ छाया देते हैं, बल्कि वे वातावरण की नमी भी बढ़ाते हैं, जिससे कमरा नैचुरली ठंडा रहता है।

क्रॉस-ब्रीज तकनीकं :- रात के समय, पंखे को खिड़की की तरफ मुंह करके चलाएं ताकि वह घर के अंदर की गर्म हवा को बाहर फेंक सके। इसे 'Exhaust' की तरह इस्तेमाल करने से घर जल्दी ठंडा होता है।

ALSO READ: तपती गर्मी से राहत देगा आम का पन्ना, नोट करें विधि

7. कम से कम बिजली के उपकरणं :- बल्ब, ट्यूबलाइट, कंप्यूटर और टीवी भी गर्मी पैदा करते हैं। दिन के समय जरूरत न होने पर इन्हें बंद रखें। खासकर पुराने पीले बल्बों को हटाकर LED लगाएं, जो बिल्कुल गर्म नहीं होते।

प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले कर लें ये काम, नहीं पड़ेंगे बीमार और धूप और लू का नहीं होगा असर

इस बार की गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है. जून के महीने में तापमान हर रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है. ताप और उमस के साथ ही लू लगने का खतरा भी बढ़ गया है. तापमान में वृद्धि के साथ ही लू की समस्याएं आम हो जाती हैं, जो कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती हैं. ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इस प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए. अगर बढ़ते तापमान और चिलचिलाती धूप में इन बातों का ध्यान रखा जाए तो आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं...

गर्मियों में घर से निकलने से पहले करें ये काम

1. पर्याप्त पानी पिएं :- डॉक्टरों का कहना है कि गर्मियों में हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है. दिन के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं. इसके अलावा, नारियल पानी, नींबू पानी, और ओआरएस का सेवन भी लाभदायक होता है. यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है और लू से बचाव करता है.

2. हल्के और ढीले कपड़े पहनें :- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गर्मियों में हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें. ये कपड़े पसीने को सोखने में मदद करते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं. इससे लू लगने का खतरा कम होता है और शरीर का तापमान बढ़ने से भी ये बचाता है।

3. धूप में बाहर जाने से बचें :- गर्मी के दौरान सुबह से ही सूर्य अपना रंग दिखाना शुरू कर दे रहे हैं. ऐसे में 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें. इस समय तापमान सबसे ज्यादा होता है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

4. सिर और चेहरे को ढकें :- बाहर निकलते समय सिर पर टोपी, स्कार्फ या छाता का उपयोग करें. इससे सीधे धूप से बचाव होता है और लू लगने की संभावना कम होती है.

5. सनस्क्रीन का प्रयोग करें :- त्वचा को धूप से सुरक्षित रखने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग जरूर कर सकते हैं. यह सूर्य की हानिकारक किरणों से आपके त्वचा का बचाव करता है. स्किन की समस्याओं से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूरी है।

6. हल्का भोजन करें :- गर्मी में तली-भुनी और भारी चीजों से बचें. ताजे फल, सब्जियां, और सलाद का सेवन ज्यादा करें जो शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं और हाइड्रेटेड रखते हैं।

7. ठंडी जगह पर रहें :- जब भी संभव हो, एयर कंडीशनर या कूलर वाले कमरे में रहें. अगर एसी नहीं है, तो छत पर पानी डालें या कूलर का उपयोग करें.

8. नियमित ब्रेक लें :- यदि आपको बाहर काम करना पड़ता है तो बीच-बीच में छांव में जाकर ब्रेक लें और पानी पिएं. इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।

9. इमरजेंसी किट तैयार रखें :- अपने इमरजेंसी किट में पानी की बोतल, ग्लूकोज, और ओआरएस पाउडर रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सके।

लू के लक्षणों को पहचानें :- लू के सामान्य लक्षणों में कमजोरी, चक्कर आना, अत्यधिक पसीना आना, मितली, उल्टी और बेहोशी शामिल हैं. ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत ठंडी जगह पर जाएं और पानी पिएं. अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. गर्मी और लू से बचने के इन महत्वपूर्ण सुझावों को अपनाकर आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं. स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

मिशन मोड में चल रहा UDID अभियान, सदर अस्पताल में 97 दिव्यांगजनों का हुआ चिकित्सीय मूल्यांकन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

17 जुलाई। जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर जिले में लंबित यूडीआईडी (Unique Disability ID) आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए मिशन मोड में प्रखंडवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को सदर अस्पताल, किशनगंज में चिकित्सा मूल्यांकन एवं पंजीकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में कुल 102 दिव्यांग आवेदक उपस्थित हुए। विशेषज्ञ चिकित्सकों के मेडिकल बोर्ड द्वारा 97 आवेदकों का चिकित्सीय मूल्यांकन (फिजिकल असेसमेंट) किया गया। वहीं, पहले से दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्राप्त 5 लाभुकों को मौके पर ही यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें तत्काल सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

जिला प्रशासन ने शत-प्रतिशत लंबित आवेदनों के निष्पादन के लिए आगामी दिनों में अन्य प्रखंडों में भी विशेष शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 जुलाई को सीएचसी ठाकुरगंज में 204, 20 एवं 21 जुलाई को सीएचसी दिघलबैंक में 332 तथा 22 एवं 23 जुलाई को सीएचसी कोचाधामन में 357 लंबित आवेदनों का निष्पादन किया जाएगा। सभी संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों (एमओआईसी) को शिविरों में हाई-स्पीड इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटर एवं स्कैनर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि पंजीकरण एवं डाटा एंट्री का कार्य निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। साथ ही, शिविर स्थल पर "यूडीआईडी विशेष शिविर" एवं "मेडिकल बोर्ड" के स्पष्ट सूचना-पट्ट लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ), जीविका (डीपीएम) तथा विकास मित्रों को व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लंबित आवेदकों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों तथा महादलित एवं अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों के दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को समयबद्ध तरीके से यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए अभियान पूरी गंभीरता के साथ जारी रहेगा।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, पोठिया के 37 क्षेत्र पदाधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

17 जुलाई। भारत की जनगणना-2027 के सफल आयोजन की तैयारियों के तहत जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (District Census Handbook) के लिए आंकड़ों के संग्रहण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को पोठिया प्रखंड में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता-सह-वरीय पदाधिकारी, जिला जनगणना कोषांग, किशनगंज ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण में पोठिया प्रखंड के 37 नामित क्षेत्र पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि जनगणना-2027 देश की सबसे महत्वपूर्ण एवं व्यापक सांख्यिकीय प्रक्रियाओं में से एक है। इसकी सफलता सटीक, प्रामाणिक एवं गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों के संकलन पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी क्षेत्र पदाधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर त्रुटिरहित एवं विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के आंकड़ों के संग्रहण, सत्यापन, अभिलेखीकरण तथा प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही संबंधित प्रपत्रों को सही ढंग से भरने, विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करने तथा आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मास्टर प्रशिक्षक ने बताया कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के दो प्रमुख भाग–ग्राम निर्देशिका/नगर निर्देशिका तथा प्राथमिक जनगणना सार–हैं। ग्राम एवं नगर निर्देशिका के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, पेयजल एवं स्वच्छता, बैंकिंग, संचार, विद्युत, भूमि उपयोग, सिंचाई, प्रमुख कृषि उत्पाद, विनिर्माण एवं हस्तशिल्प, नागरिक सुविधाओं तथा मलिन बस्तियों से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण 31 दिसंबर 2025 को संदर्भ तिथि मानकर किया जाएगा।

अपर समाहर्ता ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से निर्धारित दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया, ताकि भारत की जनगणना-2027 के सफल आयोजन में जिला किशनगंज की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जनगणना कार्य निदेशालय के मास्टर ट्रेनर, पोठिया प्रखंड के नामित क्षेत्र पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

नवीनगर: घर से निकली 18 वर्षीय युवती लापता, परिजनों ने थाने में दी लिखित सूचना

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर थाना क्षेत्र से एक 18 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने नवीनगर थाने में लिखित आवेदन देकर बेटी को खोजने की गुहार लगाई है।निवेदनकर्ता वंदना अग्रवाल, पति-रंजन अग्रवाल, ग्राम व थाना-नवीनगर, जिला- औरंगाबाद ने बताया कि उनकी पुत्री रंगोली जिंदल, उम्र 18 वर्ष दिनांक 16/07/2026 को पलामू एक्सप्रेस से पटना होते हुए नवीनगर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। रात करीब 3:15 बजे वह घर पहुंची। घर पहुंचने के बाद उसने कहा कि उसके मार्क्स कम आए हैं। इसके बाद दिनांक 17/07/2026 को सुबह करीब 4:00 बजे वह घर से निकल गई। लापता होने के समय उसने जींस और हरा टी-शर्ट पहन रखा था।वंदना अग्रवाल ने बताया कि नवीनगर के निवासी पप्पू कुमार अपने चाचा के साथ काशी स्टेशन गए थे। वहां सुबह करीब 8:00 बजे उन्हें रंगोली मिली। इसकी सूचना पप्पू ने फोन पर परिजनों को दी। परिजन तुरंत काशी स्टेशन पहुंचे, लेकिन तब तक वह वहां से जा चुकी थी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका।इसके बाद परिजनों ने दिनांक 17/07/2026 को नवीनगर थाना में लिखित आवेदन दिया है।नवीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की खोज शुरू कर दी है। आसपास के स्टेशनों और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पटना में इंस्टाग्राम की दोस्ती बनी मुसीबत शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप, दानापुर पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम के जरिए हुई दोस्ती का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक शादीशुदा महिला ने भोजपुर जिले के रहने वाले युवक आकाश कुमार पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष पीके भारद्वाज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दानापुर स्थित एक होटल में संदिग्ध गतिविधियाँ चल रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने होटल में छापेमारी की, जहाँ से एक कमरे में महिला और आरोपी आकाश को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान पीड़िता ने लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती का फायदा उठाकर आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया और दानापुर के एक होटल में ले जाकर उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता का दावा है कि अब आरोपी शादी करने से साफ इनकार कर रहा है। वहीं, दूसरी ओर गिरफ्तार आरोपी आकाश ने पुलिस के सामने अपनी सफाई में अलग ही कहानी बताई है। आरोपी का दावा है कि महिला से उसकी दोस्ती मात्र 20 दिन पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी। उसने आरोप लगाया कि महिला ने खुद उसे बताया था कि उसके घर में कलह चल रही है, जिसके बाद वे दोनों दानापुर के एक होटल में रुके थे। आकाश ने खुद पर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि महिला ने उसे बहला-फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाए और अब झूठे मामले में फंसा रही है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और घटना के दौरान होटल में मिले साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जाएगी। फिलहाल, यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पढ़ाई करने पटना आया युवक ने 'शॉर्टकट' अपनाकर बना शराब तस्कर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में पढ़ाई करने के सपने लेकर आया एक छात्र जल्द अमीर बनने की चाहत में अपराध की दुनिया का रास्ता अपना बैठा। कोतवाली पुलिस ने भारी मात्रा में शराब के साथ कटिहार निवासी सुधांशु झा को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से कटिहार के नगर थाना क्षेत्र स्थित अफसर कॉलोनी का रहने वाला है और पटना के बोरिंग रोड स्थित एक हॉस्टल में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर के समीप टीओपी के पास गश्त के दौरान पुलिस को एक युवक की गतिविधियाँ संदिग्ध लगीं। पुलिस को देख वह तेजी से निकलने की कोशिश करने लगा, जिसके बाद उसे रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस भी दंग रह गई; आरोपी ने अपने शरीर पर प्लास्टिक टेप की मदद से शराब की बोतलें बांध रखी थीं। इसके अलावा, उसके पास मौजूद मिठाई के डिब्बे में भी शराब की बोतलें छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने उसके पास से कुल 41.40 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पूछताछ में छात्र ने चौंकाने वाले खुलासे किए।

अभियान चलाकर पंचायत को स्वच्छ, स्वस्थ और हराभरा बनाने का संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

कोचाधामन प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज डेरामारी में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य पंचायत को स्वच्छ, स्वस्थ एवं हराभरा बनाए रखना तथा ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

पंचायत के मुखिया शाहबाज आलम ने बताया कि पंचायत में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों, सफाई कर्मियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और अन्य क्षेत्रों की साफ-सफाई कराई जा रही है। साथ ही लोगों से अपने घरों एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील की जा रही है।

मुखिया शाहबाज आलम ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपने घरों का कूड़ा-कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित डस्टबिन में ही डालें, ताकि सफाई कर्मी समय पर कचरे का उठाव कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही गांव को स्वच्छ, स्वस्थ और प्रदूषणमुक्त बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत ग्राम पंचायत राज डेरामारी को स्वच्छ, स्वस्थ और हराभरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनसहभागिता से ही स्वच्छ, सुंदर और आदर्श पंचायत का निर्माण संभव है।

पंचायत सरकार भवन निर्माण में भारी अनियमितता का आरोप, करोड़ों की सरकारी राशि पर उठे सवाल

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

17 जुलाई। ग्राम पंचायत पिछला, प्रखंड किशनगंज में निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और सरकारी मानकों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का मामला सामने आया है। सीमांचल सेवा फाउंडेशन (पंजीकृत) ने जिला पदाधिकारी को जनहित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि निर्माण कार्य में भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) एवं भवन निर्माण विभाग के निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। नींव एवं कॉलम निर्माण के दौरान जलजमाव की स्थिति में कार्य कराया गया, जिससे भवन की गुणवत्ता और सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

आरोप है कि निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सरिया एवं अन्य निर्माण सामग्री का प्रयोग नहीं हो रहा है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो भविष्य में भवन की मजबूती और आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि निर्माण स्थल पर अनिवार्य सूचना पट्ट (डिस्प्ले बोर्ड) तक नहीं लगाया गया है, जिससे योजना की लागत, कार्य एजेंसी, तकनीकी स्वीकृति एवं समय-सीमा जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां आम जनता से छिपी हुई हैं। इसे सरकारी कार्यों में पारदर्शिता के सिद्धांत का उल्लंघन बताया गया है।

सीमांचल सेवा फाउंडेशन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच में अनियमितता सिद्ध होने पर संबंधित अभियंता, संवेदक तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी धन की बबार्दी रोकी जा सके और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित हो सके।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस जनहित शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है।

नवीनगर: उत्तर कोयल नहर के पास से 150 बोतल देशी शराब और बाइक जब्त, तस्कर फरार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में देशी शराब के साथ एक मोटरसाइकिल को जब्त किया है। पुलिस को देखते ही तस्कर मौके से फरार हो गया।

नवीनगर थाना क्षेत्र के उत्तर कोयल नहर के पास गुप्त सूचना पर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग चलाया गया इस दौरान पुलिस ने बाइक पर लदे 150 बोतल झारखंड निर्मित देशी शराब को बरामद किया। पुलिस को अपनी ओर आते देख तस्कर बाइक और शराब छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने बाइक को भी जब्त कर लिया है।नवीनगर थाना पुलिस ने जब्त शराब और बाइक को थाना लाकर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि फरार तस्कर की पहचान की जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इलाके में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

भुइयांडीह में विधानसभा स्तरीय झामुमो के नए कार्यालय का विधायक सविता महतो ने किया उद्घाटन

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिल प्रखंड अंतर्गत भुइयांडीह स्थित एनएच-33 के समीप झामुमो केंद्रीय सदस्य ओम प्रकाश लायेक के नवनिर्मित आवास का गृह प्रवेश समारोह विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इसी अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधानसभा स्तरीय नए कार्यालय का भी विधिवत उद्घाटन किया किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ईचागढ़ विधायक सविता महतो ने फीता काटकर झामुमो कार्यालय का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने ओम प्रकाश लायेक के नवनिर्मित आवास का अवलोकन किया तथा गृह प्रवेश समारोह में शामिल होकर परिवार को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि भुइयांडीह में झामुमो कार्यालय खुलने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। कार्यकताओं को एक मंच मिलेगा, जहां से जनता की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार जनता के हित और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का अभियान जारी रहेगा। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक, झामुमो केंद्रीय सदस्य गुरुचरण किस्कू, चारु चांद किस्कू, ओम प्रकाश लायेक, काब्लू महतो, जिला अध्यक्ष डॉ. शुभेंदु महतो, जिला सचिव बैधनाथ टुडू, धर्मु गोप, शंकर लायेक, बादल महतो, अरुण टुडू, प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, कित्तीवास महतो, दिलीप किस्कू, मिलन तंतुवाई, सुदाम हेंब्रम, राहुल वर्मा समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पटना के पालीगंज का नाम हुआ रौशन बनौली खुर्द के अमन कुमार ने NEET में लहराया परचम, बने डॉक्टर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत खानपुरा तारनपुर पंचायत के लिए गर्व का क्षण है। खिरिमोड थाना क्षेत्र के बनौली खुर्द निवासी पिंटू शर्मा (उर्फ पिंटू ठाकुर) के पुत्र अमन कुमार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) में शानदार सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

अमन ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है कि सही दिशा में किया गया प्रयास लक्ष्य तक जरूर पहुँचाता है। नीट की इस कठिन परीक्षा में अमन ने 99.5 पर्सेंटाइल हासिल कर 10,000वीं रैंक प्राप्त की है। देशभर के लाखों परीक्षार्थियों के बीच अमन का यह प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय है।

अमन की इस उपलब्धि से पूरे पालीगंज इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परिजनों का कहना है कि यह अमन की कड़ी मेहनत और माता-पिता के सुसंस्कारों का ही परिणाम है। उनकी सफलता ने न केवल अपने माता-पिता का नाम रौशन किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवा छात्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गए हैं। अमन के डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने की दिशा में यह पहला बड़ा कदम है। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरे क्षेत्र से शुभकामनाएँ मिल रही हैं।

5 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण बरकरार, एसडीएम का आदेश भी एक महीने से बेअसर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला जिला प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। किशनगंज प्रखंड के बेलवा पंचायत अंतर्गत मौजा बेलवा काशीपुर की 5 एकड़ 12 डिसमिल सरकारी

भूमि पर कथित रूप से भूमाफियाओं का अवैध कब्जा आज भी कायम है, जबकि मामले की लिखित शिकायत जिलाधिकारी (डीएम) से लेकर अन्य अधिकारियों तक की जा चुकी है।

यह मामला मौजा काशीपुर, थाना संख्या-04, खाता संख्या-174 एवं खेसरा संख्या-808 से संबंधित है। जानकारी के अनुसार, अपर समाहर्ता के आदेश पर जमाबंदी रद्द होने के बाद यह जमीन सरकारी खाते में दर्ज हो चुकी है। इसके बावजूद अतिक्रमणकारियों द्वारा भूमि पर हल चलाकर चाय बागान लगा दिया गया।

ग्रामीणों ने व्हाट्सएप, सोशल मीडिया और लिखित आवेदन के माध्यम से जिलाधिकारी को शिकायत दी। अंचल कार्यालय ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया तथा प्राथमिकी भी दर्ज कराई, लेकिन अब तक जमीन को अतिक्रमणमुक्त नहीं कराया जा सका है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए 12 जून 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) ने दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं करीब 100 पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का संयुक्त लिखित आदेश जारी किया था। हालांकि निर्धारित तिथि पर न तो प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और न ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई। आदेश जारी हुए एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उसका अनुपालन नहीं हो सका है।

प्रशासन की चुप्पी से बढ़ा अतिक्रमणकारियों का मनोबल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण अतिक्रमणकारियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। अब कथित रूप से चाय बागान के समीप बची सरकारी जमीन पर भी बांस-बल्ली लगाकर घेराबंदी की जा रही है और स्थायी कब्जे की कोशिश जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि जब-जब अतिक्रमण किया गया, तब-तब प्रशासन को इसकी सूचना दी गई, लेकिन समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो पूरी सरकारी जमीन पर स्थायी कब्जा हो सकता है। उन्होंने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर एसडीएम के आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

फिलहाल पूरे मामले पर लोगों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि कागजों पर जारी आदेश धरातल पर कब उतरता है और सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई कब होती है।

खेत में मूंग तोड़ रही थी महिला, आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक मौत

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना क्षेत्र के बरियावा गांव में गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान 50 वषीर्या संगीता देवी, पति अजय शिकारी के रूप

में हुई है। जानकारी के अनुसार संगीता देवी गांव के समीप खेत में मूंग तोड़ने गई थीं। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हुआ और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई।बिजली की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। आस पास के किसानों ने परिजनों को सूचना दिया ।ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास करते हुए सदर अस्पताल औरंगाबाद ले गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया।घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को आपदा राहत के तहत उचित सरकारी सहायता और मुआवजा दिया जाए।

बोरवेल के 'यमराज' से पीयूष को सुरक्षित निकाल लौटे एनडीआरएफ के जांबाज

पटना के बिहटा मुख्यालय में हुआ भव्य सम्मान

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ गया जिले के फतेहपुर प्रखंड में 300 फीट गहरे बोरवेल में फंसे तीन वर्षीय मासूम पीयूष को मौत के मुंह से सुरक्षित वापस लाने वाले एनडीआरएफ की 9वीं वाहिनी, बिहटा के जांबाज जवानों को शनिवार को वाहिनी मुख्यालय में सम्मानित किया गया। 1 घंटे के उस कठिन रेस्क्यू अभियान में जवानों ने जिस साहस और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया, उसकी चारों ओर सराहना हो रही है। घटना 16 जुलाई की शाम की है, जब गया के रगुन गांव में मासूम पीयूष खेलते हुए एक खुले और अप्रयुक्त नल-जल योजना के बोरवेल में गिर गया था। सूचना मिलते ही बिहटा स्थित एनडीआरएफ की टीम अत्याधुनिक उपकरणों के साथ मौके पर आधी रात को पहुंची। बोरवेल की गहराई 300 फीट थी, जो रेस्क्यू के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण थी। जवानों ने सबसे पहले बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचाई ताकि उसे सांस लेने में दिक्कत न हो। अभियान के दौरान हर क्षण मौत और जिंदगी के बीच का फासला कम होता जा रहा था, लेकिन एनडीआरएफ के जवानों ने अपना धैर्य नहीं खोया। दिन-रात की परवाह किए बिना लगातार 1 घंटे तक चले इस संघर्ष के बाद, 17 जुलाई की रात करीब 1:50 बजे टीम ने पीयूष को सकुशल बाहर निकाल लिया। बच्चे के सुरक्षित बाहर आते ही पूरे गांव में जश्न का माहौल बन गया। सम्मान समारोह में अधिकारियों ने कहा कि पीयूष का सफल रेस्क्यू केवल एक ऑपरेशन नहीं, बल्कि बेहतर टीम वर्क और जवानों की अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है। अधिकारियों ने रेस्क्यू टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ का हर जवान विषम से विषम परिस्थितियों में भी लोगों की जान बचाने के लिए संकल्पित रहता है। इस सम्मान ने न केवल जवानों का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी की भावना को भी रेखांकित किया है। ग्रामीणों ने एक बार फिर एनडीआरएफ की टीम को 'देवदूत' बताते हुए उनके जज्बे को सलाम किया है। बिहटा मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में बचाव कार्य में शामिल सभी अधिकारी और जवान गर्व के साथ उपस्थित रहे।